संजय दत्तः एक्टर ने हनुमान अंश को सराहा, अनुप्रिया नागर संग फोटो साझा कर बोले- मुझे तुम पर बहुत गर्व है

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 30
न्यूनतम - 21

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

वर्ष 42, अंक 284 RNI NO.43285/85 संस्करण- नगर मुजफ्फरनगर मंगलवार 13 अक्टूबर 2026 आश्विन शुक्ल 3 विक्रमी संवत पृष्ठ 12 मूल्य 4 रूपया

तृतीय दिन

मां चंद्रघंटा

मां चंद्रघंटा के मस्तक पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र सुशोभित रहता है। वे साहस, शौर्य और दुष्ट शक्तियों के विनाश का प्रतीक हैं। सिंह पर सवार देवी की आराधना से भय और नकारात्मकता दूर होने की मान्यता है। भक्त सुख, शांति और निर्भय जीवन के लिए इनकी पूजा करते हैं।

मेघालय के बॉर्डर से देश में घुसे 18 बांग्लादेशी

- ट्रेन में सवार होने का मिला इनपुट, जांच हो गई शुरू
- बिहार और यूपी समेत कई राज्यों में अलर्ट भी जारी

शिलांग (एजेंसी)। उत्तर पूर्व का मेघालय राज्य सामरिक रूप से भी बहुत महत्वपूर्ण है। बांग्लादेश की सीमा मेघालय से मिलती है। मेघालय के डाउकी बॉर्डर के बाद बांग्लादेश का सिलहट जिला शुरू हो जाता है। खुफिया इनपुट मिली है कि मेघालय सीमा पार कर 18 संदिग्ध बांग्लादेशी घुसपैठिये भारत में घुसे और अब अन्य राज्यों में फैलने की कोशिश कर रहे हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य से भरा लाइटलूम- शिलांग से करीब 25 किलोमीटर दूर एक बहुत ही मनोरम स्थान है, लाइटलूम कैन्यन। लाइटलूम कैन्यन मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स जिले में आता है। पूर्वी खासी हिल्स जिले का मुख्यालय शिलांग ही है जो राज्य की राजधानी भी है। लाइटलूम- खासी भाषा के दो शब्दों से बना है, लाइट और लूम। लाइट का मतलब के अंत और लूम का मतलब है पहाड़ी। यानी पहाड़ी का अंत। लाइटलूम अपने नाम को भौगोलिक रूप से सच साबित करता है। लाइटलूम में मेघालय के पठार का अंत हो जाता है। यहां पहाड़ जैसे खत्म होता है उसके बाद बेहद गहरी खाई शुरू हो जाती है। पहाड़ की तलहटी की गहराई करीब तीन हजार फीट है।

गुवाहाटी से अमरनाथ एक्सप्रेस पकड़ने की सूचना

खुफिया इनपुट है कि ये घुसपैठिये मेघालय में प्रवेश कर नजदीक के गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पहुंचे। फिर वहां से लंबी दूरी की ट्रेन पकड़ कर अलग-अलग राज्यों में जाने की कोशिश की। इस इनपुट के बाद पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर ने बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड और मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालयों को थ्रेट एडवाइजरी जारी की है। इनपुट के मुताबिक इन 18 बांग्लादेशी घुसपैठियों में से 10 डाउकी बॉर्डर से और 8 मौसिनराम (मेघालय) सीमा से मेघालय पहुंचे थे।

मेघालय के लाइटलूम से दिखाई देता है बांग्लादेश

लाइटलूम एक खूबसूरत पर्यटन स्थल है। अगर मौसम साफ हो तो यहां के व्यू प्वाइंट से दक्षिण पश्चिम दिशा में देखने पर बांग्लादेश दिखाई पड़ता है। बांग्लादेश का यह हिस्सा उसके सिलहट रिजन में आता है। अगर हवाई दूरी की बात करें तो लाइटलूम से बांग्लादेश की दूरी मात्र 25-30 किलोमीटर ही है लेकिन ऊंचे पहाड़ और गहरी खाइयों के कारण यहां कोई सड़क मार्ग नहीं है। सड़क मार्ग से मेघालय- बांग्लादेश की सीमा डाउकी के पास मिलती है जो लाइटलूम से करीब 68 किलोमीटर दूर है। डाउकी मेघालय के पश्चिमी जयंतिया हिल्स जिले में आता है। शिलांग से डाउकी की दूरी करीब 82 किलोमीटर है।

सुप्रीम मार्च में जबरदस्त हुजूम, राहुल ने किया नेतृत्व

- चुनाव आयोग के खिलाफ वोट चोरी को लेकर याचिका दायर
- तेजस्वी-अखिलेश साथ रहे, राहुल समेत कई नेता याचिकाकर्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। एसआईआर में गड़बड़ी के खिलाफ कांग्रेस ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। जिसमें राहुल गांधी, अखिलेश यादव,तेजस्वी यादव समेत 11 विपक्षी नेता याचिकाकर्ता हैं। इसमें चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पार्टी बनाया गया है। इससे पहले विपक्ष के नेताओं ने बाराखंबा से सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला। करीब एक किमी लंबे मार्च में विपक्ष के नेता बस में, पैदल और वाहन में सवार हुए। इस मार्च में कांग्रेस के सभी मुख्यमंत्री भी शामिल हुए। मार्च के पहले राहुल गांधी ने 40 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने कहा था कि विपक्ष का मार्च शिवजी की बारात की तरह है, इसमें कोई भी शामिल हो सकता है। रविवार को विपक्षी सांसदों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत को पत्र लिखा था और ज्ञापन सौंपने के लिए समय मांगा था। लेकिन सीजेआई ने मिलने से इनकार कर दिया था और याचिका दाखिल करने के लिए कहा था। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत द्वारा उनसे मिलने से इनकार करने और कोर्ट में याचिका दायर करने के लिए कहने के कुछ घंटों बाद, इंडिया गठबंधन के सुप्रीम कोर्ट तक मार्च के दौरान हजारों कांग्रेस समर्थकों ने अपने नेताओं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का साथ दिया। भारी भीड़ के चलते राहुल गांधी समय सीमा से पहले सुप्रीम कोर्ट नहीं पहुंच पाए, इसलिए वकील ने याचिका दायर की।

जंतर-मंतर पर अब नहीं होंगे प्रदर्शन, 33 साल बाद बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर अब प्रदर्शन नहीं हो सकेंगे। केंद्र सरकार ने इसे निर्धारित प्रदर्शन स्थल की लिस्ट से 33 साल बाद हटा दिया है। गृह मंत्रालय ने एक कमेटी बनाई थी। इसकी सिफारिश पर दिल्ली का रामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और पूर्वी दिल्ली का जीएडी ग्राउंड प्रदर्शन स्थल बनाए गए हैं। कॉकरोच जनता पार्टी ने सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और एसआईआर पर रोक की मांग को लेकर सोमवार को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की परमिशन मांगी थी। पुलिस ने परमिशन देने से इनकार कर दिया। इससे पहले सीजेपी ने 20 जून से 25 जुलाई तक नीट पेपर लीक के मुद्दे पर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के लिए प्रदर्शन किया था। यह प्रदर्शन 36 दिन तक चला था।

संक्षिप्त समाचार

2026 का इकोनॉमिक्स नोबेल 2 अमेरिकी को

स्टाकहोम (एजेंसी)। 2026 का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार अमेरिकी अर्थशास्त्रियों रॉबर्ट ई. हॉल और माइकल वुडफोर्ड को मिला है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने सोमवार को को इसकी घोषणा की। दोनों को यह सम्मान अर्थव्यवस्था में मंदी और तेजी के उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए आर्थिक नीतियों के नए आधार विकसित करने पर दिया जाएगा। उनकी रिसर्च से समझने में मदद मिली कि आम लोगों के खर्च और कंपनियों के फैसले पूरी अर्थव्यवस्था को कैसे प्रभावित करते हैं। दोनों को कुल 1.2 करोड़ स्वीडिश क्रोनर यानी 11.5 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि बराबर मिलेगी। 1970 के दशक में आर्थिक संकट के दौरान नए मॉडल की जरूरत पड़ी अर्थशास्त्री जॉन मेनार्ड कीन्स ने करीब 100 साल पहले सुझाव दिया था कि मंदी के समय सरकार को खर्च बढ़ाना चाहिए और केंद्रीय बैंक को ब्याज दरें घटानी चाहिए।

महाराष्ट्र पीएससी पेपर लीक की जांच के लिए बनी कमेटी

- तुकाराम मुंढे सेक्रेटरी नियुक्त

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य लोक सेवा आयोग में सुधार के लिए रविवार को एक कमेटी बनाई। इसमें फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कमिश्नर तुकाराम मुंढे को सदस्य सचिव बनाया गया है। इसके बाद कैंडीडेट्स ने 10 दिन से चल रहा प्रदर्शन खत्म कर दिया। राज्य के मंत्री शिवेंद्रराजे भोसले ने पुणे में प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों को कमेटी बनाने की जानकारी दी। कमेटी के अध्यक्ष पूर्व जज दिलीप भोसले होंगे। इसमें आईपीएस अधिकारी लक्ष्मी गौतम, पूर्व आईएएस अधिकारी गणेश पाटिल और रिटायर्ड जज पीडी नाइक भी शामिल होंगे।

होर्मुज के पास जहाज पर ड्रोन हमला, 2 भारतीय लापता

तेहरान (एजेंसी)। होर्मुज स्ट्रेट के पास भारतीय क्रू वाले जहाज एमटी पेट्रो डॉल्फिन पर रविवार को ड्रोन से हमला हुआ। जहाज पर सवार 11 भारतीय नाविकों में से 9 को बचा लिया गया, जबकि 2 अब भी लापता हैं। हमले के पीछे कौन है, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पिछले 3 दिनों में इस क्षेत्र में भारतीय क्रू वाले 3 जहाजों पर हमले हुए हैं। इनमें से एक हमला रविवार को ही एमटी वाल्थेरा पर हुआ था जबकि दूसरा हमला 9 अक्टूबर को एमटी जेम नंबर 2 पर हुआ। भारत ने जहाजों पर होने वाले हमले तुरंत रोकने को कहा है। निकारागुआ के झंडे वाले टैंकर एमटी पेट्रो डॉल्फिन पर ओमान के सोहर बंदरगाह के पास जहाज पर ड्रोन से हमला हुआ। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा है कि भारतीय अधिकारी स्थानीय एजेंसियों के साथ मिलकर लापता नाविकों को खोजने की कोशिश कर रहे हैं।

देश में पहली बार इलेक्ट्रिक व्हीकल से बिजली सप्लाई होगी

- आईआईटी बॉम्बे ने इसे बनाया, केरलम से हो गई है शुरुआत
- उपलब्धि, इससे बिजली बिल में 30 फीसदी की कमी आई

मुंबई (एजेंसी)। अब इलेक्ट्रिक व्हीकल यानी ईवी से यात्रा करने के साथ उसकी बैटरी का इस्तेमाल घर में बिजली सप्लाई करने के लिए भी कर सकते हैं। बॉम्बे की ग्रिड इंटीग्रेशन लैब ने आईआईटी कैंपस में तीन साल तक प्रयोग किए। इस दौरान दिन में इलेक्ट्रिक कार सोलर पैनल से चार्ज होती और रात में एक प्रोफेसर के घर में बिजली सप्लाई करती। इसने घर के सभी उपकरणों का लोड उठाया और प्रोफेसर के बिजली बिल में करीब 30 फीसदी की कमी भी आई। ईवी की बैटरी से घर में बिजली सप्लाई करने को व्हीकल टू होम और वापस ग्रिड को बिजली भेजने को व्हीकल टू ग्रिड कहते हैं। आईआईटी बॉम्बे ने देश में पहली बार यह प्रोजेक्ट बनाया।

ईवी से घर में बिजली देने पर बैटरी लाइफ पर असर नहीं पड़ा

आईआईटी बॉम्बे ग्रिड इंटीग्रेशन लैब के प्रों जाकिर हुसैन राथर ने कहा कि ईवी से घर की लाइट लगातार सप्लाई के बाद भी बैटरी लाइफ पर खास फर्क नहीं पड़ा। बैटरी लाइफ को एसओएच से मापते हैं। नई बैटरी का एसओएच 100 फीसदी होता है। दो साल बाद एसओएच में 1.5 फीसदी की ही गिरावट आई। प्रो. जाकिर और उनकी टीम ने इस पर और रिसर्च की और बाकी शोध में भी इसकी पुष्टि हुई। भारत में ईवी अभी वी2जी के हिसाब से तैयार नहीं की जा रही हैं।

मणिपुर में कोहराम हिंसा का नया दौर शुरू

तीन जिलों में भारी बवाल, एक महिला का सिर काटा

नगा सोसायटी का अल्टीमेटम-48 घंटे में लौटा दो सिर

इम्फाल (एजेंसी)। कुकी बहुल इलाके में एक महिला की हत्या के बाद मणिपुर में हिंसा का एक नया दौर शुरू हो गया। कांगपोकपी समेत कई जिलों में नागा और कुकी के हथियारबंद गुटों के बीच संघर्ष जारी है। रविवार रात मणिपुर के ट्राइब्स काउंसिल और नागा सिविल सोसाइटी संगठन ने 52 साल के अजिनबो आर का कटा सिर वापस लाने की मांग करते हुए सरकार को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। शनिवार को उग्रवादियों ने कांगपोकपी जिले के माकुई अशांग गांव में रहने वाले अजिनबो आर की हत्या कर दी थी और उसका सिर काटकर ले गए। इस साल फरवरी से कुकी और नागा जनजातियों के बीच हुई हिंसा में 50 से ज्यादा लोग मारे गए हैं।

उग्रवादियों ने कटे सिर को ट्रॉफी बनाया

ट्राइबल काउंसिल ने मणिपुर में हो रही हिंसा के लिए सीधे राज्य और केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया। काउंसिल ने कहा कि हत्या और कटे सिर को ट्रॉफी तरह की पेश करना जघन्य अपराध मानवता का अपमान है। काउंसिल ने कटे हुए सिर को खोजने और वापस करने के लिए बिना किसी समझौते वाला 48 घंटे का अल्टीमेटम जारी किया। ट्राइबल काउंसिल ने चेतावनी दी कि ऐसा न होने पर न्याय सुनिश्चित करने के लिए सबसे कड़े कदम उठाए जाएंगे। पिछले तीन दिनों में 9 लोगों की मौत बता दें कि शुक्रवार और शनिवार को मणिपुर के कामजोंग,उखरुल और कांगपोकपी जिलों में गोलीबारी की अलग-अलग घटनाएं हुई हैं।

भारत सरकार लिखी गाड़ी, तीन वॉकी-टॉकी और आर्मी यूनिफॉर्म

पश्चिम बंगाल में रौब के साथ घूम रहा था फर्जी कर्नल,गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद पुलिस ने एक नकली आर्मी अफसर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से कई इलेक्ट्रॉनिक सामान बरामद हुए हैं, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। यह घटना मुर्शिदाबाद के नबाग्राम पुलिस स्टेशन इलाके में हुई, जहां इस नकली अफसर को पकड़ा गया। आरोपी सागर दीघी का रहने वाला है। आरोपी तरुण दास के पास से भारत सरकार का स्टिकर लगी एक गाड़ी, तीन वॉकी-टॉकी, कई मोबाइल फोन, नकली पहचान पत्र, संदिग्ध दस्तावेज, नकद और धोखाधड़ी में इस्तेमाल होने वाला सामान जब्त किया गया। बरामद सामान की अभी जांच की जा रही है। अधिकारी इन दस्तावेजों के मकसद और इस घटना में किसी और के शामिल होने की जांच कर रहे हैं।

बिहार के सबसे बड़े अस्पताल में कई सुविधाओं का विस्तार

- सीएम सम्राट बोले- अब 2500 बेड पर मरीजों का इलाज

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) के पुनर्विकास योजना के पहले चरण के तहत नवनिर्मित टावर-3 का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पीएमसीएच में अब एक साथ 2 ,500 बेड पर मरीजों का आधुनिक चिकित्सकीय सुविधाओं के साथ इलाज होगा। सरकार का उद्देश्य अस्पताल को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से युक्त आधुनिक चिकित्सा संस्थान के रूप में विकसित करना है। मुख्यमंत्री ने उद्घाटन के बाद नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, मरीजों के पंजीकरण, उपचार व्यवस्था तथा निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि अस्पताल में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ सभी सुविधाओं का समुचित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए।

सीजेपी का पुलिस को 24 घंटे का अल्टीमेटम

- कहा-प्रदर्शन की इजाजत नहीं मिली तो फिर आंदोलन करेंगे
- दीपके बोले- हिरासत का अधूरा वीडियो दिखाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली पुलिस को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। उसने कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की तारीख नहीं मिली तो फिर आंदोलन करेंगे।

सीजेपी के सह-संयोजक आशुतोष रांका और सौरव दास सोमवार को प्रदर्शन की अनुमति मांगने पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन पहुंचे थे। इसी बीच, सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने हिरासत का वीडियो एडिट करके जारी किया है। उन्होंने कहा- हिम्मत है तो पूरा वीडियो दिखाओ। दीपके के मुताबिक, दादी की मौत की खबर सुनने के बाद उन्होंने अपने चचेरे भाई से बात करने देने की अपील की।

दो मिनट के लिए फोन देने के लिए भी कहा लेकिन पुलिस ने इजाजत नहीं दी। दीपके, रांका और दास को शनिवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर हिरासत में लिया गया था। वे जंतर-मंतर पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन करने जा रहे थे। रविवार को कार्यकारी मजिस्ट्रेट के सामने पेशी के बाद तीनों को रिहा कर दिया गया। कोर्ट ने एक साल तक शांति भंग नहीं करने की शर्त भी रखी। सीजेपी लीडर आशुतोष रांका ने कहा कि संगठन ने पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने में पुलिस को लेटर देकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति मांगी है।

दीपके बोले- पुलिस ने परिवार को नहीं बताया कि मैं कहां हूं

दीपके ने कहा कि पुलिस हिरासत में वकील से संपर्क करना कानूनी अधिकार है, लेकिन उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा- पुलिस ने पूरे दिन मेरे माता-पिता और वकीलों को नहीं बताया कि मुझे कहां पर हिरासत में रखा है। दीपके के मुताबिक, रात 3.30 बजे पुलिस ने उनसे माता-पिता को फोन करने को कहा। उस समय परिवार उनकी दादी की मौत के दुख से गुजर रहा था। उन्होंने सवाल किया कि पुलिस ने उनके परिवार को खुद हिरासत की जगह क्यों नहीं बताई। दीपके ने कहा- पुलिस ने मुझे और मेरे परिवार को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया।

अनमोल वचन

संसार में जितने भी जलचर, नभचर और थलचर हैं सब अपने भोजन और प्रजनन क्रियाओं में ही व्यस्त रहते हैं। समस्त प्राणियों में मनुष्य सर्वश्रेष्ठ प्राणी है। इसके बावजूद अधिकांश मनुष्य इसी प्रकार का जीवन यापन करते दिखाई देते हैं। फिर मनुष्य और पशु में अन्तर ही क्या रह जाता है? ये पशु प्रवृत्तियाँ केवल अशिक्षित व्यक्तियों में ही हों ऐसा नहीं है, अपितु पाया यह जाता है कि पढ़े लिखे, शिक्षित सभ्य समाज के लोग ही अधिक दुर्व्यसनी हैं, सत्य असत्य का, उचित अनुचित का, मयार्दा और संयम का कोई ध्यान नहीं रखते। केवल अपने इन्द्रिय सुख के लिए, लोभ लालच की पूर्ति के लिए, पुत्रैषणा, वित्तैषणा, धन कमाने, संग्रह करने की कामना और लोकैषणा (अपनी प्रसिद्ध, यश सम्प्राप्ति की कामना) के लिए संसार का कोई भी निकृष्ट कार्य कर सकते हैं। पाप कर्म करने में कोई भय नहीं, ईश्वर प्रदत्त कर्म फल की व्यवस्था पर विश्वास नहीं। मानसिक चिन्तन पर किसी प्रकार का नियन्त्रण नहीं, फिर जीवन में सुख शान्ति का वातावरण कैसे बने? आत्मिक उन्नति किस प्रकार सम्भव हो? हमें चाहिए कि हम सदा ज्ञानी विद्वान पुरुषों के संसर्ग में रहें, विवेक बुद्धि को विकसित करें, निःस्वार्थ भाव से परोपकार करें। दूसरों से ऐसा व्यवहार न करें जो तुम्हें स्वयं के लिए नापसन्द है। इस प्रकार कुप्रवृत्तियाँ एवं कुसंस्कार हावी नहीं होंगे। हम मनुष्यता की कसौटी पर खरे उतरेंगे।

नवरात्र में महिला सुरक्षा का संदेश लेकर सड़कों पर उतरी खाकी, एसएसपी ने दिखाई हरी झंडी

मिशन शक्ति फेज-6 के तहत पुलिस लाइन से निकला महिला सुरक्षा मार्च, झांसी की रानी से शिव चौक तक गूंजा जागरूकता का संदेश

मुजफ्फरनगर। नवरात्र पर्व पर मंदिरों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर मुजफ्फरनगर पुलिस ने अपनी सक्रियता का संदेश दिया। मिशन शक्ति फेज-6 के तहत सोमवार को पुलिस लाइन से महिला सुरक्षा पैदल मार्च निकाला गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज राय ने हरी झंडी दिखाकर मार्च को रवाना किया। सफेद और नीली वर्दी में महिला पुलिसकर्मियों की कतार शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी तो लोगों का ध्यान इस ओर आकर्षित हुआ। मार्च के जरिए महिलाओं को सुरक्षा के प्रति आश्वस्त करने के साथ ही छेड़छाड़, घरेलू हिंसा और साइबर अपराध जैसी समस्याओं के खिलाफ जागरूकता का संदेश दिया गया।

पुलिस लाइन से शुरू हुआ मार्च, प्रमुख चौराहों से गुजरा

मिशन शक्ति अभियान के तहत आयोजित पैदल मार्च पुलिस लाइन से शुरू हुआ। यहां एसएसपी सूरज राय ने महिला पुलिसकर्मियों और अन्य महिला कर्मियों की मौजूदगी में मार्च को रवाना किया। मार्च का नेतृत्व एसपी क्राइम इंदु सिद्धार्थ, सीओ रुपाली राय और सीओ ऋषिका सिंह ने किया। पुलिस लाइन से निकलकर मार्च शहर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ झांसी की रानी, मालवीय चौक और शिव चौक जैसे महत्वपूर्ण इलाकों से गुजरा। इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने अनुशासित कतार में चलकर महिला सुरक्षा के प्रति पुलिस की प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। मार्च में स्थानीय थानों की महिला पुलिसकर्मियों के साथ विभिन्न विभागों की महिला कर्मियों ने भी भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सिर्फ सड़कों पर पुलिस की मौजूदगी दिखाना नहीं, बल्कि महिलाओं और युवतियों में सुरक्षा का

भरोसा मजबूत करना भी रहा। सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के साथ होने वाली छेड़छाड़, अभद्र व्यवहार और अन्य अपराधों के खिलाफ पुलिस की सख्ती का संदेश दिया गया।

मार्च के दौरान महिलाओं को घरेलू हिंसा और साइबर अपराधों के प्रति भी जागरूक किया गया। पुलिस प्रशासन की ओर से यह संदेश दिया गया कि महिलाओं से संबंधित किसी भी शिकायत को गंभीरता से लिया जाएगा और सूचना मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। राहगीरों ने महिला पुलिसकर्मियों की लंबी कतार देखकर उनकी सराहना की। शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते मार्च ने नवरात्र के दौरान महिला सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे अभियान को सार्वजनिक रूप से सामने रखा।

एसएसपी की चेतावनी–महिलाओं की सुरक्षा से समझौता नहीं

एसएसपी सूरज राय ने कहा कि नवरात्र पर्व के दौरान महिलाओं की सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकताओं में शामिल है। किसी भी शरारती तत्व ने महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश की तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने महिला पुलिसकर्मियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पुलिस महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए पूरी गंभीरता से काम कर रही है। महिलाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए पुलिस और प्रशासन लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। नवरात्र के दौरान मंदिरों में दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने और बाजारों में भीड़ बढ़ने की संभावना को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मंदिरों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। महिला सुरक्षा से संबंधित शिकायतों पर त्वरित संज्ञान लेने के निर्देश भी दिए गए हैं। पुलिस का प्रयास है कि धार्मिक स्थलों पर आने वाली महिलाओं, खरीदारी के लिए बाजार पहुंचने वाली महिलाओं और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने वाली युवतियों को सुरक्षित माहौल मिल सके। मिशन शक्ति फेज-6 के तहत महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने, उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने और जरूरत पड़ने पर पुलिस की मदद लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

राजकीय सम्मान के साथ पंचतत्व में विलीन हुए सिपाही अंकित कुमार, दो साल के बेटे विहान ने दी मुखाग्नि तो हर आंख हुई नम

मुजफ्फरनगर। शनिवार को जिस घर में जन्मदिन की खुशियां मनाई गई थीं, वहां रविवार को सिपाही अंकित कुमार का पार्थिव शरीर पहुंचते ही चीख-पुकार मच गई थी। सोमवार सुबह जब उत्तर प्रदेश पुलिस के जवान अंकित कुमार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई, तो माहौल गमगीन हो गया। रुड़की रोड स्थित जनकपुरी श्मशान घाट पर सुबह नौ बजे अंतिम संस्कार किया गया। सबसे मार्मिक क्षण वह था, जब महज दो साल के बेटे विहान ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। इस दृश्य को देखकर वहां मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। जिस पिता की उंगली पकड़कर अभी बच्चे ने चलना सीखा होगा, उसी पिता को इतनी कम उम्र में अंतिम विदाई देनी पड़ी। शाहबुद्दीनपुर रोड निवासी अंकित कुमार शाहजहांपुर के रोजा थाने में आरक्षी के पद पर तैनात थे। सड़क हादसे में उनकी मौत के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। सोमवार को अंतिम संस्कार के दौरान परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों, परिचितों और क्षेत्र के लोगों की मौजूदगी में उन्हें अंतिम विदाई दी गई। पुलिस विभाग की ओर से राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार की व्यवस्था की गई। बेटे ने दी मुखाग्नि, पिता को अंतिम विदाई देता मासूम देख हर आंख हुई नम अंकित कुमार की अंतिम विदाई का सबसे भावुक पल तब आया, जब उनके दो वर्षीय बेटे विहान ने मुखाग्नि दी। इतनी छोटी उम्र में विहान को शायद यह भी अहसास नहीं होगा कि वह अपने पिता से हमेशा के लिए बिछड़ रहा है, लेकिन वहां मौजूद हर शख्स इस असहनीय पीड़ा को महसूस कर रहा था। पिता की मौत से अनजान मासूम के हाथों अंतिम संस्कार की रस्म पूरी होते देख लोगों की आंखें भर आईं। अंकित अपने पीछे पत्नी प्रीति, चार वर्षीय बेटी अनुष्का और दो वर्षीय बेटे विहान को छोड़ गए हैं। दोनों बच्चे अभी उस उम्र में हैं, जब उन्हें पिता के स्नेह, दुलार और मार्गदर्शन की सबसे अधिक जरूरत है। अब उनके बचपन में पिता की कमी हमेशा महसूस होगी। परिवार के लिए यह ऐसा दुख है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। सोमवार सुबह नौ बजे जनकपुरी श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार के दौरान कार्यवाहक सीओ सिटी राजू कुमार साव, शहर कोतवाल बृजेश कुमार शर्मा, अस्पताल चौकी प्रभारी सोनू कुमार और रुड़की चुंगी चौकी प्रभारी दीपक कुमार पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की मौजूदगी में जवान को अंतिम विदाई दी गई।

अंकित कुमार पुलिस विभाग में अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे थे। शाहजहांपुर में तैनाती के दौरान उनकी मौत की खबर ने विभागीय साथियों और परिचितों को भी दुखी कर दिया। अंतिम संस्कार में मौजूद लोगों ने शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी और इस कठिन समय में धैर्य रखने का ढांढस बंधाया। इस हादसे ने परिवार को इसलिए भी गहरे सदमे में डाल दिया, क्योंकि शनिवार को ही अंकित कुमार का जन्मदिन था। परिवार ने उनके लंबे जीवन और खुशियों की कामना की होगी, लेकिन अगले ही दिन उनकी मौत की खबर ने सारी खुशियों को मातम में बदल दिया।

महाराजा अग्रसेन जयंती पर संयुक्त वैश्य मोर्चा का विशाल भंडारा, हजारों लोगों ने ग्रहण किया प्रसाद

मुजफ्फरनगर। चक्रवर्ती सम्राट महाराजा अग्रसेन जी महाराज की 5051वीं जयंती के अवसर पर सोमवार को संयुक्त वैश्य मोर्चा, मुजफ्फरनगर की ओर से टाउन हॉल मेन रोड स्थित महाराजा अग्रसेन स्मारक के बाहर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में हजारों लोगों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में सर्वसमाज की भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक एकता, आपसी भाईचारे और जरूरतमंदों की सेवा का संदेश दिया गया। महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों को याद करते हुए अतिथियों ने उनके एक ईंट-एक रुपये के सिद्धांत को सामाजिक समरसता का प्रतीक बताया। कार्यक्रम में महामंडलेश्वर संदीप दास खत्री, नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप, वरिष्ठ भाजपा नेता गौरव स्वरूप और वरिष्ठ समाजसेवी सत्यप्रकाश रेशु सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल हुए।

दीप प्रज्वलन और मंगल आरती के साथ हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ

जयंती समारोह का शुभारंभ अतिथियों ने महाराजा अग्रसेन जी महाराज की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद मंगल आरती की गई और उपस्थित लोगों ने महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों को याद किया। संयुक्त वैश्य मोर्चा की ओर से अतिथियों को

अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुंबई की प्रसिद्ध गायिका एवं कवयित्री रजनी मिश्रा और खाटू श्याम भजनों के गायक रॉबिन संगल ने संयुक्त रूप से मंगल आरती की। दोनों कलाकारों ने महाराजा अग्रसेन जी महाराज पर आधारित भजनों की प्रस्तुति देकर माहौल भक्तिमय बना दिया। भजनों के दौरान श्रद्धालु भावविभोर नजर आए और पूरे आयोजन में उत्साह का माहौल बना रहा।

कैंची से नहीं, ताला खोलकर किया भंडारे का उद्घाटन

कार्यक्रम का एक विशेष पहलू भंडारे का उद्घाटन करने का तरीका रहा। आयोजकों ने महाराजा अग्रसेन जी के सिद्धांतों को प्रतीकात्मक रूप से सामने रखते हुए कैंची से फीता काटने के बजाय ताला खोलकर भंडारे का शुभारंभ किया। आयोजकों ने कहा कि कैंची दो सिरों को अलग करती है, जबकि महाराजा अग्रसेन जी का संदेश समाज को जोड़कर चलने का रहा है। इसी भावना के अनुरूप ताला खोलकर भंडारे की शुरूआत की गई। इस पहल के माध्यम से सामाजिक एकता, सहयोग और समरसता का संदेश देने का प्रयास किया गया।

सर्वसमाज की भागीदारी ने दिया एकता का संदेश

कार्यक्रम में महामंडलेश्वर संदीप दास खत्री ने महाराजा अग्रसेन जी की जयंती पर सर्वसमाज की भागीदारी को सकारात्मक संदेश बताया। उन्होंने संयुक्त वैश्य मोर्चा की ओर से आयोजित भव्य कार्यक्रम की सराहना करते हुए आयोजकों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज के लोगों को एक मंच पर लाने और आपसी सद्भाव को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महाराजा अग्रसेन जी के आदर्श आज भी समाज को सेवा, सहयोग और समानता की प्रेरणा देते हैं।

एक ईंट-एक रुपये का सिद्धांत आज भी प्रासंगिक

कार्यक्रम में वक्ताओं ने महाराजा अग्रसेन जी के एक ईंट-एक रुपये के सिद्धांत का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका मूल संदेश जरूरतमंदों की सहायता करना और समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आगे बढ़ने में सहयोग देना है। इसी भावना के अनुरूप संयुक्त वैश्य मोर्चा ने सर्वसमाज के लोगों के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया। नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप और वरिष्ठ भाजपा नेता गौरव स्वरूप ने संयुक्त रूप से आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि महाराजा अग्रसेन स्मारक पर जयंती के अवसर पर सर्वसमाज के लिए प्रसाद की व्यवस्था करना प्रशंसनीय पहल है। उन्होंने आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम सामाजिक समरसता और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं।

वक्ताओं ने महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया

कार्यक्रम के दौरान सत्यप्रकाश रेशु, अशोक अग्रवाल, नवनीत कुच्छल, सुमित गर्ग, विशाल गोयल, कुलदीप गोयल और मोहन तायल सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे। वक्ताओं ने महाराजा अग्रसेन जी के जीवन और उनके सामाजिक आदर्शों को याद करते हुए कहा कि समाज की उन्नति के लिए आपसी सहयोग, सेवा और समानता की भावना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी की शिक्षाएं केवल एक समाज तक सीमित नहीं हैं,

गैंगस्टर एक्ट में वांछित हकीकत गिरफ्तार, शेरपुर चुंगी से पुलिस ने दबोचा

रुड़की रोड पर मुखबिर की सूचना पर कोतवाली नगर पुलिस की कार्रवाई, आरोपी के खिलाफ चोरी, गोवध अधिनियम और आर्म्स एक्ट समेत तीन मुकदमे दर्ज

मुजफ्फरनगर। कोतवाली नगर पुलिस ने वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत गैंगस्टर एक्ट के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार, 12 अक्टूबर 2026 को मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को शेरपुर चुंगी, रुड़की रोड से गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपी की पहचान हकीकत पुत्र मौसम अली निवासी ग्राम शेरपुर, थाना कोतवाली नगर, जनपद मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में वांछित अभियुक्तों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक नगर और सहायक पुलिस अधीक्षक नगर/क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी बृजेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में कोतवाली नगर पुलिस की टीम भी लगातार वांछित आरोपियों की तलाश कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को हकीकत के शेरपुर चुंगी, रुड़की रोड की ओर होने की सूचना

मिली। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार हकीकत के खिलाफ कोतवाली नगर थाने में तीन मुकदमे दर्ज हैं। इनमें वर्ष 2015 में दर्ज मुकदमा संख्या 1986/2015 में भारतीय दंड संहिता की धारा 382 और 411 के तहत कार्रवाई की गई थी। इसके अलावा वर्ष 2025 में मुकदमा संख्या 423/2025 बीएनएस की धारा 109(1), गोवध अधिनियम की धारा 3/5ए/8 और आर्म्स एक्ट की धारा 3/25/28 के तहत दर्ज है। वहीं, वर्ष 2026 में उसके खिलाफ मुकदमा संख्या 447/2026 गैंगस्टर एक्ट की धारा 2/3 के तहत दर्ज किया गया था। इसी मामले में हकीकत वांछित चल रहा था। पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी और सोमवार को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर उसे पकड़ने में सफलता मिली। गिरफ्तारी के बाद कोतवाली नगर पुलिस आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है। पुलिस के अनुसार, उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

कोर्ट में पेश हुए बीएसए संदीप कुमार, एनबीडब्लू वारंट रिकॉल

23 अक्टूबर को अभिलेखों के साथ फिर होना होगा हाजिर

मुजफ्फरनगर। महिला के घर में घुसकर मारपीट और जानलेवा हमले के करीब छह साल पुराने मामले में आरोपियों की उम्र से संबंधित अभिलेख प्रस्तुत नहीं करने पर गिरफ्तारी वारंट का सामना कर रहे जिले के बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार सोमवार को एफटीसी थर्ड कोर्ट में पेश हुए। वह अपने अधिवक्ता श्रवण कुमार के साथ पीठासीन अधिकारी रवि कुमार दिवाकर के न्यायालय में पहुंचे। न्यायालय ने उनके खिलाफ जारी गैर जमानती वारंट को रिकॉल करने की अर्जी स्वीकार कर ली। साथ ही मामले से संबंधित आवश्यक अभिलेखों के साथ 23 अक्टूबर को दोबारा न्यायालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए।

न्यायालय ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को प्रवेश रजिस्टर, टीसी रजिस्टर, स्कॉलरशिप रजिस्टर समेत मामले से संबंधित सभी आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करने को कहा है। वहीं, प्रकरण की गहनता से जांच कर निष्पक्ष रिपोर्ट तैयार करने के लिए अतिरिक्त समय दिए जाने की मांग भी की गई है।

आरोपियों की उम्र से जुड़े दस्तावेजों को लेकर चल रही सुनवाई

यह मामला वर्ष 2020 का है। नई मंडी थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले में रहने वाली

महिला ने आरोप लगाया था कि कुछ लोग जबरन उसके घर में घुस आए और उसके साथ मारपीट करते हुए जानलेवा हमला किया। मामले में मोनू, कृष्णपाल, सत्यम और बंटू समेत छह आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। मुकदमे की सुनवाई के दौरान दो आरोपियों के परिजनों ने न्यायालय में दावा किया कि घटना के समय वे नाबालिग थे। इसके बाद दोनों की वास्तविक उम्र निर्धारित करने के लिए संबंधित दस्तावेजों की जरूरत पड़ी। इसी सिलसिले में न्यायालय ने बीएसए संदीप कुमार को तलब कर उम्र से संबंधित अभिलेखों और बयान के लिए उपस्थित होने के निर्देश दिए थे।

पेश नहीं होने पर जारी हुआ था गिरफ्तारी वारंट

न्यायालय की ओर से समन तामील होने के बावजूद बीएसए के निर्धारित तिथि पर उपस्थित नहीं होने पर पीठासीन अधिकारी रवि कुमार दिवाकर ने सख्त रुख अपनाया था। न्यायालय ने सीओ सिटी सिद्धार्थ कुमार मिश्रा को बीएसए को गिरफ्तार कर 12 अक्टूबर को हर हाल में न्यायालय में पेश करने का निर्देश देते हुए गैर जमानती वारंट जारी किया था। इसके बाद सोमवार को बीएसए न्यायालय में पेश हुए और वारंट रिकॉल कराने की प्रक्रिया पूरी की। बीएसए संदीप कुमार के अधिवक्ता श्रवण कुमार ने बताया कि मामला एक निजी स्कूल से संबंधित है, जिसकी पूरी जानकारी बेसिक शिक्षा अधिकारी को नहीं थी। इसके बावजूद न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए संबंधित अभिलेखों की गहनता से जांच कराई जाएगी। निष्पक्ष रिपोर्ट तैयार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

समन वास्ते करार वाद उमुर तनकीह तलब आर्डर 5 नियम 1 व 5

न्यायालय श्रीमान अपर उपजिलाधिकारी सदर, मुजफ्फरनगर।

वाद सं०- 7308 | सन् 2026

पंकज कुमार पुत्र किरतभान निवासी-ग्राम कुतुबपुर परगना पुरछपार तहसील सदर जिला मुजफ्फरनगर ....वादी

बनाम

1. संजीव कुमार त्यागी पुत्र शिवराज त्यागी 2. साधना पत्नी राजीव त्यागी 3. अनन्त त्यागी पुत्र राजीव त्यागी 4. शिवम त्यागी पुत्र राजीव त्यागी 5. रविन्द्र कुमार पुत्र सूरजभान 6. राकेश पुत्र रविदत्त निवासीगण-ग्राम कुतुबपुर परगना पुरछपार तहसील सदर जिला मुजफ्फरनगर 7. अनिरुद्ध कुमार पुत्र प्रियभान निवासी-ई-4 ग्रेटर कैलाश एन्क्लेव-1 नई दिल्ली 8. विवेक कुमार पुत्र प्रियभान निवासी-मौहल्ला आदर्श कालौनी पोस्ट नई मण्डी जिला मुजफ्फरनगर 9. श्रीमति ऋचा पत्नी विकास कुमार निवासी-ग्राम बरला परगना पुरछपार तहसील सदर जिला मुजफ्फरनगर 10. शीना पुत्री शशिकान्त 11. अल्का त्यागी पत्नी शशिकान्त त्यागी निवासी-म०नं० 44ए सुभाषनगर उधम सिंह नगर ....प्रतिवादीगण

धारा-116 यू०पी०आर०सी० | मौजा-कुतुबपुर

वादी ने आपके नाम नालिश बाबत तकसीम दायर की मे लिहाजा आपको हुक्म होता है आप ब तारीख के जो दिनांक 16-10-26 को 10:00 बजे दिन मे असालतन या मार्फत वकील के मुकद्मे हालात से करार वाकिफ हाजिर होकर जवाब देही दावा करे व जुमला गवाही पेश करे। गैर हाजिरी में मुकदमा फैसला होगा।

बस्वत दस्तखत व मोहर अदालत आज दिनांक 12/10/2026 जारी।

न्यायालय अपर उपजिलाधिकारी सदर मु०नगर।

शिकायत पर चिकित्सा विभाग ने अस्पताल को नोटिस दिया

स्वजन ने 15 माह के बच्चें के मौत की शिकायत की थी

बुढ़ाना 12अक्टूबर।बुढ़ाना के ग्रीन हॉस्पिटल पर चिकित्सक की लापरवाही का आरोप लगाते 15 माह के बच्चे की मौत होने की शिकायत स्वजन ने की थी। सीएमओ के निर्देश पर चिकित्सा विभाग की टीम सीएचसी प्रभारी डॉ. प्रणव तेवतिया टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने अस्पताल की बच्चों की नर्सरी को मंगलवार दोपहर तक खाली कराने का नोटिस दिया।

शामली निवासी मनु पुंडीर ने बताया कि उसकी ससुराल गांव बिराल में है। उसका 15 माह का बच्चा बिराल में रहने के दौरान बीमार हुआ तो 18 सितंबर को बुढ़ाना के ग्रीन हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। आरोप लगाया कि चिकित्सक की लापरवाही से बालक की मौत हो गई थी। उसके बाद शिकायत की गई थी।

सोमवार को सीएमओ कार्यालय पर प्रदर्शन किया गया। जिसके बाद सीएमओ के निर्देश पर टीम अस्पताल की बच्चों की नर्सरी बंद कराने पहुंची थी। इस दौरान अस्पताल में टीम व अस्पताल स्टाफ के बीच जमकर बहस हुई। अस्पताल के लोगो का कहना था कि योग्य चिकित्सक और सभी मानक पूरे होने के कारण नर्सरी टीम ने अस्पताल में चलाई जा रही नर्सरी सील नही की जा सकती। उसके बाद डॉ प्रणव तेवतिया ने अस्पताल को मंगलवार दोपहर तक नर्सरी खाली करने का नोटिस दिया, जिससे सील की कार्रवाई की जा सके। इस दौरान अस्पताल के सामने भारी भीड़ जमा हो गई। मौके पर पुलिस बल भी मौजूद रहा। ग्रीन हॉस्पिटल की डॉ. निहारिका शर्मा ने बताया कि गत माह बुखार होने पर बच्चे को भर्ती किया गया था

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक: ◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222, मो. 9412211222

e-mail Address : royalbulletin@gmail.com

सूचना

1. यह कि मै शपथपूर्वक बयान करती हूँ कि मेरा नाम श्रीमति बाला पत्नी स्व० श्री राजेश निवासी अमित बिहार कूकडा, थाना—नई मण्डी, तहसील सदर जिला मुजफ्फरनगर का हूँ और निम्नलिखित बयान करता हूँ।

2. यह कि मै शपथपूर्वक बयान करती हूँ कि मेरा पुत्र सन्नी व मेरी पुत्रवधू श्रीमति रीटा मेरे कहने सुनने से बाहर है जिनका उठना बैठना गलत संगत के प्रवृत्ति के लोगो के साथ है और जिसका आचरण शपथकर्ता व उसके परिजनो के विरुद्ध कठोर हो गया है जिस कारण शपथकर्ता ने इनकी गलत हरकतो को देखते हुए अपने पुत्र व पुत्रवधू से अपने सभी प्रकार के सम्बन्ध विच्छेद करते हुए अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है आज के बाद से शपथकर्ता का कोई मतलब वास्ता इनसे नही होगा। शपथकर्ता का पुत्र व पुत्रवधू उक्त अपने किसी भी प्रकार के लेनदेन एवं आपराधिक कृत्य के प्रति स्वम जिम्मेदार होगा।

सूचनाकर्ता / शपथकर्ता:
श्रीमति बाला
पत्नी स्व० श्री राजेश
निवासी: अमित बिहार कूकडा, थाना—नई मण्डी,
तहसील सदर, जिला मुजफ्फरनगर (उ०प्र०)

कार्यालय नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर

<u>अल्पकालीन ई-निविदा सूचना</u>

पत्रांक:- 845 / ज०क० / 2026-27 | दिनांक:- 09 / 10 / 2026

नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर के जलकल विभाग द्वारा बोर्ड फण्ड से स्वीकृत 08 कार्यो हेतु अधिकृत कार्यकारी फर्मों से दिनांक:- 27 / 10 / 2026 को सायं 3:00 बजे तक ई-निविदायें आमन्त्रित की जाती है। वेवसाईट http://etender.up.nic.in पर निविदा ऑनलाईन दिनांक:- 13 / 10 / 2026 की प्रातः 10:00 बजे से दिनांक:- 27 / 10 / 2026 की सायं 03:00 बजे तक डाउनलोड तथा अपलोड की जा सकती है। कार्य की धरोहर राशि एफ०डी०आर० के रूप में जो अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर के नाम बंधक होगी तथा निविदा मूल्य का ड्राफ्ट (जी०एस०टी० सम्मिलित करते हुए) वाटर सप्लाई एण्ड सीवरेज डिपार्टमेन्ट नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर के नाम जारी करते हुए अपलोड की गयी एफ०डी०आर० को मूलप्रति के रूप मे तकनीकी बिड खोले जाने की नियत दिनांक से एक दिन पूर्व कार्यालय मे उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। प्राप्त ई-निविदायें दिनांक:- 27 / 10 / 2026 को सायं 04:00 बजे अधिशासी अधिकारी महोदया के समक्ष खोली जायेगी। निविदा तिथि को अवकाश होने की स्थिति में निविदायें अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी तथा यह भी उल्लेखित है कि किसी भी निविदा को बिना कारण बतायें निरस्त करने का समस्त अधिकार मा० अध्यक्ष महोदया नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर में निहित होगा। अधिक जानकारी के लिए ऊपर दी गयी वेवसाईट पर लॉगईन कर सकते है।

सहायक अभियन्ता (जल) | अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर | अध्यक्ष

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
मंगलवार 13 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3

अवैध हथियारों की बड़ी खेप पकड़ी, चार पिस्टल और सात तमंचों के साथ तीन गिरफ्तार

खालापार पुलिस की घेराबंदी में फंसे हथियारों के कथित सौदागर, 40 जिंदा कारतूस और मोटरसाइकिल बरामद, बिरालसी गांव के रहने वाले हैं तीनों आरोपी

मुजफ्फरनगर। जनपद में अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त के खिलाफ कार्रवाई करते हुए खालापार थाना पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चार पिस्टल, सात तमंचे और 40 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी मोटरसाइकिल पर सवार होकर हथियार लेकर जा रहे थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने शारदेन स्कूल के पीछे गहरा बाग वाले रास्ते पर घेराबंदी कर तीनों को पकड़ लिया। बरामद हथियारों में 32 बोर की पिस्टल और तमंचों के साथ 315 बोर तथा 12 बोर के तमंचे भी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों की मोटरसाइकिल को भी कब्जे में लिया है। तीनों आरोपी चरथावल क्षेत्र के गांव बिरालसी के निवासी हैं। पुलिस का दावा है कि पूछताछ में आरोपियों ने अवैध हथियार खरीदकर आगे बेचने और उससे मुनाफा कमाने की बात बताई है। क्षेत्राधिकारी नगर कार्यवाहक सुनील कुमार ने बताया कि रविवार को खालापार चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक असगर अली पुलिस टीम के साथ फक्करशाह चौक पर चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त में शामिल तीन युवक काले रंग की हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल पर सवार होकर गहरा बाग वाले रास्ते से आने वाले हैं। सूचना में यह भी बताया गया कि समय रहते कार्रवाई की जाए तो उन्हें पकड़ा जा सकता है। मुखबिर से मिली जानकारी के बाद पुलिस टीम ने बताए गए रास्ते पर पहुंचकर संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी। पुलिसकर्मी शारदेन स्कूल के पीछे मोड़ पर पहुंच गए और आने-जाने वाले वाहनों पर नजर रखने लगे। कुछ देर बाद काले रंग की मोटरसाइकिल पर तीन युवक आते

दिखाई दिए। पुलिस के मुताबिक, सामने पुलिस टीम को देखकर युवकों ने मोटरसाइकिल वापस मोड़कर भागने का प्रयास किया। पुलिसकर्मियों ने तत्काल घेराबंदी की और आवश्यक बल प्रयोग करते हुए तीनों को पकड़ लिया। इसके बाद उनकी तलाशी ली गई तो उनके कब्जे से बड़ी संख्या में अवैध हथियार और कारतूस बरामद हुए। पुलिस तीनों को हिरासत में लेकर थाने पहुंची और बरामदगी के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, आरोपियों के कब्जे से कुल 11 हथियार बरामद हुए हैं। इनमें चार पिस्टल 32 बोर, पांच तमंचे 315 बोर, एक तमंचा 12 बोर और एक तमंचा 32 बोर शामिल है। इनके साथ अलग-अलग बोर के कुल 40 जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। बरामदगी में 32 बोर के 20 जिंदा कारतूस, 315 बोर के 10 जिंदा कारतूस और 12 बोर के 10 जिंदा कारतूस शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मिली काले रंग की हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल भी कब्जे में ले ली। मोटरसाइकिल का पंजीकरण नंबर एचआर 05 एवी 7732 बताया गया है। एक साथ इतनी संख्या में पिस्टल, तमंचे और कारतूस मिलने के बाद पुलिस हथियारों की खरीद-फरोख्त से जुड़े संभावित संपर्कों की जानकारी जुटा रही है। हालांकि, हथियार कहां से खरीदे गए थे और उन्हें किन लोगों को बेचा जाना था, इसकी विस्तृत जानकारी जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। खालापार पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अंकित उर्फ लादेन पुत्र प्रदीप, वैभव उर्फ विशु पुत्र महक सिंह और आकाश उर्फ काला पुत्र कृष्णपाल उर्फ किशन लाल के रूप में की है।

टायर-ट्यूब बनाने के काम को लेकर विवाद, युवक के सिर पर रॉड से हमला करने वाले दो भाई गिरफ्तार

स्वास्तिक फैक्ट्री के पास हुई कार्रवाई, मंसूरपुर पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल लोहे की रॉड बरामद की

मुजफ्फरनगर। मंसूरपुर थाना क्षेत्र में एनएच-58 स्थित स्वास्तिक फैक्ट्री के पास टायर-ट्यूब बनाने के काम को लेकर हुए विवाद में युवक के सिर पर लोहे की रॉड से हमला करने के मामले में पुलिस ने दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में इस्तेमाल की गई लोहे की रॉड भी बरामद की है। दोनों आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज है। पुलिस के अनुसार, ग्राम लच्छेड़ा निवासी भूपेंद्र पुत्र कंवरपाल सिंह ने 11 अक्टूबर को थाना मंसूरपुर में शिकायत देकर बताया था कि टायर-ट्यूब बनाने के काम को लेकर हुए विवाद में ग्राम नरा निवासी दीपांशु और प्रियांशु पुत्रगण सुखपाल ने उस पर हमला कर दिया। आरोप है कि दोनों ने जान से मारने की नीयत से उसके सिर पर लोहे की रॉड से वार किया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं।

शिकायत पर दर्ज हुआ था मुकदमा

पीड़ित की तहरीर के आधार पर मंसूरपुर

पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 299/2026 दर्ज किया था। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1), 115(2), 351(2) और 3(5) के तहत कार्रवाई की गई। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी।

फैक्ट्री के पास से दोनों गिरफ्तार

सोमवार को मंसूरपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों वांछित आरोपियों को स्वास्तिक फैक्ट्री के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक लोहे की रॉड बरामद करने की जानकारी भी दी है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दीपांशु और प्रियांशु निवासी ग्राम नरा, थाना मंसूरपुर के रूप में हुई है।

पुलिस टीम में ये रहे शामिल

यह कार्रवाई एसएसपी सूरज कुमार राय के पर्यवेक्षण, एसपी सिटी अमृत जैन के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी खतौली रूपाली राव और थाना प्रभारी मंसूरपुर विपिन त्यागी के नेतृत्व में की गई। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक ललित राजपूत, कांस्टेबल ललित और कांस्टेबल बलजीत शामिल रहे। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार दोनों आरोपियों के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

कूड़े के ढेर में मिले सैकड़ों एक्सपायर इंजेक्शन, बच्चों के हाथों में पहुंचे जीवनरक्षक दवाओं के कार्टन

जौली रोड पर बिलासपुर गांव के बाहर खुले में फेंकी गईं बड़ी मात्रा में दवाएं, वायरल वीडियो ने खोली निस्तारण व्यवस्था की पोल, बच्चों की सुरक्षा और संक्रमण के खतरे को लेकर उठे गंभीर सवाल

मुजफ्फरनगर। जिले में एक्सपायर दवाओं के निस्तारण को लेकर गंभीर लापरवाही का मामला सामने आया है। नई मंडी कोतवाली क्षेत्र में जौली रोड पर बिलासपुर गांव के बाहरी छोर पर सड़क किनारे कूड़े के ढेर में सैकड़ों एक्सपायर इंजेक्शन फेंके हुए मिले। बड़ी संख्या में इंजेक्शन एक पूरे कार्टन में पड़े दिखाई दिए। सबसे चिंताजनक बात यह रही कि कूड़े में फेंके गए इन इंजेक्शनों को बच्चे उठाकर ले जाते नजर आए। सोमवार सुबह करीब छह बजे घटना का वीडियो सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित होने के बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली और एक्सपायर दवाओं के सुरक्षित निस्तारण की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

कूड़े में पड़ा मिला इंजेक्शनों से भरा कार्टन

जानकारी के अनुसार, जौली रोड पर बिलासपुर गांव के बाहर सड़क किनारे कूड़े के ढेर में बड़ी संख्या में एक्सपायर इंजेक्शन पड़े मिले। इंजेक्शनों पर सीईएफसिड-1 ग्राम नाम अंकित बताया जा रहा है। इन इंजेक्शनों में सेफ्ट्रियाक्सोन नामक औषधि शामिल है, जिसका उपयोग चिकित्सकीय देखरेख में जीवाणु संक्रमण के उपचार के लिए किया जाता है। इतनी बड़ी मात्रा में इंजेक्शनों का एक साथ खुले में फेंका जाना सामान्य घटना नहीं है। मौके पर इंजेक्शनों का पूरा कार्टन पड़ा होने से आशंका जताई जा रही है कि इन्हें कहीं से लाकर एक साथ यहां डाला गया। हालांकि, ये इंजेक्शन किसने फेंके, कब फेंके और किस स्थान से यहां लाए गए, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

कूड़े से इंजेक्शन उठाते दिखे बच्चे, सुरक्षा पर सवाल

इस पूरे मामले का सबसे गंभीर पहलू बच्चों का कूड़े के ढेर से इंजेक्शन उठाकर ले जाना है। सामान्य कूड़ा समझकर बच्चे इन दवाओं को अपने हाथों में ले सकते हैं और उनके साथ खेलते हुए खुद को खतरे में डाल सकते

हैं। यदि पैकेट क्षतिग्रस्त हों, शीशियां टूटी हों या उनके साथ इस्तेमाल की गई सुइयां मौजूद हों, तो चोट लगने और संक्रमण का खतरा पैदा हो सकता है। एक्सपायर होने का अर्थ यह नहीं है कि दवा अपने आप जहरीली हो जाती है, लेकिन उसकी गुणवत्ता और प्रभावशीलता की गारंटी नहीं रहती। इंजेक्शन जैसी दवाओं को बिना जांच और चिकित्सकीय सलाह के इस्तेमाल करना खतरनाक हो सकता है। ऐसे में इन्हें खुले स्थान पर फेंकना और बच्चों की पहुंच में छोड़ देना गंभीर लापरवाही का विषय है।

किस अस्पताल या मेडिकल स्टोर से आए इंजेक्शन?

घटना सामने आने के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतनी बड़ी मात्रा में एक्सपायर इंजेक्शन आखिर कहां से आए। क्या ये किसी अस्पताल, निजी चिकित्सालय, दवा विक्रेता या अन्य स्वास्थ्य संस्थान के थे? क्या इन्हें निर्धारित प्रक्रिया के तहत नष्ट करने के बजाय सड़क किनारे फेंक दिया गया? इन सवालों का जवाब संबंधित दवाओं की पहचान, उनके अभिलेखों और मौके की जांच के बाद ही मिल सकेगा। यदि ये इंजेक्शन किसी स्वास्थ्य संस्थान या दवा विक्रेता के भंडार से निकले हैं, तो यह पता लगाना जरूरी होगा कि उनकी समाप्ति अवधि कब पूरी हुई और उन्हें नष्ट करने की जिम्मेदारी किसकी थी। कार्टन पर उपलब्ध विवरण और दवाओं के अभिलेखों की जांच से उनके स्रोत तक पहुंचने में मदद मिल सकती है।

एक्सपायर दवाओं का निस्तारण निर्धारित नियमों और सुरक्षित प्रक्रिया के अनुसार किया जाना आवश्यक है। बड़ी मात्रा में दवाओं को खुले में फेंकने से आसपास के लोगों के संपर्क में उनके आने के साथ मिट्टी और पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका रहती है। विशेष रूप से इंजेक्शन और उनसे जुड़ी सामग्री का निस्तारण अतिरिक्त सावधानी के साथ किया जाना चाहिए।

यदि दवाओं को सामान्य कूड़े में डालकर छोड़ दिया जाता है, तो उन्हें बच्चे, पशु या कूड़ा बीनने वाले लोग उठा सकते हैं। इससे दुर्घटना और अनुचित इस्तेमाल की आशंका बढ़ जाती है।

तेज हवा का कहर: भोपा में डिग्री कॉलेज की दीवार पर गिरा विशाल पेड़, दीवार क्षतिग्रस्त

हादसे के वक्त मौके पर कोई मौजूद नहीं होने से टली बड़ी दुर्घटना, सूचना पर पहुंचा वन विभाग; पेड़ हटाने का काम शुरू

मुजफ्फरनगर। जिले में तेज हवाओं के चलते पेड़ों के गिरने का खतरा एक बार फिर सामने आया है। मोरना ब्लॉक के भोपा गांव में तेज हवा के कारण एक पेड़ हरबीरी देवी भोपाल सिंह डिग्री कॉलेज की दीवार पर गिर गया। पेड़ गिरने से कॉलेज की दीवार टूटकर क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि घटना के समय दीवार के आसपास कोई मौजूद नहीं था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद कॉलेज प्रशासन ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी, जिसके बाद पेड़ को हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। जानकारी के अनुसार, भोपा गांव स्थित हरबीरी देवी भोपाल सिंह डिग्री कॉलेज की दीवार के पास तेज हवा के चलते पेड़ गिर पड़ा। पेड़ का भार दीवार पर पड़ने से उसका हिस्सा टूट गया। घटना के बाद कॉलेज प्रशासन ने नुकसान का संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग को जानकारी दी। पेड़ गिरने की घटना ने परिसर के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। शैक्षणिक संस्थानों के आसपास पेड़ों की स्थिति पर समय-समय पर नजर रखना जरूरी है, ताकि तेज हवा या

खराब मौसम के दौरान इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके। इस घटना में राहत की बात यह रही कि पेड़ गिरने के समय मौके पर कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था। इससे किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। यदि उस समय कॉलेज की दीवार के पास विद्यार्थी, कर्मचारी या राहगीर मौजूद होते तो गंभीर दुर्घटना हो सकती थी। घटना के बाद क्षतिग्रस्त दीवार और गिरे हुए पेड़ को हटाने की जरूरत महसूस की गई, ताकि परिसर के आसपास आवाजाही सुरक्षित बनाई जा सके।

कॉलेज प्रशासन की सूचना पर वन विभाग को मामले से अवगत कराया गया। मोरना रेंज कार्यालय के वन दरोगा नंद किशोर शर्मा ने बताया कि उन्हें पेड़ गिरने की जानकारी मिली थी। पेड़ को हटाने का काम चल रहा है। वन विभाग की कार्रवाई के बाद रास्ते और परिसर के आसपास की स्थिति सामान्य करने में मदद मिलने की उम्मीद है। वहीं, दीवार की मरम्मत और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कॉलेज प्रशासन को भी आवश्यक कदम उठाने होंगे।

तेज हवाओं में पुराने और कमजोर पेड़ों से बढ़ता है खतरा

भोपा की यह घटना बताती है कि तेज हवाओं के दौरान पेड़ों के गिरने से सार्वजनिक स्थलों और शैक्षणिक संस्थानों की संपत्ति को नुकसान पहुंच सकता है। ऐसे में कॉलेजों, स्कूलों, सड़कों और आबादी वाले क्षेत्रों के आसपास खड़े पुराने या कमजोर पेड़ों का समय-समय पर निरीक्षण जरूरी है। फिलहाल, भोपा में पेड़ गिरने से कॉलेज की दीवार क्षतिग्रस्त हुई है, लेकिन किसी के हताहत नहीं होने से राहत है। वन विभाग पेड़ हटाने में जुटा है और अब क्षतिग्रस्त दीवार की मरम्मत के बाद परिसर की सुरक्षा बहाल करना महत्वपूर्ण रहेगा।

पुलिस कार्यालय की कार्यप्रणाली पर एसएसपी सूरज कुमार राय की नजर, शिकायतों के निस्तारण से लेकर रिकॉर्ड तक की जांच

पुलिस कार्यालय की सभी प्रमुख शाखाओं का किया निरीक्षण, समयबद्ध कामकाज और अभिलेख दुरुस्त रखने के निर्देश; कमियां तत्काल दूर करने को कहा

मुजफ्फरनगर। पुलिस कार्यालय में आने वाली शिकायतों के निस्तारण, सरकारी कार्यों की गति और कार्यालयीन व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने सोमवार को पुलिस कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केवल कार्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा ही नहीं लिया, बल्कि शाखाओं में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों से उनके कामकाज की जानकारी भी ली। एसएसपी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कर्मचारी समय से कार्यालय पहुंचें, अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी गंभीरता से करें और सरकारी कार्यों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखें। निरीक्षण के दौरान अभिलेखों के रखरखाव, साफ-सफाई और कार्यों के समयबद्ध निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया। एसएसपी सूरज कुमार राय ने सबसे पहले पुलिस कार्यालय स्थित आगंतुक कक्ष का निरीक्षण किया। यहां प्रतिदिन अपनी शिकायतें लेकर पहुंचने वाले लोगों की शिकायतों और उनके निस्तारण की स्थिति के संबंध में

जानकारी ली। शिकायतों पर की जा रही कार्रवाई की समीक्षा करते हुए उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिए कि लोगों की समस्याओं को गंभीरता से लिया जाए और उनके निस्तारण की प्रक्रिया में अनावश्यक देरी न होने दी जाए। पुलिस कार्यालय में शिकायत लेकर आने वाले लोगों को समय पर उचित जानकारी और कार्रवाई मिलना महत्वपूर्ण है। इसी को ध्यान में रखते हुए आगंतुक कक्ष की व्यवस्था का जायजा लिया गया। एसएसपी ने शिकायतों से जुड़े कार्यों में जिम्मेदारी और तत्परता बनाए रखने पर जोर दिया।

एक-एक कर प्रमुख शाखाओं का निरीक्षण

आगंतुक कक्ष के निरीक्षण के बाद एसएसपी ने पुलिस कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का जायजा लिया। इनमें प्रधान लिपिक शाखा, आंकिक शाखा, आईजीआरएस कार्यालय, जन शिकायत प्रकोष्ठ, महिला सम्मान प्रकोष्ठ, एसएसपी पेशी कार्यालय, रिकॉर्ड रूम, पत्रावली शाखा, रिट सेल, मानवाधिकार शाखा, पासपोर्ट शाखा और स्थानीय अभिसूचना इकाई कार्यालय शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित शाखाओं में चल रहे कामकाज की जानकारी ली और अधिकारियों तथा कर्मचारियों से उनकी जिम्मेदारियों के बारे में बातचीत की। उन्होंने यह भी देखा कि कार्यालय के अभिलेख किस तरह रखे जा रहे हैं और निर्धारित कार्यों को समय से पूरा करने के लिए व्यवस्थाएं किस स्थिति में हैं। एसएसपी ने सभी शाखाओं में अभिलेखों के रखरखाव की जांच की। उन्होंने निर्देश दिए कि सरकारी रिकॉर्ड व्यवस्थित और दुरुस्त रखा जाए, ताकि जरूरत पड़ने पर संबंधित दस्तावेज आसानी से उपलब्ध हो सकें। कार्यालयीन कार्यों में लापरवाही से बचने और निर्धारित समयसीमा के भीतर काम पूरा करने पर भी जोर दिया गया।उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे समय से कार्यालय में उपस्थित हों और पूरे मनोयोग से अपने कार्यों का संपादन करें। शाखाओं में साफ-सफाई बनाए रखने के साथ-साथ सरकारी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान जहां भी कमियां पाई गईं, उन्हें तत्काल दूर करने के लिए संबंधित शाखा प्रभारियों को निर्देशित किया गया। एसएसपी ने स्पष्ट किया कि कार्यालय की व्यवस्थाएं ऐसी होनी चाहिए

फलौदा में 24 बीघा सरकारी तालाब पर कब्जे का आरोप, ग्रामीणों ने खोला मोर्चा

हाईकोर्ट के स्थगन आदेश की आड़ में अवैध निर्माण जारी रहने का दावा, गांव का नाला बंद होने से जलभराव की समस्या; शासन से उच्चस्तरीय जांच और कार्रवाई की मांग

मुजफ्फरनगर। सदर तहसील क्षेत्र के गांव फलौदा में सरकारी तालाब की भूमि पर कथित अवैध कब्जे और गांव की मुख्य जलनिकासी बाधित होने का मामला सामने आया है। इसको लेकर ग्रामीणों ने मीडिया सेंटर में पत्रकारों से वार्ता कर शासन और जिला प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव की सार्वजनिक संपत्ति को कब्जामुक्त कराने के लिए लंबे समय से शिकायतें की जा रही हैं, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। उन्होंने राजस्व विभाग के संबंधित अधिकारियों की भूमिका की उच्चस्तरीय जांच कराने, कथित अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करने और गांव की जलनिकासी व्यवस्था बहाल कराने की मांग उठाई। ग्रामीणों की ओर से दिए गए प्रमुख सचिव राजस्व विभाग को दिए गए शिकायती पत्र के अनुसार, गांव फलौदा में खसरा संख्या 202 में 1.5790 हेक्टेयर भूमि सरकारी तालाब के रूप में दर्ज है। शिकायतकर्ताओं ने इस भूमि का रकबा करीब 24 बीघा बताते हुए कहा

कि तालाब से सटी गांव की मुख्य जलनिकासी की जमीन भी सार्वजनिक उपयोग में आती है। ग्रामीणों का आरोप है कि तालाब की भूमि पर कथित रूप से कब्जा कर निर्माण कराया जा रहा है और नाले की जलनिकासी प्रभावित होने से गांव के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों ने अपने शिकायती पत्र में राकेश, राजेश, रामकुमार और सुशील के नाम लेते हुए आरोप लगाया है कि सरकारी तालाब की भूमि पर कथित अवैध कब्जा और निर्माण किया जा रहा है। शिकायत पत्र में इन चारों को ओमप्रकाश के पुत्र बताया गया है। ग्रामीणों ने आरोपों की निष्पक्ष जांच कराकर सरकारी भूमि की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने और कानून के अनुसार कार्रवाई करने की मांग की है।

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि सरकारी तालाब और जलनिकासी की भूमि सार्वजनिक संपत्ति है, जिसका संरक्षण करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। ग्रामीणों ने मांग की कि राजस्व अभिलेखों और मौके की पैमाइश के आधार पर जांच कराई जाए तथा अवैध कब्जे की पुष्टि होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित लोगों का पक्ष सामने आना बाकी है। ग्रामीणों ने पत्रकार वार्ता में नरेश कुमार सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि सरकारी तालाब की भूमि को कब्जामुक्त कराने के लिए राजस्व विभाग में उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा 122-बी के तहत कार्रवाई की गई थी। उनके अनुसार, मामले को जिला मजिस्ट्रेट के स्तर पर कार्रवाई के लिए भेजा गया था। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि बेदखली की कार्रवाई से बचने के लिए स्थानीय स्तर पर कथित मिलीभगत के जरिए ऐसी रिपोर्ट तैयार की गई, जिसके आधार पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में केस संख्या 49/2010-11 में वर्ष 2015 के दौरान स्थगन आदेश प्राप्त किया गया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि राजस्व अभिलेखों और मौके की वास्तविक स्थिति से जुड़े तथ्यों को सही ढंग से प्रस्तुत नहीं किया गया। उनका कहना है कि स्थगन आदेश के बाद से सरकारी तालाब की भूमि पर कथित कब्जे और निर्माण का मामला लंबित है।

बिहारीपुर में पंचायत उत्सव भवन के निर्माण पर उठे सवाल, घटिया सामग्री लगाने के आरोप में ग्रामीणों का हंगामा

मुजफ्फरनगर/खतौली। गांवों में सामूहिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए बनाए जा रहे पंचायत उत्सव भवन ग्रामीणों के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं, लेकिन खतौली क्षेत्र के बिहारीपुर गांव में इसी भवन के निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। निर्माण कार्य में कथित रूप से घटिया सामग्री इस्तेमाल किए जाने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर हंगामा किया और काम रुकवा दिया। ग्रामीणों ने निर्माण में इस्तेमाल की जा रही रेत की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब भवन की नींव से लेकर निर्माण कार्य तक सामग्री की गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जाएगा, तो भवन लंबे समय तक टिकाऊ कैसे रह पाएगा। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मामले की जांच कराकर मानकों के अनुरूप निर्माण

कराने की मांग की है। बिहारीपुर गांव में पंचायत उत्सव भवन का निर्माण कराया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, निर्माण कार्य में इस्तेमाल की जा रही सामग्री की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं दिखाई दे रही है। इसी को लेकर ग्रामीणों ने आपत्ति जताई और निर्माण स्थल पर पहुंचकर विरोध दर्ज कराया। ग्रामीणों ने विशेष रूप से रेत की गुणवत्ता पर सवाल उठाए। उनका आरोप है कि निर्माण में ऐसी रेत का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसे ग्रामीण अपने घरों में शौचालय बनाने जैसे काम में भी इस्तेमाल करना उचित नहीं समझते। ग्रामीणों का कहना है कि सार्वजनिक उपयोग के लिए बनाए जा रहे भवन के निर्माण में सामग्री की गुणवत्ता से किसी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए। निर्माण सामग्री को लेकर नाराज ग्रामीणों ने मौके पर हंगामा किया और काम रुकवा दिया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य में शुरूआत से ही मानकों का पालन नहीं किया गया, तो बाद में भवन की मजबूती पर असर पड़ सकता है। ऐसे में निर्माण पूरा होने के बाद किसी समस्या का इंतजार करने के बजाय अभी गुणवत्ता की जांच कराई जानी चाहिए। ग्रामीणों ने मांग की कि निर्माण में इस्तेमाल की जा रही रेत और अन्य सामग्री की जांच कराई जाए। यदि सामग्री मानकों के अनुरूप नहीं है, तो उसे बदलवाकर गुणवत्तापूर्ण सामग्री से निर्माण कराया जाए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक धन से बनने वाले भवन में गुणवत्ता सुनिश्चित करना जरूरी है, ताकि उसका लाभ लंबे समय तक गांव के लोगों को मिल सके।

सामूहिक कार्यक्रमों के लिए बन रहा भवन, मजबूती पर उठे सवाल

पंचायत उत्सव भवन का उद्देश्य गांव में सामूहिक कार्यक्रमों और अन्य आयोजनों के लिए एक स्थान उपलब्ध कराना है।

मुजफ्फरनगर में 9 दिसंबर तक लागू रहेगी निषेधाज्ञा, पांच या अधिक लोगों के जुटने पर प्रतिबंध

मुजफ्फरनगर। जनपद में आगामी विधान परिषद चुनाव, विभिन्न त्योहारों, रामलीला मंचन, धार्मिक आयोजनों और प्रतियोगी परीक्षाओं को देखते हुए जिला प्रशासन ने कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दी है। अपर जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन) देश दीपक सिंह ने 12 अक्टूबर 2026 को आदेश जारी करते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक निर्देश लागू किए हैं। आदेश के अनुसार निषेधाज्ञा नो दिसंबर 2026 तक प्रभावी रहेगी। इससे पहले आदेश निरस्त किए जाने की स्थिति में इसकी अवधि अलग होगी। प्रशासन ने जनपद को संवेदनशील बताते हुए आशंका जताई है कि चुनावी गतिविधियों, त्योहारों, धरना-प्रदर्शनों और अन्य आयोजनों के दौरान असामाजिक तत्व शांति व्यवस्था प्रभावित करने की कोशिश कर सकते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ जुटाने, हथियार लेकर चलने, भड़काऊ भाषण देने, अफवाह फैलाने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और यातायात बाधित करने जैसी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। जारी आदेश के मुताबिक जनपद की सीमा में किसी भी सार्वजनिक स्थल पर पांच या पांच से अधिक व्यक्ति सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना एकत्र नहीं हो सकेंगे। हालांकि विद्यालयों, धार्मिक स्थलों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, वैवाहिक कार्यक्रमों, पूजा स्थलों और कार्यालयों को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है।

इन स्थानों पर भी किसी प्रकार की अवैध गतिविधि की अनुमति नहीं होगी। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से जारी आदर्श आचार संहिता का पालन करना भी अनिवार्य किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि चुनाव संबंधी निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। निषेधाज्ञा के तहत आम लोगों के हथियार लेकर चलने और उन्हें एकत्र करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। आदेश में तलवार, कृपाण, लाठी-डंडे, पिस्तौल, बंदूक, रिवॉल्वर, भाला और चाकू सहित हमले में इस्तेमाल हो सकने वाली वस्तुओं का उल्लेख किया गया है। ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों तथा धार्मिक रीति-रिवाजों से संबंधित निर्धारित अपवादों को इसमें शामिल किया गया है। शादी समारोह, धार्मिक जुलूस, मेले, त्योहार और अन्य सार्वजनिक आयोजनों में हर्ष फायरिंग को पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है। ऐसा करते पाए जाने पर लाइसेंसी हथियार जब्त करने, शस्त्र लाइसेंस निलंबित करने और संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कराने की कार्रवाई की जा सकती है। प्रशासन ने किसी भी व्यक्ति को ऐसा भाषण देने, सामग्री प्रकाशित करने या अफवाह फैलाने से प्रतिबंधित किया है, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हो अथवा किसी समुदाय की भावनाएं आहत हों।

संपादकीय

क्या असहमति का जवाब हिंसा हो सकता है?

दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश वर्मा द्वारा हाल में तिलक नगर इलाके में सड़क निरीक्षण के दौरान एक व्यक्ति को थप्पड़ मारने की घटना ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या किसी मंत्री से इस तरह के व्यवहार की उम्मीद की जा सकती है?लोकतंत्र में एक अच्छे जनप्रतिनिधि की पहचान उसके स्वभाव, कार्यशैली और जनता के प्रति जवाबदेही से होती है। आदर्श नेता वही होता है, जिसके कार्यों एवं निर्णयों में निष्पक्षता, पारदर्शिता और स्पष्टता हो। वह पूरी ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करे और उसमें अपनी आलोचना सुनने का साहस हो। मगर जब सरकार में मंत्रिपद पर आसीन कोई जनप्रतिनिधि सार्वजनिक स्थल पर आपा खो दे और जनता से दुर्व्यवहार करने लगे, तो उसे किस तरह देखा जाएगा।दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश वर्मा द्वारा हाल में तिलक नगर इलाके में सड़क निरीक्षण के दौरान एक व्यक्ति को थप्पड़ मारने की घटना ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या किसी मंत्री से इस तरह के व्यवहार की उम्मीद की जा सकती है? यह घटना उस धारणा के बिल्कुल विपरीत है, जिसमें उच्च पद पर बैठे जनप्रतिनिधि के व्यवहार को समाज में मिसाल के तौर पर देखा जाता है। असहमति, आलोचना या विरोध लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है। ऐसी स्थिति में संयम और पद की गरिमा का खयाल रखा जाना बेहद जरूरी है।गौरतलब है कि बीते रविवार को आप विधायक जरनैल सिंह ने मंत्री प्रवेश वर्मा की मौजूदगी में सड़क की सतह का कुछ हिस्सा उखाड़कर मरम्मत कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाया था। आरोप है कि इस दौरान मंत्री ने घटना का वीडियो बना रहे एक व्यक्ति को थप्पड़ मार दिया। उनका दावा है कि संबंधित व्यक्ति ने उनके परिवार के बारे में अपशब्द कहे।इस घटना से जुड़े आरोप-प्रत्यारोप जांच का विषय है, लेकिन सवाल है कि क्या मंत्री की हिंसक प्रतिक्रिया को उचित ठहराया जा सकता है? अगर उनके साथ कोई दुर्व्यवहार हुआ, तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती थी। सड़क की गुणवत्ता हो या किसी अन्य सार्वजनिक समस्या का सवाल, उसका समाधान उग्र व्यवहार से नहीं, बल्कि तर्क, जांच और कानून के दायरे में ही हो सकता है।सार्वजनिक जीवन में पद से अधिक महत्त्वपूर्ण उसकी गरिमा और मर्यादा होती है।

सबसे दुखद यह है कि समाज में सहानुभूति, दयाभाव, विनम्रता और क्षमा जैसे शब्द महज डिक्शनरी या किताबों में कैद होकर रह गये लगते हैं। अब शेष बचा है आपस में ईर्ष्या, द्वेष, जलन और एक दूसरे को नीचा या निरीह समझना। कोई व्यक्ति सड़क पर या कहीं ओर घायल होकर चाहे मरणासन्न हालत में पड़ा हो वहां से गुजरने वाले या तो वीडियो रील बनाते दिखाई देते हैं या सिर्फ तमाशबीन। मदद के लिए उठने वाले हाथ या अपनी लग्जरी चमचमाती कार रोककर घायल को हास्पिटल पहुंचाने वाले परोपकारी अपवाद स्वरूप ही हैं। जैसे यह काम उनका नहीं बल्कि पुलिस, एंबुलेंस या डायल 112 के जिम्मे ही है, उन्हें क्या लेना- देना। आजकल जहां देखो भीड़भाड़ बढ़ रही है। सोशियोलॉजी कहती है किसी भी व्यक्ति का अकेले या समूह में और भीड़ में व्यवहार अलग-अलग होता है। इसे ही भीड़ व्यवहार कहा जाता है। इस भीड़ का नेतृत्व या अगुआई किन हाथों में है, इसी पर निर्भर होता है कि भीड़ क्या करने वाली है।

इतने अधीर क्यों होते जा रहे हैं हम लोग

आरबी त्रिपाठी

आजकल जिसे देखो वह बहुत जल्दी में दिखाई देता है। अपने चारों ओर प्रायः रोजाना ही आप खुद देखते तथा महसूस करते होंगे कि लोग खासकर युवा जेन - जी कहलाने वाले, अधेड़ उम्र के महिला-पुरूष, युवक- युवतियां बड़े अधीर, बेचैन, असहज, बेसब्र और धैर्यविहीन देखे जाते हैं। हां अपवाद स्वरूप ही सही उम्रदराज सीनियर सिटीजन जरूर शांत, सुकून, धैर्यवान रहकर जीवन जीवन जीते दिखाई देते हैं। यह समस्या सरसरी तौर पर तो थोड़ी सामाजिक, आर्थिक तथा ऊहापोह भरी व्यस्त जीवन शैली और खान-पान से जुड़ी हुई है जिसका उपचार हरेक को अपने भीतर ही तलाशना होगा। चिकित्सा क्षेत्र में तो इसे थोड़ा इंजाइटी, ओवर थिंकिंग या पारिवारिक तथा मानसिक समस्या करार दिया जाता है। यहां हम इसके सभी पहलुओं को सामने ला रहे हैं।

अपने आस-पास सर्वाधिक जल्दबाजी, अधीरता, बैचेनी और एक तरह का उतावलापन देखने में आता है सड़कों, चौराहों, ट्राफिक सिग्नल पर जहां हर कोई जल्दी में, ओवरटेक की होड़, वाहनों के ठीक आगे दायें बायें कट मारकर आगे निकलता दिखाई देता है। खासकर टू व्हीलर, बाइकर्स, ऑटो तथा कुकुर मुत्तों की तरह उग आये ईरिक्सा सहित कई तरह के छोटे बड़े वाहन ट्राफिक को सुचारू चलने बाधक बनते हैं। ऑनलाइन खाने की चीजें और वस्तुएं घरों के द्वार तक पहुंचाने वालों की भूमिका भी ट्राफिक को बिगाड़ने में कम नहीं है।

सो, सड़कों प्रमुख चौराहों पर बढ़ते ट्राफिक के अनुपात में यातायात और पुलिस कर्मियों की कमी भी स्पष्ट दिखाई देती है। हालांकि जनसंख्या और शहरीकरण के बढ़ते दबाव के चलते हरेक जगह इनकी मौजूदगी संभव भी नहीं होती। सो, लोगों को अपनी सुरक्षा का स्वयं ध्यान रखना होगा।

इस सब में ट्राफिक नियमों का ईमानदारी से पालन करने वालों के समक्ष ज्यादा दिक्कतें पेश आती है। ट्राफिक नियम तोड़ने वाले ना तो चालानी कार्रवाई से डरते हैं ना ही पुलिस कर्मियों से। सो, आये दिन ऐसे दृश्य देखने में आते हैं जहां व्यर्थ की बहस या किसी नजदीकी 'भैया' से मोबाइल पर बात कराने या अन्य संपर्कों का हवाला देकर किसी तरह छूटने और कार्रवाई से बचकर निकलने की जुगाड़ जमाते लोग नजर आते हैं। भले ही ये कर्मी किसी भैया से बात करना नहीं चाह्ते हों। तस्वीर का दूसरा रूप यह भी

है कि अधिकांश चौराहों पर जहां ट्राफिक सिग्नल हो ना हो वहां तैनात कर्मी आपस में बात करते या मोबाइल पर व्यस्त दिखाई देते हैं। भोपाल में तो कुछ समय पहले ऐसे कर्मियों पर कार्रवाई भी की गई है।

हाल ही में पहले प्रदेश के बड़े शहर इंदौर और भोपाल की कुछ घटनाओं का जिक्र समीचीन होगा जिसमें कवर्ड कैम्पस में घुसने पर रोकने वाले सुरक्षा गार्ड को कार चालक ने कथित तौर पर कुचलकर मार डाला। अनेक शहरों में ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं उदाहरण के रूप में सामने है। भोपाल में रिटायर्ड आईएएस की निर्मम हत्या का आरोपी अभी तक पुलिस के हत्थे नहीं लग पाया।

कई जगह सीनियर सिटीजन के साथ आस-पास के पड़ोसी दुर्व्यवहार कर धमकियां देते हैं लेकिन ऐसा करने वाले बैखोफ घूमते रहते हैं। इंदौर के राजवाड़ा इलाके में एक बस ने दो तीन लोगों को रौंद डाला तो राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बाइक सवार युवती को कार चालक ने ऐसे टक्कर मारी कि वो बहुत दूर तक घिसटती रही और घायल हुई। गनीमत है उसने हैलमेट पहना था। सो, ऐसी घटनाएं रोजाना ही घटती रहती है जिसे ज्यादातर लोग अखबार के पन्ने की तरह पलटकर भुला देते हैं।

सबसे दुखद यह है कि समाज में सहानुभूति, दयाभाव, विनम्रता और क्षमा जैसे शब्द महज डिक्शनरी या किताबों में कैद होकर रह गये लगते हैं।

अब शेष बचा है आपस में ईर्ष्या, द्वेष, जलन और एक दूसरे को नीचा या निरीह समझना। कोई व्यक्ति सड़क पर या कहीं ओर घायल होकर चाहे मरणासन्न हालत में पड़ा हो वहां से गुजरने वाले या तो वीडियो रील बनाते दिखाई देते हैं या सिर्फ तमाशबीन। मदद के लिए उठने वाले हाथ या अपनी लग्जरी चमचमाती कार रोककर घायल को हास्पिटल पहुंचाने वाले परोपकारी अपवाद स्वरूप ही हैं। जैसे यह काम उनका नहीं बल्कि पुलिस, एंबुलेंस या डायल 112 के जिम्मे ही है, उन्हें क्या लेना- देना।

आजकल जहां देखो भीड़भाड़ बढ़ रही है। सोशियोलॉजी कहती है किसी भी व्यक्ति का अकेले या समूह में और भीड़ में व्यवहार अलग-अलग होता है। इसे ही भीड़ व्यवहार कहा जाता है। इस भीड़ का नेतृत्व या अगुआई किन हाथों में है, इसी पर निर्भर होता है कि भीड़ क्या करने वाली है। इन दिनों राष्ट्रीय राजधानी से लेकर अधिकांश प्रदेशों में आंदोलनों, प्रदर्शनों, जुलूसों, समागम में भीड़ जुट रही है। कहीं कहीं भीड़ कानून अपने हाथों में ले लेती है या कानून का उल्लंघन करती है यही भीड़ व्यवहार है। जब भीड़ अनियंत्रित होकर व्यवहार करती है तो व्यवस्था को अप्रिय कदम उठाना पड़ता है। आखिर सुरक्षा कर्मी भी मनुष्य ही हैं जिन्हें अपने बड़े ऑफिसर्स के हुकुम की तामील करनी ही पड़ती है। समाज शास्त्र में इस अवधारणा की विशद व्याख्या की गई है।

उधर पॉलिटिकल साइंस में प्रेशर ग्रुप को लेकर कहा गया है कि यह कोई राजनीतिक दल नहीं होता बल्कि ऐसा समूह होता है जो व्यवस्था के कामकाज पर नजर रखकर व्यापक रूप से जो लोगों के हित में हो उसे करने या उपयुक्त ना हो उसका प्रतिरोध करता है।

दिल्ली के जंतर-मंतर सहित देश के विभिन्न स्थानों पर हो रहे आंदोलन, प्रदर्शन इसी श्रेणी में आते हैं। राजनीतिक दलों का प्रतिरोध या आंदोलन, उनके अपने उद्देश्यों को हासिल करने को लेकर होते हैं यह कहा जा सकता है। सोचें, यदि प्रेशर ग्रुप अपना दायित्व ना निभायें तो अनेक मामलों का खुलासा शायद ही हो सकेगा। जेन- जी, अल्फा- जेन, सुप्रीम कोर्ट सहित अन्य वकीलों के प्रदर्शन, कई यूट्यूबर, तथा इंफ्लुएंशर और स्वतंत्र मीडिया से जुड़े लोग भी प्रेशर ग्रुप की तरह ही काम कर रहे हैं। आगे आने वाले वक्त में इसके क्या नतीजे होंगे यह समय के हाथों है।

क्या हम मान सकते हैं कि मौलिकता को दिखाना कला नहीं है?

पंकज तिवारी

ई.वी. हैवेल जिनका योगदान भारतीय कला को अंग्रेजी मानसिकता से मुक्त कराने के क्षेत्र में महत्वपूर्ण रहा, बीसवीं शताब्दी के शुरूआत में जब भारतीय युवा कलाकार विदेशी शैली, विषयवस्तु की तरफ आसानी से फिसलते जा रहे थे उस समय उन कलाकारों को भारतीय कला थाती के प्रति जगा कर उन्हें भारतीय थाती के बल पर आगे बढ़ने को प्रोत्साहित कर भारतीय कला जगत के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करी थी, जिसकी गिनती उस समय के महत्वपूर्ण कार्यों में होती है लेकिन रवि वर्मा पर उनकी भी नजर कुछ टेढ़ी ही थी, वर्मा जी पर भारतीय काव्य की मूल भावना से हटने का आरोप लगाया है हैवेल साहब ने। हो सकता है उनके निगाह में उनको अपनी बातें सहीं प्रतीत लगती हो पर इस बात पर बहस के पहले उनके कुछ चित्रों पर गौर करने की जरूरत सी महसूस हो रही है चित्र 'शकुन्तला का अपने प्रिय को देखना' देश में तैल रंग के शुरुआत का दौर, शुरुआत में ही बिना प्रशिक्षण के ही इतना मनभावन संयोजन, केश, वस्त्र, रंग, एनॉटॉमी और भावों का आपसी संतुलित सामंजस्य। बहाना पैर से काँटा निकालने का और निगाह पीछे तनिक दूरी पे किसी के ऊपर, एकटक, आँखें उम्मीद की सागर सी जान पड़ती हैं। क्या विवाह के पूर्व राम और सीता के एक-दूसरे को निहारने को लेकर जो काव्य रचे गये हैं, से कम का भाव आँका जा सकता है इस चित्र में, पृष्ठभूमि में सहयोगी जल, जमीन, जंगल खुद ही कविता कहने में सक्षम है। हालांकि कहना नहीं चाहिए लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि हैवेल के इस कथन के पीछे उनके बंगाल स्कूल और वास पद्धति के प्रति प्रेम का असर है। हो सकता है कि इस आलेख में भी कुछ लोगों को मेरे नजरिए में वर्मा जी के प्रति नेह का असर झलके पर कोई संदेह नहीं कि हमेशा हर परिस्थितियों पर चर्चा होनी चाहिए इसलिए आगे भी कोई इस पर कुछ रचे तो उसके भी नेह को जरूर देखा जाना चाहिए। भाव की ही बात हरिश्चंद्र और तारामती नामक चित्र में भी खूब दर्शित है। तारामति की व्यथित आँखों को देखकर करुण रस से युक्त पूरा ग्रंथ लिखा जा सकता है। दुःखी शकुन्तला चित्र में भी मुख पर वेदना जैसे सब कुछ खो जाने का भान अनायास ही दीख पड़ता है।

क्या हम मान सकते हैं कि मौलिकता को दिखाना कला नहीं है? क्या यह सच है? ऐसे ही तमाम प्रश्न उठाए गए थे राजा रवि वर्मा को लेकर के। उनकी कृतियॉएं धार्मिक है, उनके कृतियों में किस्सा हुआ करता था, उनके कृतियों में संस्कार हुआ करता था, उनके कृतियों में संस्कृति हुआ करती थी, उनके कृतियों में समाज हुआ करता था, उनके कृतियों के दर्शक हुआ करते थे उनकी कृतियाँ लोगों के जेहन में उतर गई थीं। बस समस्या यह थी कि उनकी कृतियाँ यथार्थ के धरातल पर थीं फलतः कला में उनके कद को लेकर विवाद हमेशा व्याप्त रहा। जीते जी भी उन्हें कई विवादों से गुजरना पड़ा कोर्ट तक के चक्कर लगाने पड़े और अपना वकील भी खुद ही बनना पड़ा हालांकि तार्किक क्षमता के बल पर जीत भी हासिल हुई। विवाद तब भी था विवाद आज भी है। प्रसंशक तब भी थे प्रसंशक आज भी हैं तब रविंद्र नाथ टैगोर के भतीजे बालेंद्र नाथ टैगोर के जैसे उनके कृतियों के प्रसंशक हुआ करते थे और आज....

25 वर्षीय युवा बिना किसी प्रशिक्षण के वियना के चित्र प्रदर्शनी में स्वर्ण पदक प्राप्त करता है। लोगों की निगाह यहीं से इनकी तरफ को मुड़ती है। इसे एक संयोग ही कहा जा सकता है कि 1872 में चेन्नई में पहली प्रदर्शनी करने वाले वर्मा जी की कृति वियना में 1873 में अपने पहचान के साथ आगे बढ़ी और ठीक 20 साल बाद 1893 में शिकागो में आयोजित वर्ल्ड कोलंबियन एग्जीबिशन में स्वामी विवेकानंद के आग्रह पर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने लगभग 10 चित्र प्रदर्शित करते हैं इस प्रदर्शनी की गिनती 19वीं शताब्दी की भव्यतम अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में होती है। रवि वर्मा को पुरस्कृत भी किया गया। 20 वर्षीय संयोग के बाद शतकीय संयोग भी बना और 1993 में उनके चित्रों की एक भव्य प्रदर्शनी राष्ट्रीय संग्रहालय दिल्ली में हुई। प्रदर्शनी के बाद विरोध भी हुआ खुले तौर पर विरोध हुआ आधुनिक भारतीय कलाकार जो उस समय सक्रिय थे, में कुछ खुद को प्रमुख मानने वाले कलाकार राजा रवि वर्मा के इस प्रदर्शनी को लेकर कुछ ज्यादा ही विचलित थे। 'ऐसे कलाकार जिनका कला में कोई योगदान ही ना हो' को इस तरह प्रमोट करने से भारतीय कला को भला क्या फायदा पहुँच सकता है? जैसे बातों को कहने वालों के बावजूद इनकी प्रदर्शनी हुई और सराही भी गई। राजा रवि वर्मा के चित्र लोगों के जेहन में आज भी जस के तस बरकरार है। प्रसिद्ध कला समीक्षक शेरमान ली की बात-

'कोई भी महान कला या धर्म जनसाधारण की समझ के परे नहीं होती और वह यदि ऐसी नहीं है तो वह असफल है' मतलब वर्मा की कला महान भी है और सफल भी कारण जनसाधारण के समझ में है। उनकी एक कृति 2007 में करीब सवा आठ करोड़ में बिकी, यही महानता उनकी सदा बनी रहे।

12 अक्टूबर : डॉ. राम मनोहर लोहिया जी की पुण्यतिथि

देश विभाजन के साथ मिली आजादी से दुखी थे डॉ. लोहिया

डॉ. राम मनोहर लोहिया केवल एक चिंतक ही नहीं बल्कि एक सच्चे कर्मवीर भी थे। उन्होंने देश में अनेक सामाजिक, लोकतांत्रिक और राजनीतिक आंदोलनों का कुशल नेतृत्व किया। वर्ष 1942 के %भारत छोड़ो आंदोलन% के समय उन्होंने ब्रिटिश सरकार की नजरों से बचकर, उषा मेहता के साथ मिलकर भूमिगत रहकर गुप्त रेडियो स्टेशन (कांग्रेस रेडियो) चलाया था, जिसने अंग्रेज हुकूमत की नाक में दम कर दिया था। इसके बाद 18 जून 1946 को उन्होंने गोवा को पुर्तगालियों के आधिपत्य से मुक्ति दिलाने के लिए एक बड़ा जन-आंदोलन शुरू किया। इसके साथ ही उन्होंने स्वतंत्र भारत में %अंग्रेजी हटाओ% आंदोलन की भी कमान संभाली।

सांवर मल अग्रवाल

डॉ. राम मनोहर लोहिया केवल खोखले भाषणों पर विश्वास नहीं करते थे। वे ÷रोजी-रोटी कपड़ा दो, वरना गाड़ी छोड़ दो÷, ÷अंग्रेजी हटाओ÷ और पिछड़ों, दलितों तथा महिलाओं के लिए 60त्न आरक्षण की पुरजोर वकालत करने वाले नेता थे। वे भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक और एक ऐसे अद्वितीय राजनेता थे, जिन्होंने भारतीय राजनीति में सामाजिक न्याय और समानता की नई नींव रखी थी।

लोहिया जी पहली बार 1963 में उत्तर प्रदेश की फर्रुखाबाद लोकसभा सीट के उपचुनाव में विजयी होकर लोकसभा पहुंचे थे। इसके बाद 1967 के आम चुनाव में भी वे फर्रुखाबाद सीट से ही दोबारा सांसद चुने गए। इसी वर्ष 12 अक्टूबर 1967 को नई दिल्ली में उनका निधन हो गया था। उनका जन्म 23 मार्च 1910 को उत्तर प्रदेश के अकबरपुर में एक मारवाड़ी वैश्य परिवार में हुआ था, लेकिन वे प्रारंभ से ही जातिवाद की संकीर्ण सीमाओं को तोड़ने के पक्षधर थे। वे छुआछूत के घोर विरोधी थे और स्वयं को किसी एक जाति के दायरे में बांधकर नहीं रखना चाहते थे। उनके विचार, कर्म और कार्य पद्धति पूरी तरह से मानवीय समानता पर आधारित थे। देश के विभाजन के आधार पर मिली आजादी से वे अत्यंत दुखी थे, इसी कारण उन्होंने जवाहरलाल नेहरू की कांग्रेस से अपना रास्ता हमेशा के

लिए अलग कर लिया था।

डॉ. राम मनोहर लोहिया केवल एक चिंतक ही नहीं बल्कि एक सच्चे कर्मवीर भी थे। उन्होंने देश में अनेक सामाजिक, लोकतांत्रिक और राजनीतिक आंदोलनों का कुशल नेतृत्व किया। वर्ष 1942 के %भारत छोड़ो आंदोलन% के समय उन्होंने ब्रिटिश सरकार की नजरों से बचकर, उषा मेहता के साथ मिलकर भूमिगत रहकर गुप्त रेडियो स्टेशन (कांग्रेस रेडियो) चलाया था, जिसने अंग्रेज हुकूमत की नाक में दम कर दिया था। इसके बाद 18 जून 1946 को उन्होंने गोवा को पुर्तगालियों के आधिपत्य से मुक्ति दिलाने के लिए एक बड़ा जन-आंदोलन शुरू किया। इसके साथ ही उन्होंने स्वतंत्र भारत में %अंग्रेजी हटाओ% आंदोलन की भी कमान संभाली।

डॉ. लोहिया एक ऐसे राजनेता थे जो राजनीति में उच्च नैतिक मूल्यों और शुचिता के पक्षधर थे। वे राजनीति की गंदी गलियों में भी शुद्ध आचरण की वकालत करते थे। वे सिद्धांतों के इतने पक्के थे कि जब उनकी अपनी ही पार्टी (प्रजा सोशलिस्ट पार्टी) की सहभागिता वाली राज्य सरकार के प्रशासनिक कार्यकाल में आंदोलनकारियों पर गोलियां चलाई गईं, तो उन्होंने अपनी ही पार्टी के मुख्यमंत्री से तुरंत इस्तीफे की मांग कर दी थी। वे कहते थे कि भारत की राजनीति में तब तक सफाई और शुद्धता नहीं आ सकती, जब तक किसी पार्टी के गलत कार्यों की निंदा उसी दल के कार्यकर्ताओं और समर्थकों द्वारा न की जाए। लोहिया जी ने गर्व से कहा था– ÷मुझे यह कहने का पूरा हक है कि हम ही भारत में एक मात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी हैं, जिसने अपनी ही सरकार की गलत नीतियों की निंदा की। सिर्फ निंदा ही नहीं की, बल्कि उसे इस कदर मजबूर किया कि अंततः उस व्यवस्था में बदलाव लाना पड़ा।÷

डॉ. राम मनोहर लोहिया पूंजीवाद और साम्यवाद दोनों ही चरम विचारधाराओं के कड़े आलोचक थे। उन्होंने इन दोनों के विकल्प के रूप में एक तीसरी विचारधारा– नैतिक व मानवीय मूल्यों पर आधारित लोकतांत्रिक समाजवाद का प्रतिपादन किया था। समाज से हर प्रकार की असमानता को समूल नष्ट करने के लिए उन्होंने %सप्त क्रांति% (सात क्रांतियों) का दर्शन दिया, जिसके मुख्य बिंदु निम्नलिखित थे-

स्त्री और पुरुष के बीच पूर्ण समानता।

त्वचा के रंग (नस्ल) के आधार पर होने वाली असमानता के विरुद्ध संघर्ष।

जाति और जन्म आधारित ऊंच-नीच का अंत।

आर्थिक गैर-बराबरी (अमीरी-गरीबी की खाई) को पाटना।

व्यक्तिगत जीवन में विदेशी हस्तक्षेप को रोकना और निजी स्वतंत्रता की रक्षा करना।

दुनिया के सभी राष्टों के बीच असमानता के खिलाफ संघर्ष।

अस्त्र-शस्त्र (हिंसा) के खिलाफ सत्याग्रह।

अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के बाद डॉ. लोहिया उच्च शिक्षा के लिए जर्मनी गए, जहां उन्होंने बर्लिन विश्वविद्यालय से 'नमक सत्याग्रह' विषय पर अपना शोध ग्रंथ लिखा, जिसके आधार पर उन्हें 1932 में पीएचडी (डॉक्टरेट) की उपाधि प्राप्त हुई। वे हिंदी के अतिरिक्त अंग्रेजी, जर्मन, फ्रेंच सहित कई भाषाओं के प्रकांड ज्ञाता थे। वे बहुत कम उम्र में ही आजादी के आंदोलन से जुड़ गए थे और 1936 में कांग्रेस पार्टी के भीतर गठित 'परराष्ट विभाग' के पहले सचिव बनाए गए थे। वे सत्ता के विकेंद्रीकरण के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने शासन को लोकतांत्रिक ढंग से चलाने के लिए 'चौखंबा राज्य व्यवस्था' का मॉडल देश के सामने रखा, जिसमें सत्ता के चार स्तंभ– गांव, मंडल (जिला), प्रांत और केंद्र शामिल थे। उनका मानना था कि इन चारों स्तरों पर शक्ति के समान विभाजन के बिना वास्तविक लोकसत्ता मजबूत नहीं हो सकती।

डॉ. लोहिया मौलिक रूप से एक ठेठ देसी चिंतक थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद की राजनीति में वे एक ऐसे विचारक थे जो इतिहास, संस्कृति और अपनी भाषा के संदर्भ में पश्चिम के सिद्धांतों को उधार लेकर व्याख्या करने को कतई राजी नहीं थे। 60 के दशक में देश में उनके द्वारा शुरू किया गया %अंग्रेजी हटाओ आंदोलन% देश के गिने-चुने आंदोलनों में से एक है। उनके लिए भाषा केवल राजनीति का मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट के स्वाभिमान का प्रश्न और करोड़ों देशवासियों के भीतर आत्मविश्वास जगाने का जरिया थी। वे अक्सर कहते थे कि हिंदुस्तान के साधारण लोग अंग्रेजी न जानने पर लज्जित न हों बल्कि गर्व करें, क्योंकि यह सामंती भाषा है। वे चाहते थे कि भारतीय मानस आत्मा से पूरी तरह भारतीय बने, न कि अंग्रेज।

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में लोहिया जी कई बार जेल गए और वहां ब्रिटिश हुकूमत की अमानवीय यातनाएं भी सहीं। आजादी से पहले कांग्रेस के भीतर उनका एक प्रभावशाली सोशलिस्ट गुट था। 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों से मुक्ति मिलने पर वे उत्साहित तो थे, लेकिन विभाजन की भारी कीमत पर मिली इस स्वतंत्रता के कारण वे गहरे अवसाद में थे।

शक्ति क्लब की रामलीला में धनुष यज्ञ और लक्ष्मण-परशुराम संवाद का मनमोहक मंचन

श्रीराम ने शिव धनुष तोड़कर पूरी की राजा जनक की प्रतिज्ञा, लक्ष्मण-परशुराम संवाद ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

मुजफ्फरनगर। शक्ति क्लब रजिस्टर्ड, मुजफ्फरनगर द्वारा आयोजित श्रीरामलीला महोत्सव में धनुष यज्ञ एवं लक्ष्मण-परशुराम संवाद की सुंदर लीला का मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने प्रभावशाली अभिनय और संवादों के माध्यम से रामायण के प्रसंगों को जीवंत कर दिया। लीला देखने के लिए उपस्थित दर्शक भावविभोर हो गए और पूरा पंडाल जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व ब्लॉक प्रमुख विनय पाल एवं संदीप पाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके पश्चात श्री गणेश वंदना, रामायण वंदना और भगवान श्रीराम की आरती के साथ लीला का विधिवत शुभारंभ हुआ। आज की लीला का मुख्य आकर्षण राजा जनक द्वारा माता सीता के विवाह के लिए रखी गई प्रतिज्ञा रही। राजा जनक ने प्रण लिया था कि जो भी वीर भगवान शिव के दिव्य धनुष को उठाकर उस पर प्रत्यंचा चढ़ाएगा, उसी के साथ माता सीता का विवाह किया जाएगा। इस प्रतिज्ञा के अनुसार आयोजित स्वयंवर में देश-विदेश से अनेक राजा और महारथी पहुंचे, लेकिन कोई भी शिव धनुष को उठा नहीं सका। राजाओं को असफल देखकर राजा जनक चिंतित हो उठे। इसके बाद गुरु विश्वामित्र की आज्ञा प्राप्त कर भगवान श्रीराम आगे बढ़े और सहजता से शिव धनुष को उठाकर उस पर प्रत्यंचा चढ़ाने का प्रयास किया। इसी दौरान धनुष टूट गया और राजा जनक की प्रतिज्ञा पूर्ण हुई। इस दृश्य का मंचन देखकर दर्शकों ने जय श्रीराम के जयकारों के साथ प्रसन्नता व्यक्त की।

लक्ष्मण-परशुराम संवाद ने बांधा समां शिव धनुष टूटने के बाद भगवान परशुराम के आगमन और लक्ष्मण के साथ उनके संवाद का प्रभावशाली मंचन किया गया। परशुराम के क्रोध और लक्ष्मण के निर्भीक, व्यंग्यपूर्ण उत्तरों ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। श्रीराम की विनम्रता और लक्ष्मण के ओजस्वी संवादों के माध्यम से कलाकारों ने प्रसंग की गंभीरता और रोचकता को मंच पर बखूबी प्रस्तुत किया।

श्रीराम के अभिनय में सौरभ, लक्ष्मण के अभिनय में वैभव, राजा जनक के अभिनय में ओमपाल कश्यप, रावण के अभिनय में जैन साहब, बाणासुर के अभिनय में अखिलेश पाल तथा रिंकू कटारिया, उज्ज्वल शर्मा और अभिषेक शर्मा ने विभिन्न भूमिकाओं में सुंदर अभिनय किया। वहीं, भगवान परशुराम के अभिनय में नवनीत वर्मा ने अपने दमदार संवादों और प्रभावशाली प्रस्तुति से दर्शकों की खूब सराहना प्राप्त की।

कार्यक्रम का मंच संचालन नीरज शर्मा ने किया। श्रीरामलीला महोत्सव को सफल बनाने में क्लब के अध्यक्ष पवन पाल, सचिव संजीव दीक्षित, कोषाध्यक्ष सरदार राजिंदर सिंह एडवोकेट, मीडिया प्रभारी नवनीत कौशिक, उपाध्यक्ष रविकांत सभासद, नितिन, विजेंद्र पाल, उपसचिव राजीव अरोरा, नितिन अरोरा, महीपाल, सुनील रुहेला, संयोजक सुनील कपिल, सतेंद्र पंवार, अमरीश त्यागी, शिवकुमार भाई जी, अक्षय पाल,

एसडी इंटर कॉलेज में माध्यमिक विद्यालयीय बालक-बालिका एथलेटिक्स प्रतियोगिता का समापन, फिजा, पायल, हिमांशी, आदित्य पाल, समीर और अनमोल बालियान बने चैंपियन

तीन दिवसीय जनपदीय प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी 16 अक्टूबर से सहारनपुर में मंडलीय प्रतियोगिता में लेंगे भाग

मुजफ्फरनगर। एसडी इंटर कॉलेज मुजफ्फरनगर के क्रीड़ा स्थल पर आयोजित जनपदीय माध्यमिक विद्यालयीय बालक-बालिका शैक्षिक प्रतियोगिता 2026 के अंतर्गत तीन दिवसीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का समापन हो गया। समापन समारोह में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया और मुख्य अग्निशमन अधिकारी अनुराग कुमार ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न विद्यालयों के खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा, मेहनत और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का प्रदर्शन किया। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के खिलाड़ियों ने दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद और त्रिकूद सहित अनेक एथलेटिक्स स्पधाओं में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पधाओं में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने-अपने वर्ग में चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। सब जूनियर बालिका वर्ग में फिजा ने 100 मीटर, 200 मीटर और 600 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। जूनियर बालिका वर्ग में पायल ने लंबी कूद, ऊंची कूद और त्रिकूद में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया और वर्ग चैंपियन बनीं।

वहीं, सीनियर बालिका वर्ग में हिमांशी ने 800 मीटर, 1500 मीटर और 3000 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर चैंपियनशिप अपने नाम की। तीनों खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन से प्रतियोगिता स्थल पर उत्साह का माहौल रहा। सब जूनियर बालक वर्ग में आदित्य पाल ने 100 मीटर, 200 मीटर दौड़ और लंबी कूद में प्रथम स्थान प्राप्त कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। सीनियर बालक वर्ग में समीर ने 100 मीटर, 200 मीटर और 110 मीटर स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त कर चैंपियनशिप अपने नाम की। इसी वर्ग में अनमोल बालियान ने 800 मीटर, 1500 मीटर और 3000 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने अनुशासन, खेल भावना और उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेलों के प्रति रुचि विकसित करना, शारीरिक क्षमता को प्रोत्साहित करना और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करना रहा। एनएफसी प्रभारी प्रमोद कुमार ने बताया कि जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी 16 अक्टूबर से सहारनपुर में आयोजित होने वाली मंडलीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने खिलाड़ियों को आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं देते हुए बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

सनातन धर्म कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर व्याख्यान आयोजित

छात्राओं को अधिकारों, समानता और आत्मनिर्भरता के प्रति किया जागरूक

मुजफ्फरनगर। सनातन धर्म कॉलेज, मुजफ्फरनगर में मिशन शक्ति के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में व्याख्यान का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के सरस्वती सभागार में दोपहर एक बजे आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए आत्मविश्वास, समानता और सशक्तिकरण के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता हिंदी विभाग की डॉ. सविता रहीं। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि बालिकाओं की आवाज को महत्व देना और उनके अधिकारों का सम्मान करना एक समान एवं सशक्त समाज के निर्माण के लिए आवश्यक है। छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने, आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखने तथा शिक्षा और आत्मनिर्भरता के माध्यम से अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुधीर कुमार पुंडीर के संरक्षण में आयोजित हुआ। इसका संयोजन मिशन शक्ति समिति की समन्वयक डॉ. नेहा कनौजिया ने किया। आयोजन में डॉ. नौसीन फातिमा अंसारी, लेफ्टिनेंट अजय और पायल चौधरी की भी सहभागिता रही।

व्याख्यान के माध्यम से छात्राओं को समाज में सम्मान, समानता और आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाकर उन्हें सशक्त, आत्मविश्वासी और अपने भविष्य के प्रति सजग बनाना रहा।

रामपुरी की रामलीला में ताड़का वध और फुलवारी लीला का मनमोहक मंचन

शिवम त्यागी ने श्रीराम और हर्षित चौरसिया ने लक्ष्मण के अभिनय से दर्शकों का जीता दिल, विधिवत पूजन के साथ हुआ लीला का शुभारंभ

मुजफ्फरनगर। श्री रामलीला कमेटी रामपुरी द्वारा आयोजित श्रीरामलीला महोत्सव के चौथे दिन रविवार, 11 अक्टूबर 2026 की रात्रि ताड़का वध और फुलवारी लीला का सुंदर मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने प्रभावशाली अभिनय के माध्यम से रामायण के प्रसंगों को जीवंत कर दिया। ताड़का वध के दृश्य और फुलवारी लीला की मनमोहक प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा। इस दौरान रामलीला स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं दर्शक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विपिन कुमार शर्मा, प्रोपराइटर कमांडो हीटर एंड प्रेस एलिमेंट, तथा उनके सुपुत्र तरंग शर्मा ने विधिवत पूजन, गणेश वंदना और श्रीरामायण जी की आरती के साथ किया। पूजन का कार्य प्रसिद्ध कथावाचक पंडित देवशरण शास्त्री ने संपन्न कराया। रामलीला के दौरान महर्षि विश्वामित्र के साथ भगवान श्रीराम और लक्ष्मण के वन गमन तथा राक्षसी ताड़का के वध का प्रसंग प्रस्तुत किया गया। कलाकारों ने संवादों और अभिनय के माध्यम से धर्म की रक्षा तथा अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश दिया। ताड़का वध के दृश्य पर दर्शकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिक्रिया दी। इसके पश्चात फुलवारी लीला का मंचन किया गया, जिसमें भगवान श्रीराम और माता सीता के प्रथम मिलन से जुड़े प्रसंग को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया। इस दृश्य ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। रामलीला के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों, मयार्दा और भारतीय संस्कृति की महत्ता को भी दशार्या गया। कलाकारों ने निभाई विभिन्न भूमिकाएं श्रीराम का अभिनय शिवम त्यागी और लक्ष्मण का अभिनय हर्षित चौरसिया ने किया। वहीं ताड़का की भूमिका नितिन कुमार ने निभाई। भरत के रूप में अर्पित और शत्रुघ्न के रूप में आर्य धीमान ने अभिनय किया। सभी कलाकारों ने अपनी भूमिकाओं के माध्यम से मंचन को प्रभावशाली बनाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री रामलीला कमेटी रामपुरी के अध्यक्ष चौधरी शक्ति सिंह, कोषाध्यक्ष दिवाकर त्यागी, महामंत्री डॉ. एसके गौतम, संयोजक प्रमोद पाल, निर्देशक सतेंद्र त्यागी, रवि धीमान, शिवम त्यागी, उदय ठाकुर, माटू धीमान, चंदू धीमान, शानू उपाध्याय, आर्यन, गगन जिंदल, निखिल शर्मा, वंश शर्मा और राकेश कुमार सहित अन्य सदस्यों का सहयोग रहा। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में दर्शक उपस्थित रहे और उन्होंने रामलीला के विभिन्न प्रसंगों का आनंद लिया। कमेटी अध्यक्ष चौधरी शक्ति सिंह ने आयोजन में सहयोग करने वाले सभी अतिथियों, कलाकारों, पदाधिकारियों और दर्शकों का आभार व्यक्त किया।

देर रात सपा नेता साजिद हसन को पुलिस ने किया हाउस अरेस्ट

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन के बीच पुलिस की कार्रवाई, साजिद हसन ने भाजपा पर लगाए लोकतंत्र को कमजोर करने के आरोप

मुजफ्फरनगर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और कथित वोट चोरी के विरोध में विपक्षी दलों के आंदोलन के बीच मुजफ्फरनगर में पुलिस प्रशासन की कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में समाजवादी पार्टी के नेता साजिद हसन को देर रात उनके आवास पर हाउस अरेस्ट कर लिया गया। उनके आवास पर पुलिस की निगरानी लगाए जाने की बात सामने आई है।

सपा नेता साजिद हसन ने पुलिस की इस कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा पर चुनाव आयोग को अपने पक्ष में इस्तेमाल करने और मतदाताओं के वोटों की कथित चोरी के जरिए लोकतंत्र को कमजोर करने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी इन मुद्दों के खिलाफ अपना संघर्ष जारी रखेगी और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए पीछे नहीं हटेगी।

साजिद हसन ने कहा कि विपक्षी नेताओं पर पुलिस के माध्यम से जितना अधिक दबाव बनाया जाएगा, आंदोलन उतना ही व्यापक होगा। उनके अनुसार, यह आंदोलन अब जनआंदोलन का रूप ले चुका है। विपक्षी दल मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर विरोध जता रहे हैं। वहीं, सपा नेता ने अपने हाउस अरेस्ट को विपक्ष की आवाज दबाने की कार्रवाई बताते हुए आंदोलन जारी रखने की बात कही।

नई मंडी की रामलीला में ताड़का वध का भव्य मंचन, जय श्रीराम के जयघोष से गूंजा पंडाल

मुजफ्फरनगर। श्री रामलीला समिति, नई मंडी के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य श्री रामलीला महोत्सव के तीसरे दिन ताड़का वध की लीला का मनमोहक मंचन किया गया। प्रभु श्रीराम के हाथों राक्षसी ताड़का का वध होते ही पूरा पंडाल ह्यजय श्रीरामह्न के गगनभेदी जयघोष से गूंज उठा। खराब मौसम और बारिश के बावजूद हजारों की संख्या में श्रद्धालु अपने बच्चों के साथ रामलीला देखने पहुंचे और भक्ति भाव से लीला का आनंद लिया।

महोत्सव के तीसरे दिन मुख्य अतिथि प्रवीण कुमार गोयल एवं मोनिका गोयल स्वास्तिक रबर तथा निपुण मित्तल सपरिवार और आशीष गर्ग सपरिवार ने प्रभु श्रीराम की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

रामलीला में दिखाया गया कि महर्षि विश्वामित्र राजा दशरथ के दरबार में पहुंचकर अपने यज्ञ की रक्षा के लिए श्रीराम और लक्ष्मण को साथ ले जाने का आग्रह करते हैं। राजा दशरथ भावुक मन से अपने पुत्रों को गुरु विश्वामित्र के साथ वन भेज देते हैं। वन में राक्षसी ताड़का और प्रभु श्रीराम के बीच भयंकर युद्ध होता है। अंततः श्रीराम अपने बाण से ताड़का का वध कर देते हैं। ताड़का वध होते ही देवलोक से पुष्प वर्षा का दृश्य प्रस्तुत किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

ताड़का के वीभत्स रूप और युद्ध के रोमांचक दृश्यों ने दर्शकों को खूब आकर्षित किया। ताड़का के भयानक रूप को देखकर कई बच्चे डरकर चिल्ला उठे, वहीं मंच पर एक साथ चार ताड़काओं के दिखाई देने पर बच्चों और दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला। लीला के दौरान श्रद्धालु लगातार जय श्रीराम के जयघोष करते रहे।

ताड़का वध की लीला देखने के लिए पटेल नगर रामलीला से अनिल ऐरन, पूर्व सभासद विकल्प जैन सहित 40 से अधिक कलाकार भी पहुंचे। श्री रामलीला समिति, नई मंडी की ओर से सभी कलाकारों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष संजय मित्तल, मंत्री अशोक गर्ग, कोषाध्यक्ष आदित्य भरतिया, बृज गोपाल छारिया, राजीव अग्रवाल, प्रवीण कुमार एडवोकेट, विदित गुप्ता, अभिषेक कुच्छल, उपेंद्र मित्तल, संजय जिंदल काका, विनोद संगल, राजेश गोयल, विवेक गर्ग, विवेक बंसल, मुकेश गुप्ता, शरद गोयल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। रामलीला के भव्य मंचन को देखने के लिए हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी से पूरा परिसर राममय नजर आया।

रंग संसार

संजय दत्तः एक्टर ने हनुमान अंश को सराहा, अनुप्रिया नागर संग फोटो साझा कर बोले- मुझे तुम पर बहुत गर्व है

फिल्म 'हनुमान अंश' ने दर्शकों का सिनेमाघरों में दिल जीत लिया था। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई की। मगर आम दर्शकों के साथ-साथ बॉलीवुड सेलेब्स भी इस फिल्म के बड़े फैन हैं। हाल ही में अभिनेता संजय दत्त ने सोशल मीडिया पर फिल्म की निमार्ता अनुप्रिया नागर की जमकर तारीफ की। संजय दत्त ने फिल्म हनुमान अंश की 21 वर्षीय निमार्ता अनुप्रिया नागर की प्रशंसा की। एक्टर ने सोशल मीडिया पर अपनी और अनुप्रिया की तस्वीर साझा की। इसके साथ ही उन्होंने फोटो के कैप्शन में लिखा, मैंने कई फिल्में बनते-बिगड़ते देखी हैं, और कुछ ने इतिहास रचा है। लेकिन महज 21 साल की उम्र में तुमने हनुमान अंश के लिए जो हासिल किया है, वह वाकई सराहनीय है। एक छोटी फिल्म को इतनी बड़ी फिल्म में बदलने के लिए जुनून चाहिए होता है, और जिस तरह से तुमने सभी के आशीर्वाद से लोगों को एकजुट किया है, वह लाजवाब है। भगवान तुम्हें आशीर्वाद दें, बच्चे। मुझे तुम पर बहुत गर्व है और मैं तुम्हारे हर प्रोजेक्ट में हमेशा तुम्हारे साथ खड़ी रहूंगा। तुम्हारी कहानी तो अभी शुरू हुई है तेलुगु भाषा में भी रिलीज हुई फिल्म फिल्म 'हनुमान अंश' हिंदी पट्टी के बाद अब तेलुगु भाषा में दस्तक दे चुकी है। बीते शुक्रवार को होम्बले फिल्म्स ने सोशल मीडिया पोस्ट पर रिलीज डेट का एलान किया था। यह फिल्म 09 अक्तूबर को तेलुगु में सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है हनुमान अंश का बॉक्स ऑफिस फिल्म 'हनुमान अंश' की कमाई रिलीज होने के कई हफ्तों बाद तक जारी है। फिल्म की रिलीज को 66 दिन हो चुके हैं। इस वीकेंड फिर इसकी कमाई में बढ़ोतरी हुई है। शुक्रवार को 'हनुमान अंश' ने 1.20 करोड़ रुपये की कमाई की।

राज काज

पेप्सिको को राहत नहींः 'एनर्जी ड्रिंक' लेबल के साथ नए उत्पादन पर रोक बरकरार, हाईकोर्ट ने दिए क्या निर्देश?

दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को पेप्सिको को एनर्जी ड्रिंक लेबल के साथ अपने पेय पदार्थों का उत्पादन जारी रखने की अनुमति देने से इनकार करने वाले आदेश में तत्काल हस्तक्षेप करने से मना कर दिया। हालांकि, अदालत ने एकल न्यायाधीश से इस फैसले के पीछे के स्पष्ट कारण एक सप्ताह के भीतर दर्ज करने को कहा है।कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नितिन वासुदेव सांबरे और न्यायमूर्ति संजय शर्मा की पीठ पेप्सिको की उस अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें छह अक्टूबर के एकल न्यायाधीश के आदेश को चुनौती दी गई थी। पीठ ने आदेश में विशिष्ट कारणों का जिक्र नहीं होने पर ध्यान दिया और कहा कि इन कारणों को दर्ज किया जाना जरूरी है, ताकि अपील पर विचार किया जा सके।स्टिंग एनर्जी और एड्रेनालिन रश के उत्पादन पर विवाद

पेप्सिको की ओर से पेश वरिष्ठ वकील ने दलील दी कि भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने कंपनी को अपने पेय पदार्थों से एनर्जी ड्रिंक शब्द हटाने का निर्देश दिया था। इसके बाद एकल न्यायाधीश ने कंपनी को इस मामले में सख्त कार्रवाई से संरक्षण दिया और पहले से मौजूद स्टॉक बेचने की अनुमति भी दी।हालांकि, कंपनी को स्टिंग एनर्जी और एड्रेनालिन रश नाम वाले पेय पदार्थों का एनर्जी ड्रिंक लेबल के साथ नया उत्पादन करने की अनुमति नहीं दी गई। कंपनी के वकील ने कहा कि एक अन्य मामले में इसी तरह की राहत दूसरे पेय पदार्थ को दी गई थी। पीठ ने कहा कि इस स्तर पर वह मामले के गुण-दोष पर विचार नहीं करना चाहती, खासकर इसलिए क्योंकि अंतरिम राहत की पुष्टि से जुड़ी पेप्सिको की याचिका अभी एकल न्यायाधीश के समक्ष लंबित है। अदालत ने कहा, इस मामले में फिलहाल अंतरिम राहत लागू है। खंडपीठ ने प्रथम दृष्टया कहा कि एकल न्यायाधीश ने यह स्पष्ट कारण दर्ज नहीं किए कि पेप्सिको को एनर्जी ड्रिंक लेबल के साथ उत्पादन जारी रखने की अनुमति क्यों नहीं दी गई, जबकि रेड बुल से जुड़े मामले में ऐसी अनुमति दी गई थी। पीठ ने निर्देश दिया कि छह अक्टूबर के आदेश के पैराग्राफ 13 में दर्ज टिप्पणियों के संबंध में कारण स्पष्ट किए जाएं

दैनिक राशिफल मंगलवार 13 अक्टूबर 2026

मेष – परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा।

वृष – जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। दिमाग में निर्मूल तर्ककुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी व अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा।

मिथुन : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे।

कर्क – किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी।

सिंह– भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा।

कन्या – शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे।

तुला – जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे।

वृश्चिक – स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी।

धनु – बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग बना है। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे।

मकर – संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। खान-पान में सावधानी रखें। आगे बढने.के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है।

कुंभ – महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा।

मीन – शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान बढ़ेगा।

दैनिक पंचांग

13 अक्टूबर को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.20 बजे से
चंद्र	तुला में	वृश्चिक	08.34 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	10.50 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.55 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	14.42 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	16.15 बजे से
शनि	मीन में	मेष	17.45 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.25 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.23 बजे से
राहुकाल		कर्क	23.37 बजे से
3.00 से 4.30		सिंह	01.53 बजे से
बजे तक		कन्या	04.05 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 286 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया 23.28 बजे को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 01.43 बजे रात्र को समाप्त। **योग** प्रीति 20.24 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 10.47 बजे तदनन्तर गर 23.28 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 2.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 07° 42'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872861
जूलियन दिन 2461326.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल
तारीख 01

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर जीआरपी मुजफ्फरनगर का वार्षिक निरीक्षण, आईजी ने परखी पुलिस की तैयारियां

बॉडी वॉर्न कैमरों से लेकर दंगा नियंत्रण उपकरणों तक की कार्यक्षमता जांची, लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण और रेलवे परिसर में सुरक्षा मजबूत करने के निर्देश

मुजफ्फरनगर। ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा, रेलवे परिसर में अपराध नियंत्रण और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को परखने के लिए सोमवार को पुलिस महानिरीक्षक रेलवे लखनऊ रामकृष्ण भारद्वाज ने जीआरपी थाना मुजफ्फरनगर का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाने की व्यवस्थाओं, पुलिसकर्मियों की कार्यक्षमता, आधुनिक तकनीकी संसाधनों के इस्तेमाल और लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला सुरक्षा से लेकर दंगा नियंत्रण अभ्यास तक विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया और पुलिसकर्मियों को अपने दायित्वों के प्रति सतर्क रहने को कहा। सोमवार को पुलिस महानिदेशक रेलवे उत्तर प्रदेश प्रकाश डी के निर्देशन में हुए इस निरीक्षण के दौरान पुलिस महानिरीक्षक ने थाने की कार्यप्रणाली को बारीकी से परखा। इस दौरान पुलिस अधीक्षक रेलवे मुरादाबाद आशुतोष शुक्ला, पुलिस उपाधीक्षक रेलवे गाजियाबाद अशोक कुमार सिसौदिया सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान पुलिस महानिरीक्षक ने थाने में उपलब्ध आधुनिक तकनीकी संसाधनों की कार्यक्षमता का जायजा लिया। इसमें बाॅडी वॉर्न कैमरा, टैबलेट, ब्लूटूथ स्पीकर और अन्य उपकरण शामिल रहे। उन्होंने इन संसाधनों के अधिकतम और प्रभावी इस्तेमाल पर जोर देते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक का बेहतर उपयोग रेलवे परिसर और ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। ट्रेनों और रेलवे परिसर में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए गए। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर समय रहते कार्रवाई करने के लिए पुलिस की तैयारियों को मजबूत रखने पर जोर दिया गया। वार्षिक निरीक्षण के दौरान पुलिसकर्मियों की आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की क्षमता का भी जायजा लिया गया। थाने में मौजूद कर्मचारियों से शस्त्रों की हैंडलिंग कराई गई और बलवा ड्रिल तथा दंगा नियंत्रण ड्रिल का अभ्यास कराया गया। इस दौरान दंगा नियंत्रण उपकरणों के साथ पुलिसकर्मियों की तैयारियों की समीक्षा की गई। पुलिस महानिरीक्षक ने शस्त्रों की साफ-सफाई और उनके समुचित रखरखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इसके साथ ही थाने में उपलब्ध सुरक्षा उपकरणों को व्यवस्थित रखने और आवश्यकता पड़ने पर उनका प्रभावी इस्तेमाल करने की तैयारी बनाए रखने पर बल दिया गया। निरीक्षण का एक प्रमुख उद्देश्य यह भी रहा कि किसी अप्रिय घटना, कानून-व्यवस्था की स्थिति या अन्य आपातकालीन परिस्थिति में पुलिसकर्मी समन्वय के साथ तत्काल प्रभावी कार्रवाई कर सकें। निरीक्षण की शुरूआत महिला हेल्प डेस्क से की गई। यहां पुलिस महानिरीक्षक ने महिला संबंधी शिकायतों के निस्तारण की व्यवस्था का जायजा लिया और तैनात महिला पुलिसकर्मियों को पीड़ित महिलाओं की शिकायतों पर त्वरित, संवेदनशील और प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान ऑपरेशन मुस्कान और मिशन शक्ति अभियान की प्रगति की भी समीक्षा की गई। महिला सुरक्षा से संबंधित मामलों में संवेदनशीलता बरतने, शिकायतों को गंभीरता से सुनने और जरूरतमंदों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।

रेलवे स्टेशन और ट्रेनों में अलग-अलग स्थानों से आने-जाने वाले यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर महिला सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाए रखने की आवश्यकता पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। पुलिस महानिरीक्षक ने थाने की राजकीय संपत्ति, विभिन्न अभिलेखों, मालखाने, शस्त्रागार, कंप्यूटर कक्ष, हवालात और बैरकों का निरीक्षण किया। इस दौरान अभिलेखों के बेहतर रखरखाव, सरकारी संपत्ति की उचित देखभाल तथा थाने की व्यवस्थाओं को व्यवस्थित रखने के संबंध में संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

भाजपा महिला मोर्चा का कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन, सांसद अगोमचा बिमोल को संसद से निष्कासित करने की मांग

शिव चौक से सरार्फा चौक तक निकाला मार्च, कांग्रेस कार्यालय पर प्रदर्शन कर राहुल गांधी से की कार्रवाई की मांग

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर में भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने जेएनयू में छात्राओं के यौन शोषण के आरोपी पूर्व प्रोफेसर व वर्तमान में कांग्रेस सांसद अगोमचा बिमोल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए उन्हें संसद से निष्कासित करने, मुकदमा दर्ज कराने और गिरफ्तार करने की मांग की। महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने शिव चौक से सरार्फा चौक तक मार्च निकाला और इसके बाद कांग्रेस कार्यालय पर पहुंचकर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ नारेबाजी करते हुए राहुल गांधी से मामले में कार्रवाई की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने कहा कि संबंधित मामले में कांग्रेस नेतृत्व को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने राहुल गांधी से मांग की कि सांसद अगोमचा बिलोल के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई के लिए पहल की जाए। महिला मोर्चा ने अपनी मांगों को लेकर विरोध जताते हुए कहा कि मामले को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। शिव चौक से शुरू हुआ मार्च शहर के प्रमुखों मार्गों से होता हुआ सरार्फा चौक पहुंचा। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर अपनी मांगें उठाईं और कांग्रेस नेतृत्व से जवाब मांगा। प्रदर्शन में भाजपा महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष अंजली चौधरी, जिला मंत्री ममता अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष आंचल तोमर, गीता जैन, नीरज गौतम, रेखा वर्मा, सुभलेश, प्रीति सूद, अर्चना सूद, विशाखा सैनी, हाजरा, मंजू शर्मा, सीमा गुप्ता, तृप्ति पुंडीर, सुदेश भारती, विभा शर्मा, रजनी, सविता, सोनिया, कमलेश, शैलजा सिंह, लता, नीलम ढींगरा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहीं।

शिक्षक एवं स्नातक विधान परिषद चुनाव को लेकर भाजपा ने बनाई रणनीति, कार्यकताओं को सौंपी जिम्मेदारी

कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने जनसंपर्क अभियान तेज करने का किया आह्वान, पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान ने मतदाताओं से संवाद पर दिया जोर

मुजफ्फरनगर। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर शिक्षक एवं स्नातक विधान परिषद चुनाव की तैयारियों को लेकर संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी चुनावों की रणनीति पर विस्तार से विचार-विमर्श करते हुए मतदाता संपर्क अभियान को प्रभावी बनाने, संगठनात्मक जिम्मेदारियां निर्धारित करने तथा चुनावी तैयारियों को गति देने पर जोर दिया गया। पार्टी पदाधिकारियों ने कार्यकताओं से आपसी समन्वय, सक्रियता और पूरी निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। बैठक में चुनावी तैयारियों की समीक्षा के साथ कमेटियों के गठन और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने को लेकर भी चर्चा हुई।

जिला मीडिया प्रभारी पवन अरोरा ने बताया कि बैठक में कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र चौधरी, पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान, नगरपालिका परिषद की अध्यक्षा श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप, वरिष्ठ भाजपा नेता गौरव स्वरुप, पूर्व विधायक अशोक कंसल, उमेश मलिक सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाएं कार्यकर्ता : भूपेंद्र चौधरी

बैठक को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कार्यकताओं से इनकी जानकारी जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने किसान सम्मान निधि, युवाओं के लिए रोजगार एवं सरकारी नौकरी के अवसर, छात्राओं के लिए स्कूटी वितरण, उज्ज्वला योजना और मुफ्त राशन जैसी योजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर योजनाओं की जानकारी दें तथा पात्र लाभार्थियों को उनका लाभ दिलाने में सहयोग करें। भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि संगठन की मजबूती चुनावी सफलता का महत्वपूर्ण आधार है। शिक्षक एवं स्नातक विधान परिषद चुनाव पार्टी के लिए महत्वपूर्ण हैं और इनमें बेहतर प्रदर्शन के लिए सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं को एकजुट होकर काम करना होगा। उन्होंने मतदाताओं से निरंतर संपर्क बनाए रखने, पार्टी की नीतियों और सरकार की उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाने तथा चुनाव संबंधी तैयारियों को व्यवस्थित ढंग से पूरा करने पर जोर दिया।

प्रत्येक मतदाता तक पहुंचकर संवाद स्थापित करें : संजीव बालियान

पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान ने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल मतदाता सूची तैयार करना नहीं, बल्कि प्रत्येक मतदाता तक पहुंचकर उससे संवाद स्थापित करना भी है। उन्होंने कार्यकताओं से अपने-अपने क्षेत्रों में शिक्षक एवं स्नातक मतदाताओं के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखने और उनकी समस्याओं तथा अपेक्षाओं को समझने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रभावी जनसंपर्क, नियमित संवाद और संगठनात्मक समन्वय के माध्यम से चुनावी तैयारियों को मजबूत बनाया जा सकता है। कार्यकताओं को अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर पार्टी की विचारधारा और नीतियों से मतदाताओं को अवगत कराना चाहिए। भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. सुधीर सैनी ने कहा कि शिक्षक एवं स्नातक विधान परिषद चुनाव संगठन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन चुनावों की तैयारियों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कार्यकताओं को निर्धारित जिम्मेदारियां समय से पूरी करने, प्रतिदिन की प्रगति की समीक्षा करने और बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसका समर्पित कार्यकर्ता है। प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा और सक्रियता के साथ करना होगा। संगठनात्मक अनुशासन, आपसी तालमेल और प्रभावी जनसंपर्क के माध्यम से ही चुनावी अभियान को मजबूती प्रदान की जा सकती है। इस अवसर भाजपा अनुसूचित मोर्चा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष यशवीर सिंह का केबिनेट मंत्री भूपेंद्र चौधरी समेत पदाधिकारियों ने पटका पहनाकर स्वागत किया।

पुलिस की निगरानी के बीच मुजफ्फरनगर के कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली आंदोलन में पहुंचे

राहुल गांधी के नेतृत्व में ह्यवोट चोर गद्दी छोड़ आंदोलन में लिया हिस्सा, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और गिरफ्तारी की उठाई मांग

मुजफ्फरनगर। कांग्रेस पार्टी के ह्यवोट चोर गद्दी छोड़ आंदोलन में शामिल होने के लिए सोमवार, 12 अक्टूबर 2026 को मुजफ्फरनगर के कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचे। कांग्रेस कार्यकताओं ने पुलिस की निगरानी और हाउस अरेस्ट किए जाने की आशंकाओं के बीच दिल्ली पहुंचकर आंदोलन में भाग लिया। कांग्रेस नेताओं ने इसे लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के लिए संघर्ष बताते हुए अपनी आवाज बुलंद की। नई दिल्ली में वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में आयोजित आंदोलन में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और गिरफ्तारी की मांग उठाई गई। कांग्रेस की ओर से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण और कथित वोट चोरी के मुद्दे को लेकर विरोध जताया गया। आंदोलन में शामिल होने के लिए मुजफ्फरनगर से पहुंचे कार्यकताओं ने पार्टी के अभियान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इस दौरान कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव एवं पूर्व कार्यवाहक जिलाध्यक्ष राकेश पुंडीर, कांग्रेस सेवादल के नगर अध्यक्ष मुकुल शर्मा, मुकेश ठाकुर और योगेश राणा अपने साथियों के साथ दिल्ली पहुंचे और आंदोलन में सहभागिता की। कांग्रेस कार्यकताओं का कहना था कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में निष्पक्ष चुनाव और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। इसी मुद्दे को लेकर पार्टी लगातार आवाज उठा रही है। मुजफ्फरनगर से दिल्ली पहुंचे कांग्रेस कार्यकताओं ने आंदोलन में भाग लेकर पार्टी के विरोध प्रदर्शन को समर्थन दिया।

जिला सहकारी बैंक चेयरमैन ठाकुर रामनाथ सिंह को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, चेयरमैनी बहाल

हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक, समर्थकों में खुशी की लहर; जिला सहकारी बैंक की राजनीति में हलचल तेज

मुजफ्फरनगर। जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन ठाकुर रामनाथ सिंह को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिलने की खबर सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाए जाने के बाद उनकी चेयरमैनी बहाल होने की जानकारी सामने आई है। इस घटनाक्रम के बाद जिला सहकारी बैंक की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। वहीं, फैसले की खबर से ठाकुर रामनाथ सिंह के समर्थकों में खुशी का माहौल है।

समितियों के पुनर्गठन के बाद शुरू हुआ था विवाद

ठाकुर रामनाथ सिंह जून 2023 में मुजफ्फरनगर जिला सहकारी बैंक के सभापति निर्वाचित हुए थे। वह किसान सेवा समिति खेड़ा मस्तान के प्रतिनिधि के रूप में बैंक के संचालक मंडल में शामिल हुए थे। उनके साथ पंकज पाल और बृजेंद्र सिंह मलिक भी सहकारी समितियों के प्रतिनिधि के तौर पर संचालक मंडल का हिस्सा बने थे।

इस बीच बुढ़ाना निवासी सचिन कुमार जैन ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर तीनों की सदस्यता को चुनौती दी थी। याचिका में तर्क दिया गया था कि सहकारी समितियों के पुनर्गठन एवं विभाजन के बाद संबंधित प्रतिनिधियों का पुरानी समितियों के आधार पर प्रतिनिधित्व समाप्त हो गया था। इसी विवाद को लेकर मामला न्यायालय पहुंचा और बैंक के संचालक मंडल की सदस्यता पर कानूनी सवाल खड़े हुए। इलाहाबाद हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति जे.जे. मुनीर और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला की पीठ ने 7 सितंबर 2026 को रिट याचिका संख्या 7367/2026 पर सुनवाई के बाद फैसला सुनाया था। इस फैसले में ठाकुर रामनाथ सिंह, पंकज पाल और बृजेंद्र सिंह मलिक को प्रबंध समिति में बने रहने के अयोग्य माना गया था। हाईकोर्ट के इस आदेश से ठाकुर रामनाथ सिंह की चेयरमैनी पर असर पड़ा और जिला सहकारी बैंक में उनके पद को लेकर स्थिति बदल गई थी।

सुप्रीम कोर्ट में चुनौती के बाद मिली राहत

हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ ठाकुर रामनाथ सिंह ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अब सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाए जाने और उनकी चेयरमैनी बहाल होने की जानकारी सामने आने के बाद इस मामले में नया मोड़ आ गया है।

इस घटनाक्रम को जिला सहकारी बैंक की राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट के आदेश की सटीक शर्तों, रोक के दायरे और उसके प्रभाव की अंतिम पुष्टि आधिकारिक आदेश के अवलोकन के बाद ही की जानी चाहिए।

फर्जी अस्पतालों और अपात्र चिकित्सकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग, हिंदू संघर्ष समिति ने सीएमओ कार्यालय पर दिया धरना

बुढ़ाना के चिकित्सक से जुड़े मामले में डिग्री, पंजीकरण और विशेषज्ञता की जांच कराने की मांग, सीएमओ को सौंपा छह सूत्रीय ज्ञापन

मुजफ्फरनगर। जनपद में कथित अवैध अस्पतालों के संचालन, अपात्र व्यक्तियों द्वारा चिकित्सा सेवाएं दिए जाने और उपचार में लापरवाही से जुड़ी शिकायतों पर कार्रवाई की मांग को लेकर सोमवार को हिंदू संघर्ष समिति ने जिला चिकित्सालय स्थित मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया। धरने के बाद समिति के पदाधिकारियों ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील कुमार तेवतिया को छह सूत्रीय मांग-पत्र सौंपकर संबंधित मामलों की निष्पक्ष जांच कराने और दोष सिद्ध होने पर नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की।

समिति ने विशेष रूप से बुढ़ाना कस्बे के डॉ. जेड. ए. राणा की चिकित्सकीय डिग्री, पंजीकरण, योग्यता और बाल रोग विशेषज्ञ के रूप में पात्रता का सत्यापन कराने की मांग उठाई। समिति ने अपने ज्ञापन में आरोप लगाया कि 18 सितंबर को लगभग एक वर्ष तीन माह के एक बच्चे की इंजेक्शन लगाए जाने के करीब दस मिनट बाद मृत्यु हो गई थी। समिति ने इस प्रकरण में उपचार संबंधी अभिलेखों, इंजेक्शन के विवरण और अन्य चिकित्सकीय तथ्यों की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की मांग की।

हिंदू संघर्ष समिति के संयोजक नरेंद्र पवार ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े मामलों में किसी भी शिकायत को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि यदि जांच में चिकित्सकीय लापरवाही, अपात्रता अथवा किसी अन्य कानूनी उल्लंघन की पुष्टि होती है तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही संबंधित अस्पताल के पंजीकरण, आवश्यक अनुमतियों और उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की भी जांच कराई जाए। समिति ने अपने मांग-पत्र में छह प्रमुख बिंदुओं पर कार्रवाई की मांग की। पहली मांगः डॉ. जेड. ए. राणा से संबंधित प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर उनकी चिकित्सकीय डिग्री, पंजीकरण और विशेषज्ञता का सत्यापन कराया जाए। बच्चे की मृत्यु के मामले में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर उचित कानूनी कार्रवाई की जाए। दूसरी मांगः जनपद में संचालित संदिग्ध एवं कथित अवैध अस्पतालों की जांच कराई जाए। बिना आवश्यक पंजीकरण, अनुमति अथवा निर्धारित मानकों का पालन किए संचालित संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। तीसरी मांगः चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने वाले व्यक्तियों की शैक्षिक योग्यता और पंजीकरण का सत्यापन कराया जाए। अपात्र व्यक्तियों द्वारा चिकित्सा किए जाने की पुष्टि होने पर कानून के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। चौथी मांगः उपचार में गंभीर लापरवाही और मृत्यु से संबंधित शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। जिम्मेदारी प्रमाणित होने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाए। पांचवीं मांगः लंबित शिकायतों की स्थिति स्पष्ट की जाए तथा जांच और कार्रवाई के लिए समय-सीमा निर्धारित कर शिकायतकताओं को लिखित जानकारी उपलब्ध कराई जाए। छठी मांगः भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए अस्पतालों का नियमित निरीक्षण, चिकित्सकीय योग्यता का सत्यापन और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। समिति ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में आम जनता की सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। प्रत्येक नागरिक को उपचार के दौरान सुरक्षित और निर्धारित मानकों के अनुरूप चिकित्सा सुविधाएं मिलनी चाहिए। समिति ने स्पष्ट किया कि उसका उद्देश्य किसी निर्दोष व्यक्ति को परेशान करना नहीं, बल्कि शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराना और दोष प्रमाणित होने पर कानून के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित कराना है। संयोजक नरेंद्र पवार साधु ने स्वास्थ्य विभाग से छह सूत्रीय ज्ञापन पर गंभीरता से संज्ञान लेने, संबंधित मामलों की जांच की स्थिति स्पष्ट करने और की गई कार्रवाई की लिखित जानकारी उपलब्ध कराने की मांग की।

धामपुर बायो ऑर्गेनिक्स लिमिटेड मंसूरपुर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुआ बॉयलर पूजन

हवन-पूजन कर आगामी पेराई सत्र के सफल संचालन की कामना, मिल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दी आहुतियां

मुजफ्फरनगर। धामपुर बायो ऑर्गेनिक्स लिमिटेड, मंसूरपुर शुगर मिल में सोमवार को प्रातः 10 बजे विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बॉयलर पूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर हवन-पूजन कर आगामी पेराई सत्र के सफल संचालन, बॉयलर के सुचारू रूप से चलने तथा मिल की सुख-समृद्धि की कामना की गई। धार्मिक अनुष्ठान में मिल के अधिकारियों, कर्मचारियों और बॉयलर विभाग के स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में पंडित अखिलेश तिवारी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना संपन्न कराई। मिल के उपाध्यक्ष सुधीर कुमार एवं महाप्रबंधक इंजीनियरिंग रविकांत मिश्रा मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने हवन में आहुतियां अर्पित कर मिल के आगामी पेराई सत्र के निर्विघ्न संचालन और सभी कर्मचारियों के सुख-समृद्ध जीवन की कामना की। बॉयलर पूजन के दौरान मिल के बॉयलर विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में अमित कुमार सिन्हा, योगेंद्र सिंह, विश्ववान त्रिपाठी, रविंद्र चौहान, शैलेश सिंह, नीरज राजपूत, करण सिंह, संजय कुमार, योगीराज, मोहम्मद असलम और शकीब सहित अन्य कर्मचारी शामिल हुए। इसके अलावा यूनियन पदाधिकारी मुरारीलाल और घनश्याम ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। चीनी मिल में बॉयलर पूजन को आगामी पेराई सत्र की तैयारियों का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। इस अवसर पर धार्मिक परंपराओं के निर्वहन के साथ मिल की मशीनरी के सुचारू संचालन और पेराई सत्र की सफल शुरूआत की कामना की गई।

कार्यक्रम के माध्यम से मिल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आगामी पेराई सत्र के लिए अपनी तैयारियों और सामूहिक सहयोग की भावना भी प्रदर्शित की।

जलभराव से त्रस्त लोगों का फूटा गुस्सा, सड़क पर उतरकर दिया धरना, जनप्रतिनिधियों के खिलाफ नारेबाजी

हनुमानपुरी, रामलीला टिल्ला और मिमलाना रोड पर हल्की बारिश में भर जाता है कई-कई फीट पानी, घरों में पानी घुसने से लोगों को भारी नुकसान, बोले मोहल्लेवासी—हर बार मिलता है आश्वासन, लेकिन सालों से समस्या जस की तस

मुजफ्फरनगर। शहर में जलभराव की समस्या से परेशान लोगों का गुस्सा अब सड़कों पर दिखाई देने लगा है। हनुमानपुरी क्षेत्र में जलभराव की समस्या को लेकर मोहल्लेवासियों ने धरना देकर अपना विरोध दर्ज कराया। लोगों का आरोप है कि हल्की बारिश होते ही हनुमानपुरी, रामलीला टिल्ला और मिमलाना रोड सहित आसपास के इलाकों में कई-कई फीट तक पानी भर जाता है। हालात ऐसे हो जाते हैं कि लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो जाता है और कई बार बारिश का पानी घरों में घुसने से घरेलू सामान को भी नुकसान पहुंचता है। वर्षों से चली आ रही इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने से स्थानीय लोगों में जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। मोहल्लेवासियों का कहना है कि क्षेत्र में जलभराव की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। बारिश का मौसम आते ही लोगों की परेशानियां बढ़ जाती हैं। थोड़ी सी बारिश होने पर ही सड़कें पानी से लबालब हो जाती हैं और कई स्थानों पर पानी कई-कई फीट तक भर जाता है। इसके चलते लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, जलभराव के कारण सबसे अधिक दिक्कत बच्चों, बुजुर्गों और रोजाना काम पर आने-जाने वाले लोगों को होती है। सड़क पर पानी भरा होने के कारण पैदल निकलना तक मुश्किल हो जाता है। दोपहिया वाहन चालकों को भी परेशानी झेलनी पड़ती है। लोगों का कहना है कि जब सामान्य बारिश में यह स्थिति बन जाती है, तो तेज बारिश के दौरान हालात और ज्यादा खराब हो जाते हैं। जलभराव का असर केवल सड़कों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि कई बार पानी घरों के अंदर तक पहुंच जाता है। इससे लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। घरों में रखा सामान खराब होने का डर बना रहता है और परिवारों को पानी निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ती है। मोहल्लेवासियों का कहना है कि बारिश के दौरान उन्हें अपने घरों और परिवारों की सुरक्षा की चिंता सताती रहती है। जलभराव के कारण रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित होती है। लोगों का सवाल है कि आखिर कब तक उन्हें इसी तरह की परेशानी झेलनी पड़ेगी और कब क्षेत्र में जलनिकासी की उचित व्यवस्था की जाएगी। स्थानीय लोगों के अनुसार, हनुमानपुरी, रामलीला टिल्ला और मिमलाना रोड के आसपास जलभराव की समस्या कोई नई नहीं है। कई वर्षों से लोग इस परेशानी का सामना कर रहे हैं। उनका आरोप है कि समस्या सामने आने पर जनप्रतिनिधि और जिम्मेदार लोग मौके पर पहुंचते हैं, लोगों की शिकायतें सुनते हैं और समाधान का आश्वासन देकर चले जाते हैं, लेकिन इसके बाद स्थिति में कोई स्थायी सुधार नहीं होता। बार-बार आश्वासन मिलने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ती गई। आखिरकार परेशान मोहल्लेवासियों ने सड़क पर उतरकर धरना दिया और जलभराव से निजात दिलाने की मांग उठाई। प्रदर्शन के माध्यम से लोगों ने स्पष्ट किया कि अब केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा, बल्कि समस्या का ठोस समाधान होना चाहिए। धरना दे रहे लोगों ने जलभराव की समस्या को लेकर जनप्रतिनिधियों के प्रति अपना आक्रोश जताया। उनका कहना है कि क्षेत्र की समस्याओं को दूर करना जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभागों की प्राथमिकता होनी चाहिए। जब हर साल बारिश के दौरान एक जैसी स्थिति बनती है, तो इसका स्थायी समाधान अब तक क्यों नहीं निकाला गया? मोहल्लेवासियों की मांग है कि क्षेत्र में जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त कराई जाए और उन स्थानों की पहचान की जाए,

जनगणना-2027 की तैयारियों में जुटा प्रशासन, हर चार्ज कार्यालय में बनेगी शिकायत पंजिका

एडीएम गंभीर सिंह ने समीक्षा बैठक में दिए निर्देश, जनगणना के प्रचार-प्रसार के लिए सरकारी और कूड़ा संग्रहण वाहनों से बजेंगे जागरूकता संदेश

मुजफ्फरनगर। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण यानी जनसंख्या की गणना की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन ने कवायद तेज कर दी है। जनगणना कार्य को सफल, सुचारू और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के साथ आमजन को जागरूक करने के लिए अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं जिला जनगणना अधिकारी गंभीर सिंह की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना के व्यापक प्रचार-प्रसार, स्व-गणना को प्रोत्साहित करने, शिकायतों के त्वरित निस्तारण और प्रगणकों व पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण की व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी उमेश मिश्रा के निदेर्शानुसार आयोजित बैठक में सभी उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों, अधिशासी अधिकारियों और संबंधित चार्ज अधिकारियों को जनगणना की तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूरी करने के निर्देश दिए गए। एडीएम गंभीर सिंह ने स्पष्ट किया कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। बैठक में जनगणना-2027 के व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर दिया गया। एडीएम ने सभी उप जिलाधिकारियों और चार्ज अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने कार्यालयों के साथ-साथ अधीनस्थ कार्यालयों में भी जनगणना से संबंधित पोस्टर, फ्लेक्स और अन्य प्रचार सामग्री अनिवार्य रूप से लगवाएं। इसका उद्देश्य कार्यालयों में आने वाले लोगों को जनगणना के महत्व और इससे जुड़ी प्रक्रिया की जानकारी देना है। इसके साथ ही शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता बढ़ाने के लिए सरकारी वाहनों तथा कूड़ा संग्रहण वाहनों के माध्यम से जनगणना संबंधी जिंगल्स और जागरूकता संदेशों का प्रसारण कराया जाएगा। प्रशासन का मानना है कि इस तरह अधिक से अधिक लोगों तक जनगणना से जुड़ी जानकारी पहुंचाई जा सकेगी और नागरिकों को इस महत्वपूर्ण कार्य में भागीदारी के लिए प्रेरित किया जा सकेगा। स्व-गणना के

प्रचार-प्रसार की समीक्षा करते हुए जिला जनगणना अधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी उप जिलाधिकारी और चार्ज अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों के प्रमुख एवं महत्वपूर्ण व्यक्तियों की सूची तैयार करें। इन व्यक्तियों से स्व-गणना कराने के साथ उनके माध्यम से आमजन को भी जनगणना के प्रति जागरूक किया जाएगा। इसके लिए प्रमुख व्यक्तियों के वीडियो संदेश प्रसारित कराने पर भी जोर दिया गया। प्रशासन की मंशा है कि समाज में प्रभाव रखने वाले लोगों की भागीदारी से जनगणना को लेकर जागरूकता बढ़े और अधिक से अधिक नागरिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल हों। अधिकारियों को इस दिशा में समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए गए। जनगणना के दौरान लोगों को आने वाली समस्याओं और शिकायतों के समयबद्ध समाधान के लिए भी महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए। एडीएम गंभीर सिंह ने कहा कि प्रत्येक चार्ज कार्यालय और जिला जनगणना सेल में शिकायत पंजिका तैयार की जाए, जिसमें जनगणना से संबंधित प्राप्त होने वाली शिकायतों को दर्ज किया जाएगा। इसके अलावा सभी चार्ज अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश दिए गए।

कंट्रोल रूम का मोबाइल नंबर अथवा टोल-फ्री नंबर आमजन के लिए जारी किया जाएगा, ताकि लोग जनगणना से संबंधित समस्याओं और शिकायतों की जानकारी संबंधित अधिकारियों तक पहुंचा सकें।।

उन्होंने स्पष्ट किया कि कंट्रोल रूम पर प्राप्त होने वाली प्रत्येक शिकायत को पंजिका में दर्ज करते हुए उसका तत्काल और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इससे जनगणना कार्य के दौरान उत्पन्न होने वाली समस्याओं का समय रहते समाधान किया जा सकेगा और प्रक्रिया को सुचारू बनाए रखने में मदद मिलेगी। बैठक में जनगणना कार्य में लगाए जाने वाले प्रगणकों और पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। एडीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रशिक्षण के लिए उपयुक्त स्थानों का चयन समय से कर लिया जाए, ताकि प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित समय पर आयोजित किए जा सकें।

प्लाट की नींव खोदने को लेकर विवाद, लोहे की बारी और लाठी-डंडों से हमला करने का आरोप

सड़क के किनारे से बचाकर खुदाई करने की बात कहने पर बिगड़ी बात, गाली-गलौज के बाद मारपीट का आरोप, मीरापुर थाने में पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मीरापुर। मीरापुर थाना क्षेत्र के गांव चुड़ियाला में प्लाट की नींव खोदने को लेकर विवाद होने का मामला सामने आया है। सड़क के किनारे से बचाकर नींव खोदने की बात कहने पर विवाद बढ़ने और गाली-गलौज के बाद मारपीट किए जाने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता चतर सिंह का आरोप है कि इसी बात को लेकर मौके पर पहुंचे पांच लोगों ने उनके साथ मारपीट की। हमले में उन्हें चोटें आईं। पीड़ित ने मामले की शिकायत मीरापुर थाने में देकर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जगबीर सहित पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। गांव चुड़ियाला निवासी चतर सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि चतर सिंह और देवि सिंह पुत्र स्वर्गीय लल्लू सिंह अपने प्लाट में नींव खोदने का काम कर रहे थे। इसी दौरान सड़क के किनारे से बचाकर नींव खोदने के लिए कहा गया। शिकायत के अनुसार, इस बात को लेकर विवाद हो गया और मामला कहासुनी तक पहुंच गया। चतर सिंह का आरोप है कि इसके बाद जगबीर पुत्र गंगाराम, मोहित, रोहित, अभिषेक और विवेक पुत्रगण जगबीर मौके पर आ गए। आरोप है कि इन लोगों ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और कथित तौर पर मारपीट की गई। लोहे की बारी और लाठी-डंडों से हमला करने का आरोप

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उनके साथ लोहे की बारी और लाठी-डंडों से मारपीट की गई, जिससे उन्हें चोटें आईं। पीड़ित के अनुसार, विवाद की शुरूआत प्लाट में नींव खोदने के दौरान सड़क के किनारे से बचकर खुदाई करने की बात कहने से हुई थी। इसके बाद कहासुनी बढ़ी और मारपीट की घटना हो गई। घटना के बाद चतर सिंह ने पुलिस से शिकायत कर आरोपितों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने और उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। शिकायत में पांच लोगों के नाम दर्ज कराए गए हैं।

पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

चतर सिंह की शिकायत के आधार पर मीरापुर पुलिस ने जगबीर, मोहित, रोहित, अभिषेक और विवेक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। शिकायत में सभी पर गाली-गलौज और मारपीट करने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने मामले को दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में लगाए गए आरोपों की जांच के बाद ही घटना की पूरी परिस्थितियां स्पष्ट हो सकेंगी। फिलहाल, शिकायतकर्ता की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर कानूनी कार्रवाई की गई है। गांव में प्लाट की नींव खोदने के दौरान शुरू हुआ यह विवाद अब पुलिस तक पहुंच गया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि सड़क के किनारे से बचाकर नींव खोदने की बात कहने के बाद विवाद बढ़ा और उनके साथ मारपीट की गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मीरापुर थाना क्षेत्र के चुड़ियाला गांव में हुई इस घटना में पुलिस ने शिकायत के आधार पर पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। अब जांच के दौरान घटना से जुड़े तथ्यों और आरोपों की पुष्टि की जाएगी।

26 अक्टूबर तक मोरना चीनी मिल चालू कराने की तैयारी, प्रशासक डॉ. वीरपाल निर्वाल ने किया निरीक्षण

पेराई सत्र से पहले व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश, किसानों को स्वच्छ पेयजल और बेहतर सुविधाएं देने पर जोर

मोरना आगामी गन्ना पेराई सत्र को लेकर मोरना स्थित दि गंगा किसान सहकारी चीनी मिल में तैयारियां तेज करने की कवायद शुरू हो गई है। किसानों को पेराई सत्र के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो और मिल का संचालन निर्धारित समय पर शुरू कराया जा सके, इसके लिए जिला पंचायत प्रशासक डॉ. वीरपाल निर्वाल ने सोमवार को भाजपा पदाधिकारियों के साथ मिल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मिल परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों को साफ-सफाई, सुरक्षा तथा किसानों को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आगामी पेराई सत्र को 26 अक्टूबर तक शुरू करने की तैयारी पर विशेष जोर दिया गया।

समय से मिल चालू कराने पर जोर

डॉ. वीरपाल निर्वाल ने मिल के प्रधान प्रबंधक वी. पी. पाण्डेय के साथ विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि पेराई सत्र शुरू होने से पहले सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं, ताकि मिल संचालन के दौरान किसी तरह की अव्यवस्था सामने न आए। मिल की मशीनों और परिसर से जुड़ी तैयारियों के साथ-साथ कर्मचारियों की जिम्मेदारियों पर भी ध्यान दिया जाए, जिससे निर्धारित समय पर पेराई कार्य शुरू हो सके। उन्होंने अधिकारियों से तैयारियों की स्थिति का जायजा लेते हुए निर्देश दिए कि कामकाज में लापरवाही न बरती जाए। पेराई सत्र समय पर शुरू होने से गन्ना लेकर आने वाले किसानों को भी अपनी उपज की आपूर्ति करने में सुविधा मिलेगी। इसी उद्देश्य से मिल प्रबंधन को सभी जरूरी कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरे करने को कहा गया।

स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान मिल परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। डॉ. निर्वाल ने कहा कि पेराई सत्र के दौरान मिल में किसानों, कर्मचारियों और अन्य लोगों की आवाजाही बढ़ जाती है। ऐसे में परिसर को स्वच्छ रखना और सुरक्षा के उचित इंतजाम करना बेहद जरूरी है।

उन्होंने कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर भी अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। मिल में काम करने वाले

कर्मचारियों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जाए और आवश्यक व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी की जाए। इसके साथ ही परिसर में जरूरत के अनुसार कीटनाशक का छिड़काव कराने को कहा गया, ताकि साफ-सफाई के साथ स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां भी बरती जा सकें।

किसानों को स्वच्छ पेयजल और जरूरी सुविधाएं मिलें

डॉ. वीरपाल निर्वाल ने स्पष्ट किया कि पेराई सत्र के दौरान मिल पहुंचने वाले किसानों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। किसानों के लिए स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही उन्हें आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। गन्ना आपूर्ति के लिए आने वाले किसानों को किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी न हो, इसके लिए मिल प्रबंधन को व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से किसानों के साथ दोस्ताना और सम्मानजनक व्यवहार करने को भी कहा। उनके अनुसार, किसान चीनी मिल व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उनके साथ बेहतर व्यवहार तथा सुविधाजनक व्यवस्था बनाए रखना मिल प्रबंधन की जिम्मेदारी है।

प्रधान प्रबंधक ने तैयारियां जल्द पूरी करने का दिया भरोसा

मिल के प्रधान प्रबंधक वी. पी. पाण्डेय ने प्रशासक को तैयारियों की जानकारी देते हुए भरोसा दिलाया कि आवश्यक कार्य जल्द पूरे कर लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि शासनादेश के अनुसार निर्धारित समय पर मिल चालू करने के लिए तैयारी की जा रही है। मिल प्रबंधन की ओर से पेराई सत्र से पहले जरूरी व्यवस्थाओं को पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान भाजपा पदाधिकारियों ने भी मिल से संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। आगामी पेराई सत्र को लेकर मिल प्रबंधन को समयबद्ध तैयारी करने और किसानों की सुविधाओं को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया।

भाजपा पदाधिकारी रहे मौजूद

निरीक्षण के दौरान भाजपा किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष ब्रजवीर सिंह, रामकुमार शर्मा, मंडल अध्यक्ष अरुण पाल, संजय कोरी, मनोज कुमार, महिपाल राठी, कंवरपाल सिंह और अनुज गोयल मौजूद रहे।

बुढाना में खाद्य सुरक्षा विभाग का बड़ा सर्जिकल स्ट्राइक: 7 लाख से अधिक का खाद्य तेल और फ्लेवरिंग एजेंट सीज

दो बड़े प्रतिष्ठानों पर अचानक छापेमारी से हड़कंप, 15 क्विंटल ऑयल और 11 लीटर फ्लेवरिंग एजेंट जब्त, 15 नमूने लैब भेजे गए

बुढाना (मुजफ्फरनगर)। आगामी नवरात्र और त्योहारों के सीजन को देखते हुए आमजन को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने सख्त रुख अपना लिया है। जिलाधिकारी के आदेश और खाद्य आयुक्त के निदेर्शों का अनुपालन करते हुए विभागीय टीम ने बुढ़ाना कस्बे में छापेमारी कर मिलावटखोरों के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। इस कार्रवाई के तहत करीब 7 लाख 5 हजार 450 रुपये मूल्य का 15 क्विंटल मल्टी सोर्स एडिबल ऑयल और 11 लीटर फ्लेवरिंग एजेंट सीज किया गया है।

बुढ़ाना के दो प्रतिष्ठानों पर मारा छापा, मची अफरा-तफरी

कार्रवाई की कमान सहायक आयुक्त खाद्य (द्वितीय) श्रीमती अर्चना धीरान और मुख्य खाद्य सुरक्षा

अधिकारी अक्षय प्रधान संभाल रहे थे। टीम ने तहसील बुढ़ाना के ईदगाह रोड स्थित 'पारसनाथ ऑयल मिल प्राइवेट लिमिटेड' पर अचानक दस्तक दी। अचानक हुई इस विभागीय जांच से क्षेत्र के खाद्य कारोबारियों में हड़कंप मच गया। टीम ने पारसनाथ ऑयल मिल से मल्टी सोर्स एडिबल ऑयल के विभिन्न पैक्स की गहनता से जांच की और मौके से 9 अलग-अलग नमूने संग्रहित किए।

रिद्धी ट्रेडिंग कंपनी से भी बरामद हुई संदिग्ध सामग्री

पारसनाथ ऑयल मिल में जांच पूरी करने के बाद विभागीय टीम ने खाद्य व्यवसायी प्रदीप जैन की एक अन्य फर्म 'रिद्धी ट्रेडिंग कंपनी' पर छापा मारा। यहाँ खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने कुकिंग मीडियम, फ्लेवरिंग एजेंट और पाम ऑयल के स्टॉक की जांच की। इस फर्म से टीम ने कुकिंग मीडियम के 2 नमूने, फ्लेवरिंग एजेंट के 3 नमूने और पाम ऑयल का 1 नमूना सीज कर अपने कब्जे में लिया।

रेलवे ट्रैक की मरम्मत से बदलेगा भारी वाहनों का रास्ता, मीरापुर से बिजनौर जाने पर रोक

12 अक्टूबर सुबह 6 बजे से 13 अक्टूबर रात 8 बजे तक लागू रहेगा रूट डायवर्जन, मेरठ-पौड़ी और पानीपत-खटीमा राजमार्ग से आने वाले भारी वाहन प्रभावित

मुजफ्फरनगर/बिजनौर। बिजनौर जिले के नगीना में रेलवे ट्रैक की मरम्मत का काम चलने के कारण भारी वाहनों की आवाजाही पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया गया है। इसके चलते यातायात पुलिस और प्रशासन ने रूट डायवर्जन लागू किया है। इस व्यवस्था का सीधा असर मेरठ-पौड़ी और पानीपत-खटीमा राजमार्ग से मीरापुर होते हुए बिजनौर जाने वाले भारी वाहनों पर पड़ेगा। इन वाहनों को निर्धारित अवधि में मीरापुर से बिजनौर की ओर जाने की अनुमति नहीं होगी और उन्हें वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करना पड़ेगा। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे यात्रा शुरू करने से पहले डायवर्जन की जानकारी कर लें, ताकि रास्ते में परेशानी और जाम की स्थिति से बचा जा सके।

12 अक्टूबर सुबह से 13 अक्टूबर रात तक रहेगा प्रतिबंध रेलवे ट्रैक पर मरम्मत कार्य को देखते हुए भारी वाहनों के लिए यह व्यवस्था 12 अक्टूबर सुबह छह बजे से लागू कर दी गई है। प्रतिबंध 13 अक्टूबर रात आठ बजे तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान मेरठ-पौड़ी और पानीपत-खटीमा राजमार्ग से मीरापुर के रास्ते बिजनौर की ओर जाने वाले भारी वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा। यातायात पुलिस के अनुसार, रेलवे ट्रैक पर मरम्मत कार्य के चलते यातायात को व्यवस्थित रखने के लिए यह कदम उठाया गया है। भारी वाहनों की आवाजाही प्रभावित होने से सड़क पर जाम की स्थिति न बने और मरम्मत कार्य के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे, इसके लिए वाहनों को वैकल्पिक रास्तों से भेजने की योजना बनाई गई है।

मीरापुर से बिजनौर जाने वाले वाहन चालक रखें ध्यान इस रूट डायवर्जन के कारण खास तौर पर उन वाहन चालकों को सावधानी बरतने की जरूरत है, जो मेरठ-पौड़ी या पानीपत-खटीमा राजमार्ग से मीरापुर होते हुए बिजनौर की ओर जाते हैं। निर्धारित अवधि में भारी वाहन इस मार्ग से आगे नहीं जा सकेंगे। ऐसे में वाहन चालकों को पुलिस द्वारा निर्धारित वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करना होगा। व्यापारिक सामान लेकर चलने वाले ट्रक और अन्य भारी वाहन चालकों को भी अपनी यात्रा की योजना इसी के अनुसार बनाने की सलाह दी गई है। पुलिस की अपील है कि प्रतिबंधित मार्ग पर पहुंचने के बाद वापस लौटने या रास्ता बदलने की परेशानी से बचने के लिए पहले ही वैकल्पिक मार्ग की जानकारी कर लें।

यातायात व्यवस्था को नियंत्रित रखने और वाहन चालकों को डायवर्जन के संबंध में जानकारी देने के लिए मोंटी तिराहे पर पुलिस बल तैनात किया गया है। इसके अलावा सुरक्षा और यातायात संचालन के लिए दो उपनिरीक्षकों की ड्यूटी भी लगाई गई है। पुलिसकर्मी निर्धारित व्यवस्था के अनुसार वाहनों की आवाजाही पर नजर रखेंगे और जरूरत पड़ने पर वाहन चालकों को वैकल्पिक रास्तों की जानकारी देंगे। इंस्पेक्टर इंद्रजीत सिंह ने बताया कि भारी वाहनों के लिए प्रतिबंध निर्धारित समय तक लागू रहेगा। उन्होंने वाहन चालकों से यातायात पुलिस के निदेर्शों का पालन करने और डायवर्जन व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की है। पुलिस और प्रशासन का उद्देश्य रेलवे ट्रैक की मरम्मत के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना है। यदि भारी वाहन प्रतिबंधित मार्ग पर पहुंचते हैं, तो उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ सकता है और सड़क पर वाहनों का दबाव भी बढ़ सकता है। इसलिए वाहन चालकों से कहा गया है कि वे निर्धारित वैकल्पिक रास्तों से ही आवागमन करें और मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों के निदेर्शों का पालन करें।

वाहन चालकों के लिए जरूरी सूचनाः भारी वाहनों के लिए मीरापुर से बिजनौर जाने वाले मार्ग पर प्रतिबंध 12 अक्टूबर सुबह 6 बजे से 13 अक्टूबर रात 8 बजे तक रहेगा।

मुजफ्फरनगर में दिल्ली कूच से पहले सांसद हरेंद्र मलिक समेत दर्जनों विपक्षी नेता नजरबंद:पूर्व सांसद कादिर राणा की पुलिस से तीखी नोकझोंक

मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल होने दिल्ली जा रहे थे विपक्षी नेता,पुलिस ने घेराबंदी कर नेताओं को घरों में रोका, गाड़ियों को रोक पैदल चलने पर हंगामा

मुजफ्फरनगर। दिल्ली में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आयोजित इंडिया गठबंधन के राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन में हिस्सा लेने जा रहे मुजफ्फरनगर के विपक्षी नेताओं के खिलाफ पुलिस ने सोमवार को बेहद सख्त रुख अपनाया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं स्थानीय सांसद हरेंद्र मलिक को उनके प्रेमपुरी स्थित आवास पर भारी पुलिस बल तैनात कर नजरबंद कर दिया गया। वहीं, मेरठ जा रहे सपा के पूर्व सांसद कादिर राणा को रास्ते में रोकने को लेकर पुलिस और उनके बीच सड़क पर तीखी झड़प देखने को मिली। वहीं सपा के राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा को उनके आवास पर रोके जाने की सूचना सामने आई। कांग्रेस सहित विपक्ष के 40 से ज्यादा नेताओं को भी दिल्ली जाने से रोकने की कार्रवाई के तहत नजरबंद किया गया है। सांसद हरेंद्र मलिक को दिल्ली रवाना होने से रोकने के लिए पुलिस प्रशासन ने उनके

प्रेमपुरी स्थित दोनों आवासों को सुबह से ही छावनी में तब्दील कर दिया था। आवास की घेराबंदी का नेतृत्व सीओ नई मंडी राजू कुमार साव, सीओ सदर सुनील कुमार सिंह, शहर कोतवाली प्रभारी बृजेश शर्मा और खालापार थाना प्रभारी विजय कुमार कर रहे थे। सांसद हरेंद्र मलिक ने पुलिस की इस कार्रवाई को लोकतंत्र और संवैधानिक अधिकारों पर हमला बताया। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने से रोकना लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ है और सरकार जनता की आवाज को दबाने की कोशिश कर रही है। पिछली बार चकमा देकर निकल गए थे सांसदः

पुलिस ने इस बार सांसद मलिक पर विशेष निगरानी रखी थी। उल्लेखनीय है कि बीते 8 सितंबर को सहारनपुर मस्जिद ध्वस्तीकरण मामले में नजरबंदी के बावजूद हरेंद्र मलिक पिछले दरवाजे से निकलकर सहारनपुर पहुंच गए थे। उस समय लापरवाही बरतने के आरोप में तत्कालीन एसएसपी संजय वर्मा ने दो दरोगाओं (नितिन कुमार, यशपाल सिंह) और चार कांस्टेबलों (नदीम, निशांत, दीपक, दिनेश) को निलंबित कर दिया था। इसी सबक के चलते इस बार पुलिस ने अत्यधिक सख्ती बरती।

पूर्व सांसद कादिर राणा, थाना प्रभारी पर हाथ पकड़ने का आरोप

इधर, मेरठ रोड पर पूर्व सांसद कादिर राणा का काफिला जब मेरठ के लिए निकला, तो खालापार थाना प्रभारी विजय कुमार ने पुलिस बल के साथ उन्हें वहलना चौक के पास रोक दिया। वाहनों को रोके जाने से नाराज कादिर राणा गाड़ी से उतरकर पैदल ही आगे बढ़ने लगे। पूर्व सांसद ने आरोप लगाया कि थाना प्रभारी ने उन्हें रोकने के लिए सार्वजनिक सड़क पर उनका हाथ पकड़ लिया, जिससे उनकी प्रतिष्ठा धूमिल हुई है। उन्होंने पुलिस से रोकने का लिखित आदेश या वारंट मांगा।

दिल्ली में कांग्रेस के प्रदर्शन से पहले मुजफ्फरनगर में कई नेता हाउस अरेस्ट

दिल्ली जाने की तैयारी कर रहे पूर्व महानगर अध्यक्ष को साथियों सहित आवास पर रोके जाने का आरोप, एक महीने में दूसरी बार नजरबंदी का दावा

मुजफ्फरनगर। दिल्ली में कांग्रेस के प्रस्तावित बड़े प्रदर्शन से पहले मुजफ्फरनगर में कांग्रेस नेताओं को हाउस अरेस्ट किए जाने का मामला सामने आया है। कांग्रेस के पूर्व महानगर अध्यक्ष अब्दुल्ला आरिफ ने आरोप लगाया कि उन्हें दिल्ली जाने से रोकने के लिए उनके आवास के बाहर से साथियों सहित हिरासत में लिया गया और बाद में घर पर ही नजरबंद कर दिया गया। उनके साथ युवा कांग्रेस के सचिव अमान उल हक, शाहवेज कुरैशी और मुनव्वर हुसैन को भी आवास पर रोके जाने की बात कही गई है। इसके अलावा जिले के कई अन्य कांग्रेस नेताओं को भी हाउस अरेस्ट किए जाने की जानकारी सामने आई है। कांग्रेस नेताओं ने इस कार्रवाई पर नाराजगी जताते हुए इसे उनके राजनीतिक कार्यक्रम में शामिल होने से रोकने का प्रयास बताया है। कांग्रेस नेताओं के मुताबिक, दिल्ली में होने वाले प्रदर्शन में शामिल होने के लिए जिले के कई पदाधिकारी जाने की तैयारी कर रहे थे। इसी बीच अब्दुल्ला आरिफ और उनके साथियों को उनके आवास पर रोक दिया गया। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि दिल्ली पहुंचकर प्रदर्शन में भाग लेने से रोकने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई।

अब्दुल्ला आरिफ ने दावा किया कि उन्हें एक महीने के भीतर दूसरी बार प्रशासन

की ओर से नजरबंद किया गया है। उनका कहना है कि दिल्ली में पार्टी के बड़े प्रदर्शन से पहले जिले के कई नेताओं को घरों पर रोक दिया गया, जिससे वे अपने राजनीतिक कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। इस घटनाक्रम के बाद कांग्रेस कार्यकताओं में नाराजगी का माहौल है। पूर्व महानगर अध्यक्ष अब्दुल्ला आरिफ ने कहा कि आज पूरा विपक्ष इस स्थिति का सामना कर रहा है और कांग्रेस कार्यकताओं पर अधिक दबाव बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है।

आरिफ ने कहा कि यह आवाज केवल कांग्रेस की नहीं, बल्कि देश के मुद्दों को उठाने वाली आवाज है। उन्होंने राहुल गांधी का उल्लेख करते हुए कहा कि वह इन मुद्दों पर आक्रामक और मुखर होकर अपनी बात रख रहे हैं। आरिफ के मुताबिक, लोकतंत्र में विपक्ष को अपनी बात रखने और विरोध दर्ज कराने का अधिकार मिलना चाहिए।

उन्होंने अपनी नजरबंदी को लेकर भी सवाल उठाए और कहा कि एक महीने के भीतर दूसरी बार उन्हें घर पर रोका जाना चिंता का विषय है। हालांकि, इस संबंध में प्रशासन की ओर से आधिकारिक पक्ष सामने आना बाकी है। अब्दुल्ला आरिफ के अनुसार, उनके साथ अमान उल हक, शाहवेज कुरैशी और मुनव्वर हुसैन को भी आवास पर नजरबंद किया गया। अमान उल हक को युवा कांग्रेस का सचिव बताया गया है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि वे दिल्ली में होने वाले प्रदर्शन में शामिल होने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन उन्हें घर से निकलने से रोक दिया गया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि इस तरह की कार्रवाई से राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने के उनके अधिकार प्रभावित होते हैं।

मुजफ्फरनगर के 5,863 बाढ़ प्रभावित किसानों को मिलेगा 3.79 करोड़ रुपये से अधिक का मुआवजा

तीन दिन में भुगतान पूरा करने का लक्ष्य, डीएम उमेश कुमार मिश्रा के सख्त निर्देश–पात्र किसान छूटा तो होगी जांच, बैंक खातों और अभिलेखों का होगा सत्यापन

मुजफ्फरनगर। बाढ़ से फसलों को हुए नुकसान के बाद आर्थिक राहत की उम्मीद लगाए बैठे किसानों के लिए जिला प्रशासन ने मुआवजा वितरण की प्रक्रिया तेज कर दी है। जनपद के 5,863 पात्र किसानों को कुल 3 करोड़ 79 लाख 84 हजार 691 रुपये की मुआवजा राशि उपलब्ध कराई जानी है। प्रशासन ने अगले तीन दिनों के भीतर किसानों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से धनराशि भेजने का लक्ष्य निर्धारित किया है। जिलाधिकारी उमेश कुमार मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मुआवजा वितरण में किसी भी पात्र किसान का नाम छूटना नहीं चाहिए। भुगतान से पहले लाभार्थियों के नाम, बैंक खातों और संबंधित अभिलेखों का सावधानीपूर्वक सत्यापन करने के साथ पूरी प्रक्रिया की निगरानी की जाएगी। बाढ़ आपदा के कारण फसलों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए जिला प्रशासन की ओर से पात्र किसानों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जा रही है। निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार, जनपद के 5,863 किसानों को कुल 3,79,84,691 रुपये का मुआवजा दिया जाना है। प्रशासन का प्रयास है कि तय समयसीमा में भुगतान की प्रक्रिया पूरी कर किसानों को राहत पहुंचाई जाए। इस संबंध में तहसील सदर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गंभीर सिंह ने मुआवजा वितरण की प्रक्रिया और कार्ययोजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संबंधित विभागों के बीच समन्वय बनाकर भुगतान की कार्रवाई आगे बढ़ाई जा रही है, ताकि किसानों को सहायता राशि उपलब्ध कराने में अनावश्यक देरी न हो। जिलाधिकारी उमेश कुमार मिश्रा ने मुआवजा वितरण को लेकर अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि लाभार्थियों की सूची और उपलब्ध अभिलेखों का बारीकी से मिलान किया जाए। किसानों के नाम, बैंक खाते तथा अन्य जरूरी विवरणों की जांच की जाए, जिससे किसी भी तरह की त्रुटि के कारण भुगतान अटकने की स्थिति पैदा न हो। डीएम ने यह भी कहा है कि यदि किसी

पात्र किसान का नाम सूची में छूट गया है या उसके अभिलेखों में कोई विसंगति सामने आती है, तो मामले की नियमानुसार तत्काल जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। भुगतान की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए और बैंकिंग, तकनीकी या दस्तावेज संबंधी समस्या का समयबद्ध समाधान कराया जाए। मुआवजा वितरण के दौरान पात्रता के साथ-साथ लाभार्थियों के विवरण का सही होना भी महत्वपूर्ण है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने बैंक खातों और अन्य अभिलेखों के सत्यापन पर जोर दिया है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि भुगतान प्रक्रिया में आने वाली बाधाओं को समय रहते दूर किया जाए। प्रशासन की योजना है कि सहायता राशि नियमानुसार पात्र किसानों तक पहुंचे। इसके लिए संबंधित अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में भुगतान की स्थिति पर नजर रखेंगे। किसी किसान का प्रकरण लंबित रहने या विवरण में गड़बड़ी मिलने पर उसका नियमानुसार निस्तारण कराया जाएगा।

अपर जिलाधिकारी गंभीर सिंह बोले–समयसीमा में पूरा करेंगे भुगतान

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गंभीर सिंह ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य निर्धारित समयसीमा के भीतर मुआवजा वितरण की प्रक्रिया पूरी करना है। इसके लिए संबंधित अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित किया गया है और भुगतान की प्रगति पर लगातार नजर रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि पात्र किसानों तक शासन की सहायता पहुंचाने के लिए जरूरी प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने स्तर पर सत्यापन और निगरानी सुनिश्चित करें, जिससे भुगतान में अनावश्यक देरी न हो।

प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों को राहत देना प्राथमिकता

बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसलों को नुकसान होने से किसानों की आमदनी प्रभावित होती है। ऐसे में समय पर आर्थिक सहायता मिलने से किसानों को नुकसान की भरपाई करने और आगे की कृषि गतिविधियों के लिए कुछ राहत मिल सकती है। जिला प्रशासन ने मुआवजा वितरण को पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के साथ पात्र लाभार्थियों की पहचान सुनिश्चित करने पर जोर दिया है। प्रशासन का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र किसान जानकारी के अभाव, सत्यापन में देरी या तकनीकी समस्या के कारण सहायता से वंचित न रहे।

बिना पानी के ऐसे करें सफाई

इस मौसम में घर का काम करना सबसे ज्यादा मुश्किल लगता है। पानी वाले काम और साफ-सफाई करना किसी चैलेंज से कम नहीं होता। अगर आपको भी इस मौसम में घर की सफाई करने में दिक्कत आती है, तो आज हम आपको ऐसे आसान हैक्स के बारे में बताएंगे, जिनकी मदद से आप बिना पानी को हाथ लगाए ही घर की सफाई चुटकियों में कर सकते हैं।

डंडे वाले मोप से करें सफाई

अगर आप ठंडे पानी में हाथ डालकर पोछा नहीं लगाना चाहती हैं, तो डंडे वाले मोप से पूरे घर की सफाई करें। इससे आप बिना पानी को छुए ही घर को चकाचक कर सकती हैं। इस पानी में कोई भी होममेड क्लीनर मिलाकर सफाई करें। इससे फर्श के दाग भी साफ हो जाएंगे।

बेबी वाइप्स आएंगी काम

बेबी वाइप्स छोटी-मोटी गंदगी को साफ करने के लिए बहुत उपयोगी होते हैं। आप इनका इस्तेमाल टेबल, स्विच बोर्ड या अन्य छोटी सतहों को साफ करने के लिए कर सकते हैं। इसकी मदद से आप पानी वाले कई काम बिना किसी परेशानी के कर सकती हैं।

वैक्यूम क्लीनर

जिन लोगों को पानी से सफाई करने में डर लगता है और झुककर पोंछा लगाने में कमर दर्द की शिकायत होती है, उन्हें वैक्यूम क्लीनर से सफाई करनी चाहिए। ये घर की सफाई का सबसे आसान तरीका है। इससे आप मिनटों में घर के पर्दे, सोफा और फर्श साफ कर पाएंगी।

पानी गरम करें

अगर आपको मजबूरन पानी से सफाई करनी पड़ रही है, तो इस कंडीशन नें आप गरम पानी में नींबू के इस्तेमाल किए हुए छिलकों को मिलाकर उनकी मदद से सफाई कर सकती हैं। इससे आपको काफी कंफर्ट मिलेगा।

माइक्रोफाइबर कपड़ा

माइक्रोफाइबर कपड़े धूल और गंदगी को बेहद आसानी से सोख लेते हैं। इन्हें पानी में भिगोने की जरूरत नहीं होती। बस इन कपड़ों से फर्नीचर, टेबल, खिड़कियां और घर की कई चीजों को आप डीप क्लीन कर सकती हैं। ये न केवल धूल हटाते हैं बल्कि उससे हर चीज बहुत अच्छे से चमक जाती है।

क्या आप भी आईवीएफ ट्रीटमेंट करवाने की सोच रहे हैं....

आईवीएफ ट्रीटमेंट का सक्सेसफुल होना कई बातों पर निर्भर करता है और इससे पहले कपल्स को कई बातों का ध्यान रखना भी जरूरी है। आईवीएफ ट्रीटमेंट में महिला के एग और पुरुष के स्पर्म को एक साथ मिलाकर लैब में फर्टिलाइज किया जाता है और इसके मैच्योर होने पर इसे महिला के गर्भाशय में इंप्लांट कर दिया जाता है। अगर आप भी आईवीएफ ट्रीटमेंट करवाने की सोच रहे हैं जो इससे पहले यह जान लें कि आईवीएफ से पहले कपल्स को क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए।

सबसे पहले प्रक्रिया को समझें

आईवीफए ट्रीटमेंट शुरू करवाने से पहले आप इसकी प्रक्रिया को समझ लें वरना प्रोसेस के दौरान मन में बैठे सवालों से आपका मन बेचैन हो सकता है या आपको डर लग सकता है। आईवीएफ की एक साइकिल पूरी होने में दो हफ्ते लगते हैं। इस प्रोसेस के लिए आपके शरीर में हार्मोंस की मात्रा ठीक होनी चाहिए। दुखी होने पर, एंग्जायटी होने और चिंता में रहने पर आईवीफए ट्रीटमेंट लेने का फैसला न लें।

निर्देशों का पालन करें

आईवीएफ ट्रीटमेंट लेने के दौरान खानपान, एक्सरसाइज, नींद और दवाओं को लेकर डॉक्टर द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करें। आईवीएफ ट्रीटमेंट के लिए जरूरी सभी दवाओं का समय पर सेवन करना जरूरी है। यह ट्रीटमेंट महंगी होती है इसलिए फाइनेंशियली तौर पर इसके लिए तैयार रहें। आप चाहें तो इंश्योरेंस पॉलिसी भी ले सकते हैं।

स्ट्रेस से बिलकुल दूर रहें

नैचुरली कंसीव न कर पाने पर तनाव होना स्वाभाविक है। मां न बन पाने पर महिलाओं को स्ट्रेस घेर लेता है जिसका असर उनकी सेहत के साथ-साथ फर्टिलिटी पर भी पड़ता है। आईवीएफ लेने से पहले और इसके दौरान, हर तरह के तनाव से दूर रहने की कोशिश करें। ऐसा सोचें कि खुश रहकर आप ट्रीटमेंट के सफल होने के चांसेस को बढ़ा सकती हैं और शिशु को भी स्वस्थ रख सकती हैं। तनाव से दूर रहने के लिए मेडिटेशन करें, गाने सुनें और अपनी पसंद का काम करें।

क्या न करें

ट्रीटमेंट को सफल बनाने के लिए धूम्रपान, शराब और ड्रग्स आदि न लें। इस तरह आप आईवीएफ ट्रीटमेंट के सक्सेस रेट को बढ़ा सकती हैं। महिलाओं को प्रेग्नेंसी में या ट्रीटमेंट के दौरान अपनी इच्छाओं को नहीं मारना है। फिट रहें, संतुलित आहार लें और जरूरी विटामिन लेना न भूलें। इसके अलावा डॉक्टर की सलाह को हल्के में न लें। डॉक्टर की मदद और सलाह के बिना आईवीएफ ट्रीटमेंट को सफल नहीं बनाया जा सकता है इसलिए इस पर ध्यान दें।

सही आईवीएफ सेंटर चुनें

आईवीएफ ट्रीटमेंट लेने में सबसे ज्यादा जरूरी है कि आप एक सही आईवीएफ सेंटर का चुनाव करें। किसी भी फर्टिलिटी सेंटर में जाने से पहले उसके बारे में अच्छे से पता कर लें। जान लें कि उस सेंटर में क्या सुविधाएं मिलती हैं और वहां पर ट्रीटमेट का सक्सेस रेट क्या है। इसके अलावा सेंटर का स्टाफ भी अच्छा होना चाहिए ताकि आपको ट्रीटमेंट के दौरान कोई दिक्कत न हो।

घर की सफाई के लिए अपनाएं ये सीक्रेट हैक्स, बिना ज्यादा मेहनत के घर लग सकता है खूबसूरत

घर की सफाई करने में अक्सर हमें आलस आता है। ऐसे में घर को साफ करने के लिए, आप इन सीक्रेट हैक्स को अपना सकती हैं। इससे टाइम भी बचेगा और आपको ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पड़ेगी।

हम सभी अपने घर को साफ-सुथरा रखना चाहते हैं। घर को साफ और सलीके से रखने के लिए, मेहनत भी करते हैं। फर्श साफ करना हो, घर की चीजों को करीने से लगाना हो, सामान को जगह पर रखना है या घर के हर कोने को सजाना, अपने आशियाने को खूबसूरत बनाने में हम कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। लेकिन, आलस की वजह से घर की सफाई करना हमें किसी बड़े टास्क से कम नहीं लगता है। ऐसे में हम घर की सफाई के लिए आसान हैक्स ढूंढते हैं, जिनमें पानी में हाथ भी न डालना पड़े और ज्यादा मेहनत भी न लगे। यहां हम आपको कुछ ऐसे ही आसान हैक्स के बारे में बता रहे हैं, जिनकी मदद से बिना ज्यादा मेहनत के आपका घर खूबसूरत लग सकता है।

कम मेहनत में घर की सफाई के आसान हैक्स

- सेंटर टेबल, डाइनिंग टेबल, रैक्स या अन्य हिस्सों की सफाई करते वक्त, हाथ में सिलिकॉन ग्लब्स पहन सकती हैं। क्लीनर को एक बॉटल में लेकर स्प्रे करें। अगर आप पानी से साफ कर रही हैं, तो इसे भी स्प्रे बोतल में डाल लें।
- हाथो में सिलिकॉन ग्लब्स पहनकर घर के इन हिस्सों को साफ करें। इससे आपके हाथ गीले नहीं होंगे और सफाई भी आसानी से हो जाएगी।
- फर्श को साफ करने के लिए, आप पोंछा लगाने के बजाय वैक्यूम क्लीनर का इस्तेमाल कर सकती हैं।
- पानी से साफ-सफाई करना ठंड में ज्यादा मुश्किल होता है। ऐसे में पहले साफ कपड़े से डस्टिंग करें। जहां धूल ज्यादा लगे या जहां सूखे कपड़े से साफ न हो, वहीं गीले कपड़े का इस्तेमाल करें।
- पानी से होने वाली सफाई को हफ्ते में 1-2 बार दोपहर में करने की कोशिश करें। अगर आप वर्किंग हैं, तो छुट्टी वाले दिन ऐसा कर सकती हैं।
- सोफे और सिटिंग एरिया को अच्छे से साफ करें। इसे करने में वक्त और मेहनत कम लगती हैं लेकिन कोई भी मेहमान जब घर आता है, तो सबसे पहल इसी हिस्से को नोटिस करता है। इसलिए, इसे क्लीन करना बहुत जरूरी है।
- सोफ के कुशन, टेबल और सिटिंग एरिया के आस-पास ज्यादा सामान न रखें ताकि इसे साफ करने में दिक्कत न आए। इसे कोजी और कम्फर्टिंग बनाने की कोशिश करें। इसके लिए आप हैवी कुशन्स, कालीन और कुछ ऐसे बड़े डेकोरेटिव आइटम्स रखें जिन्हें साफ करना भी आसान हो।
- सफाई करने के लिए सिंथेटिक क्लीनर का उपयोग करें। इससे घर जल्दी और आसानी से साफ होता है।

शॉपिंग करते समय ऐसे पहचानें असली और नकली फैब्रिक

कपड़ों का रंग, डिजाइन और स्टाइल पसंद आते ही लोग उसे खरीद लेते हैं, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती होती है, कपड़े की क्वालिटी को पहचानना। अगर कपड़े खरीदते समय फैब्रिक की सही पहचान न हो, तो पैसा खर्च करने के बावजूद मनचाहा लुक नहीं मिल पाता है। कई बार कपड़ा देखने में तो अच?छा लगता है, लेकिन कुछ ही दिनों में उसकी क?वालिटी सामने आ जाती है। इसलिए, शॉपिंग के दौरान सिर्फ कलर और डिजाइन ही नहीं, बल्कि कपड़े की क्वालिटी परखना भी बेहद जरूरी है। आज हम आपको कुछ आसान टिप्स बताएंगे, जिनकी मदद से आप आसानी से पहचान सकती हैं कि कपड़ा असली है या नकली।

शॉपिंग के दौरान इन 3 तरीके से पहचानें असली-नकली फैब्रिक

अगर आप भी कपड़े खरीदते समय फैब्रिक की किस्म को लेकर उलझन में रहती हैं, तो परेशान होने के बजाय कुछ आसान तरीके आजमाकर असली और नकली कपड़े की पहचान कर सकती हैं।

कपड़ों को छूकर करें परख

कपड़ों की खरीदारी के वक्त अक्सर महिलाएं रंग, डिजाइन और स्टाइल देखते ही तुरंत खरीदारी कर लेती हैं, ,। लेकिन बाद में कपड़े को एक बार धोने के बाद जब उसकी चमक या धागे खराब होने लगते हैं, तो पछतावा होता है। ऐसे में सबसे जरूरी है कपड़े की परख करना। इसे चेक करने के लिए आप सबसे पहले कपड़ों को छूकर देख सकती हैं:

- **सूती और लिनेन:** सूती और लिनेन का कपड़ा छूने में हल्का-सा खुरदरा होता है।
- **सिंथेटिक:** सिंथेटिक कपड़ा छूने में ज्यादा चिकना और प्लास्टिक महसूस होता है।
- **असली रेशम:** असली रेशम को पहचानने के लिए इसे अपनी हथेली के बीच रखकर रगड़ें। ऐसा करने पर आपको हल्की गर्माहट महसूस होगी।

मुट्ठी से करें असली और नकली फैब्रिक की पहचान

कुछ लोग बाजार में असली सूती, रेशमी या लिनेन बोलकर नकली कपड़ा बेच देते हैं और हम बिना परखे उन्हें खरीद लेते हैं। ऐसे कपड़े कुछ धुलाई के बाद अपनी चमक खो देते हैं या सिकुड़ जाते हैं। कपड़े की परख करने के लिए आप यह तरीका आजमाएं:

- कपड़े को अपनी मुट्ठी में कुछ सेकेंड तक कसकर दबाएं, फिर छोड़ दें। यदि कपड़े पर गहरी सिलवटें पड़ जाएं और वे लंबे समय तक बनी रहें, तो यह सूती या लिनेन जैसे नेचुरल फैब्रिक हो सकते हैं।
- अगर ऐसा करने के बाद कपड़ा तुरंत अपनी मूल अवस्था में आ जाए और सिलवटें लगभग न दिखें, तो इसमें सिंथेटिक फाइबर की मात्रा ज्यादा हो सकती है।

रोशनी की मदद से जांचें

कपड़े की बुनाई जानने के लिए भी आप एक खास तरीका अपना सकती हैं:

- कपड़ा पतला है या हल्की किस्म का? इसका पता लगाने के लिए कपड़े को किसी बल्ब, ट्यूबलाइट या धूप के ठीक सामने रखें।
- अगर कपड़े की बुनाई ढीली है या रोशनी इसके आर-पार बहुत आसानी से निकलकर आ रही है, तो इसका मतलब है कि धागे की बुनाई हल्की है। ऐसे कपड़े जल्दी फट जाते हैं और लंबे समय तक नहीं चलते।

कपड़े खरीदते समय न करें ये 4 गलतियां

- सिर्फ रंग पसंद आ गया, इसलिए कपड़ा न खरीदें, इसकी मजबूती भी जरूर देखें।
- कपड़े को परखे बिना सिर्फ सुंदर छपाई देखकर लेना बड़ी गलती हो सकती है।
- कपड़े के अंदर लगे टैग पर दी गई जानकारी जरूर पढ़ें।
- कपड़े को हल्के हाथों से खींचकर देखें कि सिलाई या धागे निकल तो नहीं रहे हैं।

घर की साफ सफाई करते वक्त खानपान का भी रखें ध्यान

सफ़ाई सुकून ज़रूर देती है लेकिन बहुत मेहनत व ध्यान मांगती है, जो थका देती है। इसीलिए शरीर को चाहिए भरपूर ऊर्जा और ताक़त। लेकिन हम हमेशा काम के बीच समय पर नहीं खा पाते या फिर भूल जाते हैं। अक्सर लोगों को घर की साफ़-सफ़ाई करने के बाद बहुत थकान, सिर दर्द और कमज़ोरी महसूस होने लगती है। समय पर खाते नहीं हैं तो सबसे बड़ा व पहला असर होता है एसिडिटी। इसके अलावा, समय पर खाना ना खाने पर शरीर का मेटाबॉलिज़्म धीमा हो जाता है, जिससे भारीपन लगता है।

सुबह का नाश्ता ज़रूर करें

सुबह का नाश्ता शरीर को पूरे दिन ऊर्जावान बनाए रखने में मदद करता है। इसमें आप पौष्टिक आहार लें, जैसे उपमा, पोहा या ओट्स बनाकर खा सकते हैं। भीगे हुए काले चनों को छौंककर भी खा सकते हैं जो कि एक अच्छा पौष्टिक आहार है। पकौड़े, सैंडविच जैसे भारी और तले हुए नाश्ते से बचें।

थोड़ा-थोड़ा खाते रहें

बादाम प्रोटीन और स्वस्थ वसा सहित कई आवश्यक पोषक तत्वों का एक प्राकृतिक स्रोत है। रात को 4-5 बादाम भिगो दें और सुबह छीलकर दूध के साथ अच्छी तरह से चबाकर खाएं। एक मुट्ठी मूंगफली काम के दौरान बीच-बीच में खाते रहें। गुड़ के साथ एक मुट्ठी मूंगफली दिन में एक बार ले सकते हैं। काम से विराम लेते हुए भुने हुए मखाने खा सकते हैं। तीन समय का आहार ज़रूर लें, लेकिन आवश्यकता से अधिक खाने से भी बचें क्योंकि इससे आलस आएगा और काम वहीं रुक जाएगा। खाना हल्का हो तो बेहतर है।

तरल बहुत ज़रूरी है

काम के दौरान शरीर को हाइड्रेटेड रखना बहुत ज़रूरी है। आप जहां भी काम कर रहे हैं वहां साथ में एक बोतल पानी ज़रूर रखें। पानी में आधे नींबू का रस, एक चुटकी नमक और एक चम्मच शक्कर मिलाकर घूंट-घूंट पीते रहने से ताज़गी बनी रहेगी और सिर दर्द भी नहीं होगा। यह एक तरह का एनर्जी ड्रिंक है, जो ऊर्जा बनाए रखने में मदद करेगा। इसी तरह फलों के रस और सब्ज़ियों से कई तरह के एनर्जी ड्रिंक तैयार कर सकते हैं।

ग़लत खाने से बचें

कुछ लोग काम करने के एक दिन पहले थोड़ा ज़्यादा खाना बना लेते हैं ताकि अगले दिन वही खा सकें और सारा ध्यान घर की साफ़-सफ़ाई पर लगा सकें। लेकिन बासी भोजन आपको बीमार कर सकता है। पेट दर्द, फूड पॉइज़निंग आदि समस्याएं बासी भोजन से हो सकती हैं। इसलिए भले आप खिचड़ी या रोटी-चटनी बना लें, लेकिन खाना ताज़ा ही होना चाहिए। साथ ही, खाना घर का बना ही खाएं।

काम थोड़ा आसान होगा

खाने के बाद काफ़ी बर्तन सिंक में इकट्ठे हो जाते हैं। अब घर की सफ़ाई करें या बर्तन धोएं, यह भी तो एक समस्या है। इसलिए खाना ऐसा बनाएं जिसे पकाने के लिए कम से कम बर्तनों का इस्तेमाल हो, जैसे कि वन पॉट रेसिपी आज़मा सकते हैं। वहीं, डिस्पोज़ेबल प्लेट और कटोरी का उपयोग कर सकते हैं जिस पर खाना खाकर बर्तन धोने की झंझट से बच सकेंगे। चम्मच और गिलास भी डिस्पोज़ेबल रख सकते हैं।

स्वच्छता का ध्यान रखें

घर की सफ़ाई के दौरान हमारे हाथ धूल से भर जाते हैं। नाखूनों में भी गंदगी समा जाती है। कुछ खाने के लिए भले आप हाथों को अच्छी तरह से धो लें, परंतु फिर भी हाथों से कुछ खाने की इच्छा नहीं होती। इसीलिए, बेहतर होगा कि आप हाथ के बजाय चम्मच से खाएं।

आईएचजीएफ दिल्ली फेयर-ऑटम 2026

भारत के सर्वश्रेष्ठ हस्तनिर्मित उत्पादों को अपने व्यापक सुपर संस्करण में पेश करेगा

नोएडा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित और प्रसिद्ध व्यापार मंच के तौर पर स्थापित आईएचजीएफ दिल्ली फेयर- ऑटम 2026 अपने 62वें संस्करण के लिए तैयार है। यह आयोजन 13 से 17 अक्टूबर 2026 तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में होगा। हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) द्वारा आयोजित और इंडिया एक्सपोज़िशन मार्ट लिमिटेड (आईईएमएल) में आयोजित यह मेला भारत की विविध शिल्प कला, डिज़ाइन क्षमता और उत्पाद नवाचार को एक वैश्विक सोर्सिंग मंच पर एक साथ लाता है। हर संस्करण के साथ प्रदर्शकों, खरीदारों और उद्योग हितधारकों की बदलती अपेक्षाओं के अनुरूप लगातार विकसित होता, यह मेला एक प्रगतिशील और भविष्य के लिए तैयार व्यापार मंच के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत करता है। उत्पादों और डिज़ाइनों के शानदार संगम के माध्यम से, यह विभिन्न लाइफ स्टाइल और लिविंग स्पेस के अनुरूप विस्तृत उत्पाद विकल्प प्रस्तुत करता है, साथ ही सस्टेनेबल जीवनशैली के लिए अनेक संभावनाएं भी उत्पन्न करता है। होम, लाइफस्टाइल, फैशन, फर्निशिंग, फर्नीचर और इंटीरियर इसके प्रमुख वर्ग हैं। यह संस्करण 17 हॉलों में फैला है और इसमें 16 प्रमुख उत्पाद विभाग शामिल हैं, जिनमें होम डेकोर एंड एक्सेंट्स; होम फर्निशिंग, कालीन एवं रग; टेक्सटाइल एवं लिनन; गिफ्ट्स एवं प्रीमियम; इंटीरियर; फर्नीचर; फैशन ज्वेलरी; बैग एवं एक्सेसरीज़; लैंप एवं लाइटिंग एक्सेसरीज़; आउटडोर एवं गार्डन; अरोमा, स्पा एवं लाइफस्टाइल; क्रिसमस एवं फेस्टिव डेकोर; किचन एवं डिनरवेयर; बाथरूम एक्सेसरीज़; केन, बांस, कागज एवं पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद तथा खिलौने एवं एक्सेसरीज़ शामिल हैं।

इस अवसर पर ईपीसीएच के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने कहा, 'पिछले तीन दशकों में आईएचजीएफ दिल्ली मेला वैश्विक खरीदारों और भारतीय निर्यातकों के लिए एक विश्वसनीय सोर्सिंग मंच बन चुका है। दुनिया भर से गुणवत्ता चाहने वाले खरीदारों के महत्वपूर्ण आगमन के साथ, हमारे प्रदर्शक इस संस्करण को भारतीय हस्तशिल्प क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जैसे ही हम एक और सोर्सिंग सीज़न में प्रवेश कर रहे हैं, हम अंतरराष्ट्रीय खरीदारों और भारत के हस्तशिल्प निर्यातकों के बीच सार्थक व्यापारिक नेटवर्किंग तथा उत्पादक मैचमेकिंग की उम्मीद करते हैं। साथ ही हमें उम्मीद है कि असंख्य कारीगर, जिनके प्रतिभाशाली हाथ और कला इस जीवंत क्षेत्र को संभाले हुए हैं, इस मौके का लाभ उठा सकेंगे।'

ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने कहा, '1994 में अपनी शुरुआत से ही आईएचजीएफ दिल्ली फेयर विश्व के सबसे व्यवहारिक और प्रासंगिक बाजारों में से एक बना रहा है। साथ ही यह वैश्विक खरीदारों का पसंदीदा गंतव्य बन गया है। तीन दशकों से इसने भारत की असाधारण शिल्प कला और बढ़ती क्षमताओं को बढ़ावा दिया है, जिससे निर्माताओं, निर्यातकों और कारीगरों के लिए सार्थक व्यापारिक अवसर पैदा हुए हैं। यह संस्करण भारत के सर्वश्रेष्ठ शिल्प, डिज़ाइन-आधारित संग्रह और नए उद्यमों के समृद्ध प्रदर्शन के साथ उस विरासत को आगे बढ़ाता है, जिससे खरीदारों और आपूर्तिकर्ताओं को विकास एवं सहयोग के नए अवसर खोलने के लिए एक साथ लाया जाता है।'

ईपीसीएच के उपाध्यक्ष सागर मेहता ने कहा, 'एक इमर्सिव सोर्सिंग और नेटवर्किंग अनुभव के रूप में डिज़ाइन किए गए इस संस्करण में कई खूबियां शामिल हैं, जिनमें प्रमुख निर्माण क्लस्टरों से डेकोर-यूटिलिटी और फर्निशिंग संग्रह, इनोवेटिव उत्पाद विकास का मजबूत प्रदर्शन और उभरते स्टार्टअप्स की नई पेशकश शामिल हैं। आगंतुकों के लिए एक समृद्ध और आकर्षक सोर्सिंग अनुभव तैयार है, जिसमें पूर्वोत्तर और देश के अन्य हिस्सों से कारीगरों की भागीदारी की विशेष थीम-आधारित प्रस्तुतियों वाले क्षेत्रीय प्रदर्शन शामिल हैं। मेले में ट्रेंड बूथ और देशभर के चयनित हैंडलूम बुनकरों तथा हस्तशिल्प आर्टिजनप्रेन्योर्स के चयनित संग्रह भी होंगे, जिन्हें हस्तशिल्प विकास आयुक्त (हैंडलूम एवं हस्तशिल्प) कार्यालय द्वारा भेजा गया है। यंग डिज़ाइनर्स कलेक्टिव भारत के प्रमुख डिज़ाइन संस्थानों में आधार बनाने के बाद अपने-अपने क्षेत्रों में स्थापित प्रतिभा रखने वाले डिज़ाइनरों को एक साथ लाता है।'

नोएडा में वायु प्रदूषण नियंत्रण को लेकर जागरूकता कार्यशाला आयोजित

नोएडा। वायु प्रदूषण पर नियंत्रण एवं औद्योगिक इकाइयों में पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय नोएडा द्वारा सोमवार को औद्योगिक इकाइयों एवं वृहद प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों के लिए जनजागरूकता एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन सेक्टर-4, नोएडा स्थित मैसर्स यूफ्लेक्स लिमिटेड के कॉन्फ्रेंस हॉल में किया गया।

यह कार्यशाला वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में आयोजित की गई। इसमें नोएडा क्षेत्र में संचालित विभिन्न उद्योगों एवं वृहद प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला के दौरान औद्योगिक प्रयोजनों में प्रयोग किए जाने वाले अनुमोदित ईंधन (अप्रूव्ड फ्यूल), ईआरपी-3, सीएक्यूएम द्वारा 5 अक्टूबर 2026 को जारी निर्देशों तथा उद्योगों में लाइव स्ट्रीमिंग के लिए पीटीजेड कैमरे स्थापित किए जाने संबंधी प्रावधानों पर विस्तार से जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त, उद्योगों में स्थापित डीजल जनरेटर (डीजी) सेट के संचालन के लिए सीएक्यूएम एवं केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन पर भी चर्चा की गई।

कार्यशाला में क्षेत्रीय अधिकारी श्री ऋतेश कुमार तिवारी, सहायक पर्यावरण अभियंता किशन सिंह एवं चन्द्र शेखर, चूडामणि निम्बार्क तथा पर्यावरणविद् डॉ. अनुराधा ने उद्योगों के प्रतिनिधियों को संबंधित दिशा-निर्देशों की जानकारी दी। अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने औद्योगिक इकाइयों में निर्धारित पर्यावरणीय मानकों का पालन करने तथा वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए जारी निर्देशों को प्रभावी ढंग से लागू करने के महत्व पर प्रकाश डाला।

इस दौरान प्रतिभागियों को निर्देशों के अनुपालन की प्रक्रिया समझाई गई और संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यशाला का उद्देश्य औद्योगिक इकाइयों में पर्यावरणीय नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा वायु प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों को प्रभावी बनाना रहा।

रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली ओखला सिटी और आरडब्ल्यूए सेक्टर-105 ने पेश की आत्मीयता व हरित संकल्प की मिसाल

नोएडा। कड़कड़ाती धूप हो, कड़ाके की सर्दी या फिर अमावस की स्याह रातें... जब पूरा सेक्टर-105 सुकून की नींद सो रहा होता है, तब हमारी सलामती और सुरक्षा के लिए मुस्कुराते हुए मुस्तैद रहने वाले हमारे निष्ठावान प्रहरियों के चेहरों पर जब एक आत्मीय मुस्कान खिली, तो पूरे सेक्टर का दिल गर्व, कृतज्ञता और आदर से भर उठा।

रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली ओखला सिटी एवं रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) सेक्टर-105 के संयुक्त तत्वावधान में कम्युनिटी सेंटर में एक बेहद भावुक, गरिमामय एवं भव्य समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सेक्टर की सुरक्षा, स्वच्छता और सुचारू व्यवस्था में दिन-रात निस्वार्थ सेवा देने वाले 34 सुरक्षाकर्मियों, आरडब्ल्यूए कर्मचारियों एवं पुलिस चौकी के मुस्तैद जवानों को सम्मानित किया गया। उनके प्रति आभार प्रकट करते हुए उन्हें इको-फ्रेंडली जूट बैग एवं इंसुलेटेड स्टील वाटर बोतल उपहार स्वरूप भेंट की गी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली ओखला सिटी के अध्यक्ष रोटेरियन विकास सिंघल, आरडब्ल्यूए सेक्टर-105 के अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय एवं पुलिस चौकी इंचार्ज श्री आलोक कुमार वर्मा ने इन सच्चे कर्मयोगियों का नमन करते हुए इस पावन हरित मुहिम का शुभारंभ किया।

जूट बैग पर अंकित प्रेरणादायी संदेश 'Create Lasting Impact' (एक स्थायी प्रभाव छोड़ें) केवल एक पंक्ति नहीं, बल्कि सिंगल-यूज़ प्लास्टिक को हमेशा के लिए त्यागकर अपनी वसुंधरा को हरा-भरा बनाने का एक अटूट संकल्प बनकर हर उपस्थित निवासी के दिल में उतर गया।

इस ऐतिहासिक और दिल को छू लेने वाले आयोजन को सफलता के शिखर तक पहुँचाने में आरडब्ल्यूए अध्यक्ष श्री दिव्य कृष्णात्रेय, उपाध्यक्ष श्रीमती रानी गौतम, महासचिव श्री राजीव दुबलिश, कोषाध्यक्ष एवं रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन सुरेश बंसल, संयुक्त सचिव श्री अनिल भदौरिया तथा कार्यकारिणी समिति सदस्य श्री उमेश माथुर, श्री महेश चौहान, श्री नवीन पालीवाल, श्रीमती पूजा शर्मा और श्री विनय सचदेवा का विशेष योगदान व अटूट समर्पण रहा।

गुर्जर स्वाभिमान रैली को लेकर शामली में की जनसभा

शामली। जसाला में अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष चौहान के नेतृत्व में राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी एवं उनके साथ आए पदाधिकारियों का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंत्री वीरेंद्र सिंह ने की तथा संचालन रणवीर प्रधान ने किया। आगामी 27 अक्टूबर को पटेल जयंती के उपलक्ष्य में दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित होने वाली गुर्जर स्वाभिमान रैली को लेकर कैराना के शामली रोड स्थित पवन गार्डन में जनसभा को संबोधित करने जा रहे महासभा पदाधिकारियों का जसाला पहुंचने पर अभिनंदन किया गया। ढोल-नगाड़ों, बैंड-बाजे और पुष्पवर्षा के बीच 51 किलो फूलों की माला पहनाई गई। मनीष चौहान ने शॉल ओढ़ाकर तथा गौ माता एवं भगवान गणेश की प्रतिमाएं भेंट कर रैली की सफलता की प्रार्थना की।

इस अवसर पर उपस्थित 36 बिरादरी के जनसमूह ने सामाजिक एकता का संदेश दिया। गुर्जर, मुस्लिम, सिख, कश्यप, सैनी सहित विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केपी सिंह कसाना, जगबीर दौला, रामकेश चपराना एवं गौतम बुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। वक्ताओं ने शिक्षा के साथ संस्कारों को बढ़ावा देने, समाज के उत्थान और दहेज प्रथा सहित सामाजिक कुरीतियों को दूर करने पर जोर दिया। गुर्जर प्रतिहार वंश की शौर्यगाथा का उल्लेख करते हुए समाज की राजनीतिक उपेक्षा और प्रतिनिधित्व के विषय पर भी विचार रखे गए।

राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी ने मनीष चौहान को कैराना का राजनीतिक भविष्य बताया। जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने ऐतिहासिक स्वागत के लिए आयोजकों एवं उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त करते हुए सभी से 27 अक्टूबर को दिल्ली पहुंचने का आह्वान किया। उपस्थित लोगों ने मनीष चौहान के नेतृत्व में एकजुट होकर गुर्जर स्वाभिमान रैली को सफल बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में संजीव प्रधान, गयूर प्रमुख, अमित प्रधान, रविंद्र प्रधान, राजेंद्र प्रधान, राजपाल प्रधान, महेंद्र प्रधान, प्रवेश प्रधान, वकील प्रधान, राज्यपाल प्रधान, उमर प्रधान, चरण सिंह प्रधान, राकेश प्रधान, विनय प्रधान, सोमपाल प्रधान, विकास प्रधान, पहला सिंह चौधरी, बबला चेयरमैन, निशु मास्टर जी, विनय मास्टर जी, सरदार भगवान सिंह, मुन्नवर प्रधान, नाथी प्रधान सहित बड़ी संख्या में विभिन्न बिरादरियों के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आयोजन के दौरान पत्रकारों के साथ प्रेस वार्ता भी की गई। भव्य स्वागत और व्यापक जनभागीदारी से महासभा के कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ।

रामलीला के दूसरे दिन राम जन्म व भजन जेमिंग कार्यक्रम से अयोध्या मे खुशी की लहर

नोएडा। श्रीराम मित्र मण्डल नोएडा द्वारा सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में आयोजित रामलीला मंचन के दूसरे दिन मुख्य अतिथि देवदत्त शर्मा (पूर्व चेयरमैन, नोएडा प्राधिकरण), श्रीमती शालिनी सिंह (अध्यक्ष, एनसीएफ), इंदुप्रकाश सिंह (ओएसडी, नोएडा प्राधिकरण), सत्यनारायण गोयल, राकेश शर्मा, नीरज शर्मा (आर. डब्ल्यू. ए., सेक्टर 55), यू. के. शर्मा (जे.ई., नोएडा),एडवोकेट राजीव त्यागी (बीजेपी), डॉक्टर वी के. गुप्ता (सुमित्रा अस्पताल) ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर लीला का शुभारंभ किया। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के अध्यक्ष धर्मपाल गोयल एवं महासचिव मुन्ना कुमार शर्मा द्वारा मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर और अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया गया।

प्रथम दृश्य में रावण और अन्य राक्षसों के अत्याचार से कराह रही पृथ्वी को अत्याचार मुक्त करने के हेतु देवतागण भगवान विष्णु से अवतार लेने की प्रार्थना करते हैं। राजा दशरथ के संतान न होने के कारण अपने कुलगुरु वशिष्ठ जी के पास जाना, वशिष्ठ जी द्वारा श्रृंगी ऋषि द्वारा शुभ पुत्र कामेष्ठि यज्ञ करवाना। यज्ञ कुंड से अग्नि देवता का प्रकट होकर खीर प्रदान करना। राजा दशरथ द्वारा तीनों रानियों कौशल्या, कैकई और सुमित्रा को खीर प्रदान करना और खीर खाकर तीनों रानियों का गर्भवती होने की लीला हुई।

भगवान राम के साथ तीनों भाईयों के जन्म लेते ही राजा दशरथ और रानी कौशल्या बड़े ही उत्साहित थे। अयोध्या में चारों ओर बधाई गान गाए गए। कौशल्या जायो लल्ला, अवध में मचो हल्ला, अवध में जनमे रघराई, कौशल्या रानी दे दो बधाई।

राम जन्म के बाद गायक गगन राठौर जी व उनकी मंडली द्वारा भजन जेमिंग का कार्यक्रम किया गया। सभी आयु वर्ग के श्रद्धालु उनके मनमोहक भजनों व भक्ति स्वरों में लीन हो गए।

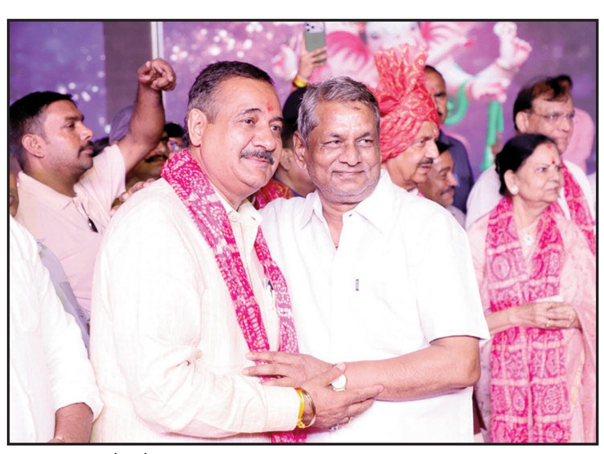

बाल स्वरूप भगवान राम से मिलने भगवान शिव जी योगी का भेष बनाकर आते हैं और इसके बाद चारों भाइयों का नाम करण गुरू वशिष्ठ द्वारा किया जाता है। तत्पश्चात भगवान राम,लक्ष्मण,भरत, शत्रुघन गुरु वशिष्ठ के आश्रम में शिक्षा दीक्षा के प्रस्थान करते हैं।भगवान राम की बाल लीला का मंचन देख दर्शक मंत्र मुग्ध हो जाते हैं।

अगले दृश्य में विश्वामित्र का राजा दशरथ के दरबार में आगमन होता है और वह अपने यज्ञ की राक्षशों से रक्षा के लिए श्री राम और लक्ष्मण जी को साथ ले जाने के लिए कहते हैं। वशिष्ठ जी के समझाने पर दशरथ जी राम लक्ष्मण को विश्वामित्र के साथ भेज देते हैं। रास्ते में जाते समय विश्वामित्र भगवान राम को राक्षसी ताड़का, मारीच और सुबाहु को दिखाते हैं। ताड़का, मारीच एवं सुबाहु विश्वामित्र जी, श्री राम जी व लक्ष्मण जी के पर आक्रमण कर देते है ।भगवान राम धनुष उठाकर सुबाहु और तड़का का वध कर देते हैं और मारीच को दूर दक्षिण किनारे समुद्र में फेंक देते हैं। भगवान की आरती के साथ दूसरे दिन की रामलीला का समापन होता है।

अध्यक्ष धर्मपाल गोयल जी ने बताया कि कल 13 अक्टूबर को जनकपुर बाज़ार, ऋषि विश्वामित्र के आश्रम में जनक दूत का आगमन, पुष्प वाटिका में राम सीता साक्षात्कार एवं गौरी पूजन आदि लीलाओं का मंचन किया जायेगा। इस अवसर पर समिति के कोषाध्यक्ष राजेन्द्र गर्ग, सलाहकार मनोज शर्मा, सह-कोषाध्यक्ष अनिल गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनारायण गोयल, राजकुमार गर्ग, चौधरी रविन्द्र सिंह, तरुणराज, पवन गोयल, बजरंग लाल गुप्ता, एस एम गुप्ता, गौरव मेहरोत्रा, मुकेश गोयल, मुकेश अग्रवाल, मनोज शर्मा, मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता, गिरिराज बहेडिया, चक्रपाणि गोयल, राजेश माथुर, सुधीर पोरवाल, अर्जुन अरोड़ा, आर के उप्रेती, दीपक अग्रवाल, दयानंद तिवारी सहित श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के सदस्यगण व शहर के गणमान्य व्यक्ति उपस्तिथ रहे।

राष्ट्रीय महामंत्री की माता जी को श्रद्धांजलि देने बस्ती पहुंचे फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा

नोएडा। फेडरेशन ऑफ नोएडा आर डब्लू ए (फोनरवा) के अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा सोमवार को आज बस्ती में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी के पैतृक आवास पर जिला उपाध्यक्ष अरुण शर्मा के साथ पहुँच कर उनकी पूजनीय माताजी, स्वर्गीय श्रीमती यशोदा देवी जी को श्रद्धासुमन अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी तथा शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएँ व्यक्त कीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त परिवार को इस दुःख की घड़ी में शक्ति, संबल और धैर्य प्रदान करें।

ग्रेनो में विकसित किए जाने वाले थीम पार्कों की योजना में तेजी नहीं आ रही

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में चार थीम आधारित पार्कों को विकसित करने की योजना में तेजी नहीं आ रही है। तीन वर्ष से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी यह योजना फाइलों में अटकी है। इसमें मदद के लिए प्राधिकरण ने छह सलाहकार एजेंसियों को सूचीबद्ध कर लिया है,लेकिन अब तक धरातल पर काम शुरू नहीं हुआ। यही नहीं पहले से विकसित किए गए 20 से अधिक थीम आधारित पार्क भी बदहाल पड़े हैं।

दरअसल शहर के लोगों को परिवार के साथ घूमने- फिरने के लिए अच्छी जगह मिल सके,इसके लिए प्राधिकरण ने वेस्ट टू वंडर (अद्भुत भारत पार्क), चिल्ड्रन, साइंस और आयुर्वेद अधारित चार बड़े थीम पार्क विकसित करने की योजना बनाई है। इस पर पिछले 3-4 वर्षों से काम चल रहा है। इसके लिए अलग- अलग सेक्टरों में जगह चिह्नित करने, परियोजना पर आने वाले खर्च का आकलन और किस आधार पर विकसित किया जाना है, आदि औपचारिकताएं पूरी किए जाने के बाद भी जमीनी स्तर पर काम शुरू नहीं हुआ। निविदा तक जारी नहीं की गई। यह काम प्राधिकरण के उद्यान विभाग द्वारा देखा जा रहा था, लेकिन काम की धीमी रफ्तार को देखते हुए इसकी जिम्मेदारी इस साल परियोजना विभाग को दे दी गई। इसके बाद भी महत्वपूर्ण परियोजना में प्रगति नहीं दिख रही है। बता दें कि ग्रेटर नोएडा ईस्ट और वेस्ट क्षेत्र में परिवार के साथ घूमने के लिए सम्राट मिहिर भोज सिटी पार्क के अलावा कोई बड़ा पार्क नहीं है।

सलाहकार एजेंसियों की भूमिका और पार्कों की योजना: अधिकारी के मुताबिक थीम पार्कों और सामान्य पार्कों के अलावा गोलचक्करों के सौंदर्यीकरण के लिए डिजाइन, वास्तु और लैंडस्केपिंग यानी भू-सज्जा में मदद के लिए छह सलाहकार एजेंसियों को सूचीबद्ध किया गया है। चयनित एजेंसी परियोजना को पूरा होने तक निरीक्षण और सुझाव भी देगी। चारों थीम पार्कों के लिए ग्रेटर नोएडा ईस्ट और वेस्ट में जगह चिह्नित कर ली गई है। साथ ही अल्फा, बीटा, गामा, डेल्टा, स्वर्णनगरी आदि सेक्टरों में पहले से बने 20 से अधिक थीम पार्कों का भी नए सिरे से सौंदर्यीकरण कराया जाना है। इसमें सलाहकार एजेंसियों की मदद ली जाएगी।

थीम आधारित पार्कों में ये खास होगा

आयुर्वेद पार्क- प्राचीन चिकित्सा पद्धति के इतिहास और जानकारी पर आधारित होगा।

साइंस पार्क- बच्चे सौर मंडल, न्यूटन के नियम, परमाणु मॉडल जैसी वैज्ञानिक जानकारियां खेल-खेल में सीख सकेंगे।

वेस्ट टू वंडर पार्क - इसमें देश की अनदेखी विरासतों और प्रमुख इमारतों की प्रतिकृतियां होंगी।

13 अक्टूबर को आयोजित प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त करें अनुपस्थित कार्मिक: सीडीओ

गौतमबुद्धनगर। मुख्य विकास अधिकारी/नोडल अधिकारी मतदान कार्मिक गौतमबुद्धनगर भाल चंद्र त्रिपाठी की उपस्थिति में आज विकास भवन के सभागार में विधान परिषद मेरठ खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र-2026 के अंतर्गत मतदान कार्मिकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रथम पाली में 08 तथा द्वितीय पाली में 06 कार्मिक अनुपस्थित पाए गए। इस प्रकार दोनों पालियों में कुल 14 कार्मिक प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहे।

नोडल अधिकारी मतदान कार्मिक गौतमबुद्धनगर ने विधान परिषद शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन-2026 के अंतर्गत 12 अक्टूबर 2026 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुपस्थित रहे समस्त संबंधित कार्मिकों को निर्देशित किया जाता है कि सभी 13 अक्टूबर 2026 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

निर्धारित प्रशिक्षण में पुनः अनुपस्थित पाए जाने अथवा निर्वाचन संबंधी दायित्वों के निर्वहन में असहयोग किए जाने की स्थिति में संबंधित कार्मिकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण, जिला गंगा, जिला पर्यावरण समिति की बैठक संपन्न

गौतमबुद्धनगर। मुख्य विकास अधिकारी गौतमबुद्धनगर भाल चंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार, गौतमबुद्धनगर में जिला वृक्षारोपण समिति, जिला गंगा समिति, जिला पर्यावरण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण, वायु प्रदूषण नियंत्रण, नदियों की स्वच्छता तथा अपशिष्ट के समुचित निस्तारण से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस अवसर पर प्रभागीय वन अधिकारी रजनीकांत मित्तल द्वारा संबंधित समितियों के अंतर्गत संचालित कार्यों एवं वृक्षारोपण वर्ष 2026-27 के अंतर्गत विभागवार जियो-टैगिंग की प्रगति से मुख्य विकास अधिकारी को अवगत कराया गया।

मुख्य विकास अधिकारी ने बैठक में पौधों की जियो-टैगिंग शत-प्रतिशत पूर्ण कराने तथा रोपित पौधों की जीवितता का नियमित सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को वृक्षारोपण से जुड़े कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए पौधों के संरक्षण एवं रखरखाव पर विशेष ध्यान देने को कहा।

जिला पर्यावरण समिति की समीक्षा के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद में वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए संचालित मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनों की कार्यप्रणाली एवं सड़कों की साफ-सफाई व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित प्राधिकरणों एवं विभागों को कहा कि सड़कों पर एकत्रित धूल एवं अन्य सामग्री की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए तथा मैकेनिकल स्वीपिंग मशीनों का प्रभावी संचालन किया जाए।

बैठक में विद्युत विभाग सहित विभिन्न एजेंसियों द्वारा विकास कार्यों के दौरान सड़कों की खुदाई के उपरांत मरम्मत की स्थिति की भी समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि संबंधित एजेंसियां कार्य पूर्ण होने के तत्काल बाद खोदी गई सड़कों की गुणवत्तापूर्ण मरम्मत सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को असुविधा न हो तथा धूलजनित प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।

इसके अतिरिक्त हॉर्टीकल्चर वेस्ट, कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन (सी एंड डी) वेस्ट तथा म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट के समुचित निस्तारण की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को निर्धारित मानकों के अनुरूप वैज्ञानिक निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सार्वजनिक स्थलों, सड़कों एवं अन्य स्थानों पर कूड़ा तथा निर्माण मलबा एकत्रित न होने देने और प्रदूषण नियंत्रण संबंधी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा।

जिला गंगा समिति की समीक्षा के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने यमुना एवं हिंडन नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण से संबंधित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने नदियों में गिरने वाले अनुपचारित नालों के उपचार तथा जल प्रदूषण की रोकथाम के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नदियों एवं नालों में ठोस अपशिष्ट के निस्तारण की अद्यतन स्थिति उपलब्ध कराने तथा नदी तटों की नियमित साफ-सफाई एवं संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर संचालित करने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित विभागों को राष्ट्रीय हरित अधिकरण एवं शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप आवश्यक आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रभागीय वन अधिकारी सहित संबंधित प्राधिकरणों, नगर निकायों, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

वैदिक मंत्रोच्चार, दुर्गा पूजन और भजन-कीर्तन से भक्तिमय हुआ वातावरण

नोएडा। शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर नोएडा के सेक्टर-110 स्थित महर्षि नगर में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक चेतना का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। मां दुर्गा की आराधना, वैदिक मंत्रोच्चार, भजन-कीर्तन और श्रीरामलीला के मंचन के साथ यहां दुर्गा पूजा एवं विजयादशमी महोत्सव का भव्य शुभारंभ हो गया है। 11 से 21 अक्टूबर तक चलने वाले इस धार्मिक आयोजन के पहले दिन से ही महर्षि नगर का वातावरण भक्तिमय हो उठा है। मां दुर्गा की जय-जयकार, वैदिक मंत्रों की गूंज और भगवान श्रीराम के आदर्शों पर आधारित रामलीला के माध्यम से श्रद्धालु धर्म, आस्था और भारतीय संस्कृति से जुड़ रहे हैं। महर्षि नगर में आयोजित इस महोत्सव का उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में आध्यात्मिक चेतना, सद्भाव, संस्कार और नैतिक मूल्यों को मजबूत करना भी है। नवरात्र के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम श्रद्धालुओं को भारतीय सनातन परंपरा और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का माध्यम बन रहे हैं।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्रतिमाओं की स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा

धार्मिक आयोजन के अंतर्गत महर्षि नगर में मां दुर्गा, भगवान गणेश, माता लक्ष्मी, माता सरस्वती, भगवान कार्तिकेय तथा भगवान श्रीराम और लक्ष्मण की प्रतिमाओं की स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा वैदिक विद्वानों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराई गई। इस अवसर पर महर्षि संस्थान के अध्यक्ष श्री अजय प्रकाश श्रीवास्तव की उपस्थिति रही। पारंपरिक वैदिक विधि-विधान के साथ संपन्न हुए अनुष्ठानों ने आयोजन को विशेष आध्यात्मिक गरिमा प्रदान की।

नवरात्र के इन पावन दिनों में मां दुर्गा की आराधना के साथ श्रद्धालु सुख, शांति, समृद्धि और कल्याण की कामना कर रहे हैं। धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से वातावरण में श्रद्धा और सकारात्मकता का संचार हो रहा है।

राम की लीला से प्रत्येक व्यक्ति को सीख लेनी चाहिए: मुकेश शर्मा

नोएडा। श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी सेक्टर 46 नोएडा द्वारा 10 वर्षों से शुरू की गई रामलीला के दूसरे दिन यानी सोमवार को वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश शर्मा और भाजपा के नोएडा महानगर के अध्यक्ष महेश चौहान द्वारा पूजा अर्चना के बाद रामलीला का शुभारंभ कराया गया।

सोमवार को रामलीला ग्राउंड पहुंचकर मुख्य अतिथि मुकेश शर्मा वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा कि राम की लीला से प्रत्येक व्यक्ति को सीख लेकर हमेशा सच्चाई के मार्ग पर चलना चाहिए ,भगवान रामचंद्र ने सच्चाई के मार्ग पर चलकर विजय प्राप्त की थी। इस अवसर पर भाजपा के नोएडा महानगर के अध्यक्ष महेश चौहान ने कहा कि रामलीला में कई ऐसे प्रसंग है, जो लोगों को कुछ ना कुछ सीख देने का काम करते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को रामलीला देखकर रामलीला के मार्ग पर चलना चाहिए। इस अवसर पर आए हुए अतिथियों का रामलीला आयोजन समिति के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल और महासचिव गिर्राज अग्रवाल और उनकी टीम ने स्वागत किया।

इस अवसर पर अमित गुप्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन भी मौजूद थे। वही अति विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ वीके गुप्ता, दीपक अग्रवाल, डिप्टी एसपी, सुदेश गुप्ता, राजीव गुप्ता के अलावा विशिष्ट अतिथि के रूप में अमित त्यागी महामंत्री भाजपा, ओमवीर अवाना, चदगी रामयादव, अरुण चौहान संजीव कुमार सिंह आदि मौजूद थे। इस अवसर पर दूसरे दिन की रामलीला का शुभारंभ करते हुए कृष्णा स्वामी ने गणेश पूजन के बाद, राजा दशरथ दरबार एवं विश्वामित्र जी का आगमन और राम लक्ष्मण को लेकर वाटिका में जाना तथा गुरु देव विश्व मित्र के आदेश अनुसार राम लक्ष्मण द्वारा ताड़का व सुबाशु का संहार करना मारिच को समुद्र में फेंक देना ,और खडदूषण वध के अलावा अहिल्या का उद्धार ,महाराजा जनक द्वारा विश्वामित्र जी का सम्मान करना, राम लक्ष्मण को जनकपुरी में घूमने और पुष्प वाटिका में सीता माता जी से राम जी की भेंट आदि लीला का मंचन किया गया।

दिल्ली में कांग्रेस के प्रदर्शन में शामिल हुए नोएडा के कई कार्यकर्ता

नोएडा। सोमवार को राष्ट्रीय चैयरमेन यूपी प्रभारी राकेश पाल गौतम एवं यूपी प्रदेश अध्यक्ष अराधना मिश्रा 'मोना' के निर्देश में नोएडा महानगर काँग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश यादव के नेतृव में सैकड़ों काँग्रेस कार्यकर्ता लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए कांग्रेस का संघर्ष जारी रहेगा महानगर कांग्रेस कमेटी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया,मुकेश यादव ने कहा हर की इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र की रक्षा,निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा मताधिकार की गरिमा बनाए रखने की आवाज बुलंद की,प्रदेश सचिव पुरुषोत्तम नागर ने कहा है कि प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कहा कि वोट लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है और प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की रक्षा करना बेहद जरूरी है,उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोडिनेटर सतेन्द्र शर्मा ने भी कहा है कि वोट चोरी जैसे गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए,ताकि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का विश्वास कायम रहे।कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर संकल्प लिया कि लोकतंत्र,संविधान और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए पार्टी का संघर्ष लगातार जारी रहेगा।

कांग्रेस पार्टी हमेशा जनता की आवाज उठाने और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध रही है।नोएडा महानगर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की बड़ी भागीदारी ने यह संदेश दिया कि लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई में कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी मजबूती के साथ खड़ा है। पार्टी नेतृत्व के आह्वान पर कार्यकर्ताओं ने एकजुटता प्रदर्शित करते हुए वोट चोरी के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की।

कांग्रेस का स्पष्ट संदेश है लोकतंत्र की रक्षा करने के लिए हर कार्यकर्ता प्रतिबद्ध है,शामिल होने वालों में वरिष्ट नेता फिरे सिंह नागर, महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव, राष्ट्रीय सचिव लियाक़त चोधरी, प्रदेश कोडिनेटर सतेंद्र शर्मा,प्रवक्ता पवन शर्मा, प्रदेश सचिव पुरुषोत्तम नागर, प्रदेश सदस्य यतेद्र शर्मा,उपाध्यक्ष ललित अवाना, उपाध्यक्ष विक्रम चौधरी, गौतम अवाना, पूर्व अध्यक्ष शहाबुदीन, नेता कृपा राम शर्मा,नेता दिनेश अवाना, वसीम खान,सहित कार्यकर्ता शामिल हुये।

संक्षिप्त समाचार

नोएडा में 4 डीसीपी इधर-उधर

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट में चार डीसीपी के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने अधिकारियों की नई तैनाती की है। इस फेरबदल में ट्रैफिक, सेंट्रल नोएडा, ग्रेटर नोएडा और पुलिस लाइन की जिम्मेदारी बदली गई है।

डॉ. प्रवीण रंजन सिंह को सेंट्रल नोएडा का डीसीपी बनाया गया है। इससे पहले वह डीसीपी ट्रैफिक की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। अब उनकी जगह सैयद अली अब्बास को डीसीपीट्रैफिक बनाया गया है। वह आगरा कमिश्नरेट से ट्रांसफर होकर गौतमबुद्ध नगर आए हैं।

श्रवण कुमार सिंह को ग्रेटर नोएडा की जिम्मेदारी: श्रवण कुमार सिंह को ग्रेटर नोएडा का डीसीपीबनाया गया है। उन्होंने रवि शंकर निम की जगह ली है। रवि शंकर निम का ट्रांसफर दूसरे जिले में हो चुका है।

शैलेंद्र सिंह बने डीसीपीलाइन: शैलेंद्र सिंह को डीसीपीलाइन की जिम्मेदारी दी गई है। इससे पहले वह डीसीपी सेंट्रल नोएडा के पद पर तैनात थे। पुलिस कमिश्नरेट में किए गए इस फेरबदल के तहत अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

प्लेटफार्म पर घूम रहे 8 लोगों पर लगा जुर्माना

नोएडा। रेलवे स्टेशन दादरी के प्लेटफार्म पर अनाधिकृत रूप से घूमते हुए आठ लोगों को पकड़ा गया है। आरपीएफ पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर अनाधिकृत रूप से घूमते हुए अलीगढ़ निवासी रामू , हाथरस निवासी गौरव, अलीगढ़ निवासी सनी, दनकौर निवासी अजान, बिहार के नवादा निवासी सीताराम, अलीगढ़ निवासी प्रशांत, कोतवाली दादरी क्षेत्र के कोट गांव निवासी नरेश कुमार, बुलंदशहर निवासी गुलबहार को पकड़ा गया। आरोपियों के पास कोई ट्रेन का यात्रा टिकट नहीं था । आरपीएफ पुलिस ने सभी से आठ हजार रुपये की जुर्माना रसीद काटकर नियमानुसार छोड़ दिया।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से युवक घायल

ग्रेटर नोएडा। जेवर कोतवाली क्षेत्र में रविवार शाम तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक युवक के घायल हो गया। प्रार्थी रहीश निवासी खतिवान मोहल्ला ने पुलीस को दी शिकायत में बताया कि 11 अक्टूबर रविवार की शाम लगभग 5:30 उनका पुत्र कामिल दयानतपुर रोड स्थित अपने मैरिज होम रॉयल फार्म हाउस जा रहा था। इसी दौरान तहसील तिराहे की तरफ से लापरवाही और तेजी से आ रही कार ने उनके बेटे को टक्कर मार दी। आरोप है कि कार सवार जुनैद, नावेद, सादाब और सईद निवासी खातिवान ने उनके बेटे को टक्कर मारने के बाद उसे धमकी दी हैं। थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर आगे कार्रवाई की जा रही है।

गैरहाजिर मिलने पर होगी कार्रवाई

नोएडा। ग्राम पंचायत स्तर पर तैनात अब पंचायत सहायकों का औचक निरीक्षण किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान अगर कोई सहायक गैरहाजिर मिलते है उनके खिलाफ विभागीय स्तर पर कार्रवाई की जाएगी। आए दिन मिल रही शिकायतों को लेकर जिला पंचायत स्तर पर निरीक्षण के निर्देश दिए गए है। जिला पंचायत राज अधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि गौतमबुद्धनगर में 82 ग्राम पंचायतें है। ग्राम पंचायतों में तैनात पंचायत सहायकों के डयूटी से नदारद होने की शिकायतें आए दिन लोगों के द्वारा की जाती रही है। लोगों की शिकायतों के चलते अब पंचायत सहायकों का औचक निरीक्षण किया जाएगा। इसके साथ ही पंचायत राज अधिकारी के दफ्तर से कर्मचारी से सहायकों पर फोन करके उनके लोकेशन की पुष्टि की जाएगी। इसको लेकर किसी भी सहायक की कभी भी निरीक्षण किया जा सकता है।

इलेक्ट्रिक गाड़ियों को मिलेगी रफ्तार, 78 प्वाइंट्स पर बनाया जाएगा चार्जिंग स्टेशन

नोएडा। शहर में इलेक्ट्रिक वाहनों के संचालन को लेकर ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। इसी क्रम में प्राधिकरण ने 78 जगहों पर ईवी चार्जिंग स्टेशन लगाने की तैयारी की है। सोमवार को प्राधिकरण और आइटीआइ लिमिटेड के बीच समझौता हुआ। इन स्टेशनों के लिए शहर में 48 स्थान तय किए गए हैं।

इससे पहले 24 सितंबर को यूपी रिन्यूएबल एंड ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (यूपीआरईवी) के साथ भी 30 स्थानों पर चार्जिंग स्टेशन लगाने का समझौता किया गया था। दोनों समझौतों के बाद शहर में कुल 78 चार्जिंग स्टेशन लगाने की योजना है।नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक एसपी सिंह ने बताया कि प्राधिकरण का लक्ष्य शहर में कुल 100 ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करना है। इनकी मदद से इलेक्ट्रिक कार और दोपहिया वाहन चलाने वालों को चार्जिंग की सुविधा मिलेगी। चार्जिंग स्टेशन लगाने का पूरा खर्च आईटीआई लिमिटेड उठाएगी। प्राधिकरण की ओर से इसके लिए वित्तीय सहायता नहीं दी जाएगी। सिर्फ जगह उपलब्ध कराई जाएगी।

समझौते के मुताबिक, इसकी अवधि 10 साल होगी। जरूरत पड़ने पर इसे आगे बढ़ाया जा सकता है। प्रत्येक स्थान पर कम से कम दो चार्जर लगाए जाएंगे। इनसे एक समय में दो कार और एक दोपहिया वाहन चार्ज किया जा सकेगा। प्राधिकरण को चार्जिंग में प्रति यूनिट एक रुपये की दर से राजस्व मिलेगा।

इन क्षेत्रों में बनेंगे चार्जिंग स्टेशन: सेक्टर-16, सेक्टर-18, सेक्टर-51, सेक्टर-61, सेक्टर-142 और सेक्टर-147 के मेट्रो स्टेशन के आसपास के क्षेत्र भी शामिल हैं। इसके अलावा सेक्टर-150, सेक्टर-100, सेक्टर-110, सेक्टर-82, सेक्टर-92, सेक्टर-119 और सेक्टर-137 में भी चार्जिंग स्टेशन लगाने के लिए जगह तय की गई है।

द्वितीय दिवस में रावण के अहंकार और श्रवण कुमार की मार्मिक कथा का हुआ प्रभावशाली मंचन

नोएडा। नोएडा स्टेडियम में श्री सनातन धर्म रामलीला समिति, नोएडा के तत्वावधान एवं हरि भक्ति कला ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित भव्य रामलीला मंचन के द्वितीय दिवस में अनेक ऐतिहासिक, प्रेरणादायक एवं मार्मिक प्रसंगों का सजीव चित्रण किया गया। सुप्रसिद्ध निर्देशक पंकज शर्मा के कुशल निर्देशन में कलाकारों ने अपने प्रभावशाली अभिनय से त्रेता युग के दृश्यों को मंच पर जीवंत कर दिया। रामलीला के दौरान दर्शक भावनात्मक प्रसंगों से भावविभोर नजर आए और कलाकारों के अभिनय पर तालियों से उत्साहवर्धन किया।

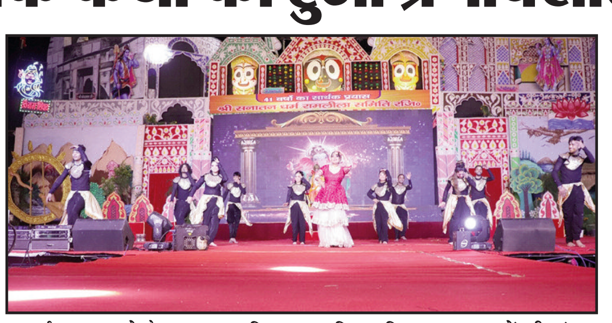

रावण के अहंकार, तपस्या और श्राप के प्रसंगों का प्रभावशाली मंचन, रामलीला के प्रथम भाग में रावण के जन्म, उसकी कठोर तपस्या और ब्रह्मा जी से वरदान प्राप्त करने के प्रसंगों का भव्य मंचन किया गया। इसके माध्यम से दिखाया गया कि अपार शक्ति और सामर्थ्य प्राप्त करने के बाद रावण किस प्रकार अहंकार से ग्रसित हो जाता है। रंभा के साथ दुराचार के कारण नलकुबेर द्वारा श्राप दिए जाने तथा हरि भक्त वेदवती के साथ दुर्व्यवहार के प्रसंगों ने दर्शकों को अंत तक बांधे रखा। अपमानित वेदवती द्वारा रावण की मृत्यु का कारण बनने की प्रतिज्ञा का दृश्य विशेष रूप से प्रभावशाली रहा।

इस दौरान बालक रावण की भूमिका में अंगद, रावण की भूमिका में अमित शर्मा , रंभा की भूमिका में सुहानी तथा वेदवती की भूमिका में सोनम ने शानदार अभिनय किया । कलाकारों की संवाद अदायगी, भाव-भंगिमाओं और मंचीय प्रस्तुति ने दर्शकों की खूब सराहना बटोरी।

श्रवण कुमार की कथा ने दर्शकों की आंखें की नमः रामलीला के दूसरे भाग में मातृ-पितृ भक्ति के प्रतीक श्रवण कुमार की मार्मिक कथा का मंचन किया गया। अपने नेत्रहीन माता-पिता की सेवा करने और उन्हें तीर्थ यात्रा कराने वाले श्रवण कुमार की कथा ने दर्शकों को भावुक कर दिया। राजा दशरथ द्वारा शब्दभेदी बाण चलाने से श्रवण कुमार के घायल होने तथा पुत्र वियोग में उनके माता-पिता के प्राण त्यागने के दृश्यों ने पूरे वातावरण को गमगीन बना दिया। इस प्रसंग में राजा दशरथ की भूमिका निभा रहे हिमांशु और श्रवण कुमार की भूमिका में संभव ने अपने मर्मस्पर्शी, अभिनय से दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इस मार्मिक प्रस्तुति ने माता-पिता के प्रति सेवा, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के महत्व को प्रभावी ढंग से उजागर किया।

समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि नोएडा स्टेडियम में आयोजित रामलीला में आधुनिक तकनीक, भव्य मंच सज्जा और कलाकारों के उत्कृष्ट अभिनय का बेहतरीन समन्वय देखने को मिल रहा है। रामलीला के विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से दर्शकों तक भारतीय संस्कृति नैतिक मूल्यों और धार्मिक परंपराओं का संदेश पहुंचाया जा रहा है। रामलीला का मंचन देखने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं दर्शक पहुंच रहे हैं।

नोएडा में 500 छात्राओं ने निकाली महिला सशक्तिकरण रैली

नोएडा। नोएडा में मिशन शक्ति अभियान 6.0 के तहत महिला सशक्तिकरण रैली निकाली गई। सेक्टर-51 के होशियारपुर स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज से निकले पैदल मार्च में करीब 500 छात्राओं ने हिस्सा लिया। रैली के जरिए महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान और समान अवसर देने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में आयोजित हुआ। इसका नेतृत्व डीसीपी महिला सुरक्षा सुनीती ने किया। रैली में एडीसीपी महिला सुरक्षा मनीषा सिंह, सेक्टर-49 थाने की मिशन शक्ति टीम और महिला थाना पुलिस शामिल हुई। पुलिसकर्मियों ने छात्राओं को महिला सुरक्षा से जुड़े हेल्पलाइन नंबरों, उनके अधिकारों और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। छात्राओं को बताया गया कि उत्पीड़न या दुर्व्यवहार होने पर चुप रहने के बजाय पुलिस की मदद लेनी चाहिए। उन्हें अपनी सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने और जरूरत पड़ने पर सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया।

कई विभागों ने भी लिया हिस्सा: कार्यक्रम में आशा बहुओं, होमगार्ड, एएनएम, शिक्षकों और सफाईकर्मियों ने भी सहयोग किया। विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने महिलाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता, सुरक्षा और सरकारी योजनाओं से जुड़ी जानकारी साझा की।

नोएडा जोन के विभिन्न थानों की मिशन शक्ति, स्वयं सिद्धा और एंटी रोमियो टीमों ने भी अभियान में भाग लिया।

महिला सम्मान के लिए जागरूकता पर जोर: शारदीय नवरात्र के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं में सुरक्षा का भाव मजबूत करना और उनका आत्मविश्वास बढ़ाना रहा। पुलिस ने लोगों से महिलाओं और बच्चों के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने की अपील की। साथ ही, किसी भी तरह के उत्पीड़न की जानकारी तत्काल पुलिस को देने को कहा।

एक दर्जन स्कूलों को ई-मेल से बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस और जांच दल अलर्ट

नोएडा। गौतमबुद्धनगर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित करीब एक दर्जन स्कूलों को सोमवार को ई-मेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया।इस धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वॉड और दमकल विभाग की टीमें तुरंत हरकत में आ गईं और सभी संबंधित स्कूलों में पहुंच गईं।

धमकी मिलने वाले स्कूलों में सेक्टर-16 स्थित एपीजे स्कूल, स्टेप बाय स्टेप और डीपीएस जीबीएन सहित कई अन्य स्कूल शामिल हैं।सूचना मिलने के आधार पर स्थानीय पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की।इस कार्रवाई में बम निरोधक दस्ते, एंटी-सैबोटाज चेकिंग टीम, डॉग स्क्वॉड और अग्निशमन विभाग की मदद ली गई और सभी स्थानों पर सघन जांच अभियान चलाया गया।अब तक किसी भी स्कूल से कोई आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई है।

साइबर टीम कर रही ई-मेल की तकनीकी जांच: अपर पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था राजीव नारायण मिश्र ने जानकारी देते हुए बताया कि 12 अक्टूबर को कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर स्थित स्कूलों को ई-मेल के जरिए बम की धमकी मिलने की सूचना प्राप्त हुई थी।इस सूचना के मिलने के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित स्कूलों में चेकिंग शुरू कराई।उन्होंने बताया कि अभी तक की जांच में कोई प्रतिकूल बात सामने नहीं आई है।मामले को पूरी गंभीरता से लेते हुए साइबर टीम ई-मेल की तकनीकी जांच करने में जुटी हुई है। सभी स्थानों पर लगातार सतर्कता बरती जा रही है।

प्रशासन की लोगों से शांति बनाए रखने की अपील: अपर पुलिस आयुक्त राजीव नारायण मिश्र ने यह भी बताया कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह से सामान्य है और मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।उन्होंने सभी अभिभावकों और स्कूल प्रशासन से यह अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाह पर बिल्कुल ध्यान न दें।

सपाइयों ने समाजवादी पुरोधा डॉ राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि मनाई

नोएडा। समाजवादी पुरोधा डॉक्टर राम मनोहर लोहिया की 59 वीं पुण्यतिथि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा सेक्टर-102 स्थित भंगेल में मनाई गई। सपा नोएडा महानगर के पूर्व महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे एवं महानगर उपाध्यक्ष मनोज गोयल ने सपा कार्यकर्ताओं के साथ लोहिया जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनको याद किया। इस अवसर पर विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया गया जिसमें वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर बोलते हुए पूर्व महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने कहा कि डॉ लोहिया राजनीतिक शुचिता के हमेशा पक्षधर रहे। उनका कहना था कि जब तक गरीबी और अमीरी के बीच की खाई को पाटा नहीं जायेगा तब तक देश पूर्ण विकास नहीं कर सकेगा। डॉ लोहिया समान शिक्षा व्यवस्था के भी प्रबल हिमायती थे। हम सभी उनके बताए मार्ग पर चलकर समाजवाद की परिकल्पना को साकार कर सकते हैं। इस अवसर पर सपा महानगर उपाध्यक्ष मनोज गोयल ने कहा कि लोहिया जी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के निर्भीक सेनानी और समाजवादी विचारधारा के प्रमुख स्तंभ थे।

उन्होंने सप्तक्रांति का सिद्धांत दिया जिसमें सामाजिक समानता और और न्याय पर जोर दिया गया। उनके विचार आज भी युवा पीढ़ी को प्रेरित करते हैं।

इस अवसर पर अरविंद गर्ग, रामकिशन मित्तल, सौरभ जिंदल, राजीव गुप्ता, सुबोध गोयल, कृष्णकांत , आयुष गर्ग, प्रमोद सिंघल, मोहित, प्रशांत गोयल, रेशमपाल सिंह सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

वरिष्ठ वकील और भारत के पूर्व सॉलिसिटर जनरल हरीश साल्वे ने आरोप लगाया

विरोध-प्रदर्शनों के पीछे विदेशी फंडिंग और बाहरी दखल

नई दिल्ली, एजेंसी। वरिष्ठ वकील और भारत के पूर्व सॉलिसिटर जनरल हरीश साल्वे ने आरोप लगाया है कि भारत में कुछ विरोध-प्रदर्शनों के पीछे विदेशी फंडिंग और बाहरी दखल है। उन्होंने दावा किया कि सिस्टम को अस्थिर करने और देश को तरक्की करने से रोकने की कोशिशें की जा रही हैं। आईएएनएस के साथ एक साक्षात्कार में हरीश साल्वे ने कहा, 'कुछ विदेशी देश, खासकर अमेरिका, भारत से खुश नहीं हैं। क्या इस बात में कोई संदेह है कि नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश में उथल-पुथल के पीछे कौन था? शेख हसीना को किसने हटाया और वहां नया प्रधानमंत्री कौन लेकर आया? मेरी राय में इन घटनाओं के पीछे बाहरी ताकतें थीं।' उन्होंने कहा, 'भारत में भी कुछ लोग विरोध प्रदर्शनों के नेता बनकर सामने आए हैं, जिनमें यूट्यूबर्स भी शामिल हैं। कुछ लोग जर्मनी और दूसरे देशों में रहते हैं। वे इन

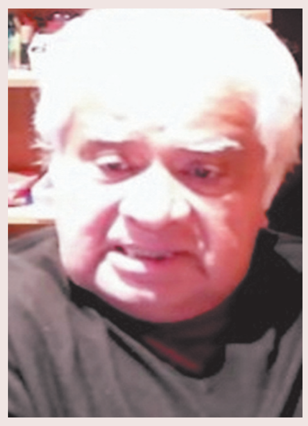

गतिविधियों के लिए पैसा कहां से ला रहे हैं? प्रदर्शन आयोजित करने के लिए धन की जरूरत होती है। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि पिछले छह से आठ महीनों में एक स्पष्ट पैटर्न दिखाई दिया है। जब मोदी सरकार होर्मुज संकट से निपटने, आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और भारत की सैटेलाइट क्षमताओं को बढ़ाने पर ध्यान दे रही है, तब ये समूह सरकार को आगे बढ़ने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं।

साल्वे ने कहा, 'मैंने पिछले छह से आठ महीनों में इस पैटर्न को देखा है। ऐसे आंदोलनों से निपटना सरकार की जिम्मेदारी है। मुझे नहीं लगता कि यह आंदोलन ज्यादा समय तक चलेगा, क्योंकि मेरी राय में यह जनता का वास्तविक आंदोलन नहीं है। '

उन्होंने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी है कि वह विदेशी फंडिंग के आरोपों की जांच करे और उचित कार्रवाई करे। हालांकि, उन्होंने इस बात पर संदेह जताया कि क्या ये विरोध-प्रदर्शन लोगों की असली भावना

यूके जाने की अनुमति मांगने वाली नताशा नरवाल की याचिका पर हाई कोर्ट सख्त

दिल्ली पुलिस से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। एकेडमिक कॉन्फ्रेंस और रिसर्च के काम के लिए यूनाइटेड किंगडम जाने की इजाजत की मांग वाली जेएनयू की पूर्व छात्रा व दिल्ली दंगों की बड़ी साजिश के मामले में आरोपित नताशा नरवाल की याचिका पर हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है।

अदालत ने दिल्ली पुलिस को स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश देते हुए सुनवाई गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दी। नताशा नरवाल ने ट्रायल कोर्ट के छह अक्टूबर के आदेश को चुनौती दी है। कोर्ट ने कहा था कि विदेश यात्रा का अधिकार पूरी तरह से नहीं मिलता और गैर-कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत कार्यवाही का लंबित होना एक अहम बात है। नरवाल ने दो नवंबर से एक दिसंबर तक यूके जाने की अनुमति देने की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

डब्ल्यूएमओ की चेतावनी

2027 में रिकॉर्ड पड़ेगी गर्मी और सूखे का खतरा, अर्थव्यवस्था पर होगा सीधा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर के महासागरों में बढ़ती गर्मी और प्रशांत महासागर में मजबूत हो रहा अल नीनो अगले साल मौसम का चक्र बदल सकता है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने चेतावनी दी है कि अगले साल दुनिया को रिकॉर्डतोड़ गर्मी और सूखे का सामना करना पड़ सकता है। इसका असर 2027 में दुनिया के मौसम और अर्थव्यवस्था पर दिखने की

आशंका है। वैज्ञानिकों के अनुसार, महासागर और वायुमंडल एक-दूसरे से जुड़े हैं। ग्रीनहाउस गैसों और प्रदूषण के कारण महासागर पहले ही बड़ी मात्रा में गर्मी सोख रहे हैं। समुद्र की सतह का तापमान बढ़ने से मौसम का संतुलन बिगड़ सकता है। इससे एशिया, अफ्रीका और अमेरिका के कई क्षेत्रों में मानसून का चक्र बदलने, सूखा पड़ने या अधिक बारिश का खतरा है। अल-नीनो का यह प्रभाव केवल प्रशांत क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया के मौसम चक्र को प्रभावित करेगा। मौसम के इस बदलाव से फसल उत्पादन प्रभावित होगा, जिससे खाद्य सुरक्षा व वैश्विक अर्थव्यवस्था पर सीधा असर पड़ेगा।

दिल्ली-एनसीआर में बूंदाबांदी इस बार ठंड की दस्तक जल्द- दिल्ली-एनसीआर में रविवार शाम बूंदाबांदी और तेज हवाएं चलीं। हालांकि तापमान में बड़ी गिरावट नहीं आई। मौसम विभाग ने 15 अक्तूबर तक बादल छाने और हल्की बारिश की संभावना जताई है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, अक्तूबर के मध्य से ठंड का असर धीरे-धीरे बढ़ सकता है। दिन में हल्की गर्मी बनी रह सकती है, जबकि शाम और रात का मौसम सुहावना रहने के आसार हैं।

कंगना रनौत के नाम, आवाज और तस्वीर के दुरुपयोग पर रोक

दिल्ली हाई कोर्ट का आदेश- मेटा 72 घंटे में आपत्तिजनक पोस्ट हटाए

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत के नाम, तस्वीर, आवाज और अन्य निजी पहचान के अनधिकृत इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। इसमें एआई से बने डीपफेक, छेड़छाड़ किए गए वीडियो, फर्जी भाषण और झूठे विज्ञापनों पर भी रोक शामिल हैं। न्यायमूर्ति विकास महाजन ने अंतरिम आदेश पारित करते हुए मेटा प्लेटफार्म्स को

कंगना रनौत द्वारा चिह्नित की गई आपत्तिजनक सामग्री को हटाने और स्थायी रूप से डिलीट करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह मामला व्यक्तिगत अधिकारों के उल्लंघन का है। किसी भी व्यक्ति को किसी सेलिब्रिटी की पहचान का दुरुपयोग कर फर्जी समर्थन या भ्रामक प्रचार करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। कंगना की ओर से अदालत में दलील दी गई थी कि इंटरनेट मीडिया पर उनके नाम और आवाज का इस्तेमाल कर कई फर्जी वीडियो और विज्ञापन चलाए जा रहे हैं, जिससे उनकी छवि को नुकसान पहुंच रहा है। अदालत ने मेटा को निर्देश दिया कि वह शिकायत में बताई गई सभी लिंक और पोस्ट को 72 घंटे के भीतर हटाए और भविष्य में ऐसी सामग्री को दोबारा अपलोड होने से रोकने के लिए तकनीकी उपाय करे।

दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर; 13 अक्टूबर को होगी सुनवाई

जंतर-मंतर प्रदर्शनों के लिए बैन हो

नई दिल्ली, एजेंसी। शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के लिए जंतर-मंतर को बंद करने के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की गई। एक अधिवक्ता ने इस मामले का उल्लेख कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नितिन वासुदेव साम्ब्रे की पीठ के समक्ष किया। उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन के लिए कोई दूसरी जगह तय नहीं की गई है। हालांकि, पीठ ने कहा कि मामले को मंगलवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। याचिका में कहा गया कि यह मामला अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार को सीमित करने से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर को बंद कर दिया गया है और कानून के मुताबिक विरोध प्रदर्शन करने के लिए कोई दूसरी जगह नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट भी इस मामले को देख रहा

अधिवक्ता के आज ही मामले पर सुनवाई के लिए निर्देश देने पर पीठ ने कहा कि कृपया समझने की कोशिश करें। सुप्रीम कोर्ट भी इस मामले को देख रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से हलफनामा भी दाखिल करने को कहा है।

सीजेपी के प्रदर्शन में घुसकर मारपीट करने वालों के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट करेगा सुनवाई, लाठियों से पीटने का आरोप

नई दिल्ली। बीते 10 व 11 अक्टूबर को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध-प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों पर हमला करने वालों के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। इस मामले का उल्लेख कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नितिन वासुदवे साम्ब्रे की अध्यक्षता वाली पीठ एक अधिवक्ता द्वारा किया गया और अदालत ने इस पर भी सुनवाई मंगलवार को होगी। याचिका में कहा गया कि प्रदर्शन के दौरान, कुछ बाहरी लोग प्रदर्शन स्थल पर घुस आए और लाठियों से लोगों से मारपीट की और उन्हें परेशान किया।

प्रदर्शन की नहीं थी अनुमति- केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी

सीजेपी के विरोध प्रदर्शन पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बयान दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें हिरासत में इसलिए लिया गया क्योंकि जिस जगह पर वे विरोध प्रदर्शन करने की योजना बना रहे थे, वहां के लिए कोई अनुमति नहीं मिली थी

ओवैसी का सरकार पर हमला

बोले- मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति से जुड़ा कानून रद्द हो, एसआईआर भी खत्म किया जाए

नई दिल्ली, एजेंसी। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के मामले और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े कानून को रद्द करने की मांग की। कहा कि इस कानून से चुनाव आयोग की विश्वसनीयता प्रभावित होगी। नियुक्ति प्रक्रिया में प्रधानमंत्री और विपक्ष के नेता के साथ भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को भी शामिल करना चाहिए। ओवैसी ने कहा कि

जब यह विधेयक लोकसभा में पेश किया गया था, तभी उन्होंने चेतावनी दी थी कि इसके प्रावधानों से भारतीय जनता के बीच चुनाव आयोग की विश्वसनीयता कम होगी। आरोप लगाया कि कानून में मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों को सेवानिवृत्ति के बाद कानूनी सुरक्षा देने का प्रावधान किया गया है। उनके मुताबिक, इस कानून को रद्द करके नियुक्ति प्रक्रिया में बदलाव किया जाना चाहिए।

एसआईआर पर भी उठाए सवाल

एसआईआर पर सवाल उठाते हुए ओवैसी ने कहा कि आखिर यह प्रक्रिया कहां से आई। उन्होंने दावा किया कि 10 करोड़ नाम हटाए जा चुके हैं। इसके बावजूद फॉर्म-6 के आवेदनों की प्रक्रिया के दौरान आवेदकों की मैपिंग पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने एसआईआर को भी बंद करने की मांग की।

दिल्ली-एनसीआर में आधी रात गरज-चमक के साथ हुई भारी बारिश

तेज आंधी भी चली; ठंड का एहसास

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में रविवार की आधी रात तेज गरज और चमक के साथ भारी बारिश हुई। साथ ही तेज आंधी भी चली। दो घंटे से अधिक समय तक भारी बारिश हुई। इसके साथ ही तापमान में गिरावट दर्ज की गई। लोगों को ठंड का एहसास होने लगा है। मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली में भारी बारिश होने की संभावना जताई थी।

मानसून की विदाई के बीच आधी रात तेज आंधी और बिजली के साथ भारी बारिश हुई। वहीं, नवरात्र के पहले दिन भारी बारिश होने से आयोजकों की चिंता बढ़ा दी है। कालका मंदिर के पास श्रद्धालुओं में अफरा-तफरी मच गई। बारिश से बचने के लिए श्रद्धालु इधर-उधर भागने लगे।

दिल्ली के जंतर मंतर से एक वीडियो जारी की है। जहां, सीजेपी के नेता प्रदर्शन कर रहे हैं। पूरा रोड पूरी तरह खाली है। वीडियो में प्रदर्शन स्थल खाली दिख रहा है।

मौसम विभाग ने संभावना जताई थी कि दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में गरज-चमक के साथ तेज हवा चल सकती है। इनकी रफ्तार 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो सकती है। कुछ जगहों पर ओले गिरने की भी आशंका जताई थी।

एनडीएमसी का ऑनलाइन पेट पोर्टल लॉन्च

घर बैठे मिलेंगी पशु चिकित्सा सुविधाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। लुटियंस दिल्ली में रहने वाले लोगों को अपने पालतू जानवर के पंजीकरण से लेकर टीकाकरण और इलाज के लिए अब बार-बार अस्पताल के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। अब घर इसके लिए आनलाइन सुविधाएं मिलेगी। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने अपने मोती बाग स्थिति पशु चिकित्सा अस्पताल में यह सेवाएं शुरू की है। इसके लिए आनलाइन पेट पोर्टल भी लॉन्च किया है।

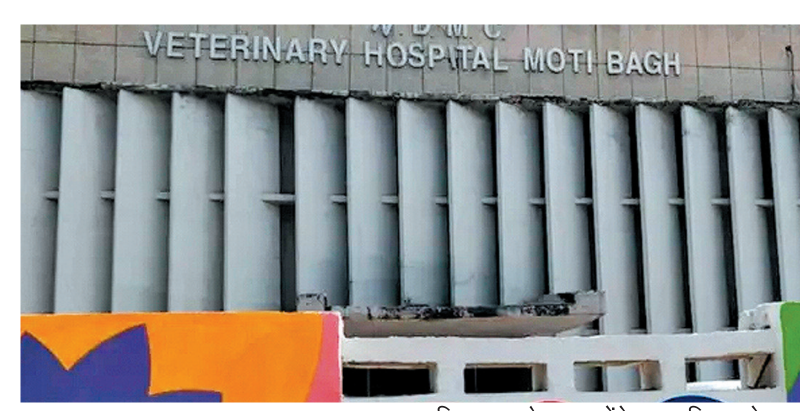

मिलेंगी ये सुविधाएं

एनडीएमसी के अनुसार पोर्टल के माध्यम से पशु मालिक न केवल अपने पालतू कुत्ते और बिल्ली का आनलाइन पंजीकरण करा सकेंगे। इसके अलावा ओपीडी में जांच और टीकाकरण के लिए पहले ही अपॉइंटमेंट ले सकेंगे। इस पर पंजीकरण के बाद सर्टिफिकेट पंजीकरण के लिए एंटी रेबीज टीकाकरण के लिए याद दिलाने का संदेश मिलेगा।

ऑनलाइन देख पाएंगे दस्तावेज- एनडीएमसी के अधिकारी ने बताया कि पोर्टल पर टीकाकरण प्रमाणपत्र डिजिटल रूप में उपलब्ध होंगे। जहां लागू होगा, वहां स्वास्थ्य प्रमाणपत्र से जुड़ी सेवाएं और उन्हें डाउनलोड करने की सुविधा भी मिलेगी। इसके अलावा डिजिटल भुगतान, पालतू पशुओं के स्वास्थ्य संबंधी रिकार्ड और पशु चिकित्सा से जुड़े दस्तावेजों को भी ऑनलाइन देखा जा सकेगा। पोर्टल पर पालतू पशुओं की देखभाल और उनके प्रति जिम्मेदारी से जुड़े प्रशिक्षण संसाधन भी उपलब्ध होंगे।

घर बैठे मिलेंगी सारी सुविधाएं

मोती बाग स्थिति पशु चिकित्सा अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डा. विनीता चोपड़ा के अनुसार पहले इन सुविधाओं के लिए नागरिकों को अस्पताल आना पड़ता था। जबकि अब नागरिकों को घर बैठे ही इन सुविधाओं का लाभ लिया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि इससे पशु प्रेमियों से लेकर अस्पताल के कर्मियों को भी लाभ मिलेगा। क्योंकि ऑनलाइन अपाइंटमेंट लेने की सुविधआ से भीड़ को नियंत्रित करने और प्रतीक्षा समय कम करने में भी मदद मिलेगी। साथ ही इससे सभी रिकार्ड को भी डिजिटल रखा जा सकेगा।

लुटियंस दिल्ली में ज्यादा पालतू जानवर- दिल्ली की अपेक्षा में लुटियंस दिल्ली में अत्याधिक ऐसे लोग हैं जो जानवर पालते हैं। एक-एक घर में एक से अधिक जानवर भी हैं। चूंकि निजी क्षेत्र में सभी सुविधाएं ऑनलाइन व एक क्लिक पर मौजूद है जबकि सरकारी क्षेत्र में पारंपरिक तरीके से यह कार्य चल रहा था।

ध्रुव राठी ने की कपिल सिब्बल से मुलाकात, कहा-

पार्टियों को एक होकर प्रोटेस्ट को मजबूत बनाना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। यूट्यूबर ध्रुव राठी ने रविवार को सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से दिल्ली स्थित उनके आवास पर पहुंचकर मुलाकात की. ध्रुव राठी ने एक्स पर पोस्ट कर सूचना दी थी कि वह कपिल सिब्बल से मुलाकात करेंगे और उसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे. मिली जानकारी के मुताबिक, करीब आधे घंटे तक कपिल सिब्बल और ध्रुव राठी की मुलाकात हुई.

ध्रुव राठी ने कहा, सोशल मीडिया समेत विभिन्न माध्यमों से मेरे ऊपर ही आरोप लगाया जा रहे थे कि मुझे इस प्रोटेस्ट में शामिल होने का अधिकार नहीं है. लगातार यह कहा जा रहा था विदेश पासपोर्ट होल्डर के पास भारत के प्रदर्शन में शामिल होने का अधिकार नहीं होता. मैंने हमेशा से कहा है कि मैं भारतीय नागरिक हूं और तमाम

इंटरनेट पर भी मेरे भारतीय नागरिक होने की जानकारी अवेलेबल है.

उन्होंने कहा, मुझे लगा कि अपने सपोर्टर को तो जवाब देने की आवश्यकता नहीं है लेकिन सोशल मीडिया पर कई संस्थाओं द्वारा मेरे गैर भारतीय होने की अफवाह फैलाई गई. मैंने अपने भारतीय होने का प्रमाण भारतीय पासपोर्ट दिखा कर दिया.

इसलिए आए भारत

ध्रुव राठी ने स्पष्ट किया कि वह एक आम नागरिक की तरह प्रदर्शन में शामिल होने के लिए भारत आए हैं. उन्होंने कहा, मैं वोट चोरी के मुद्दे पर कई बार यूट्यूब वीडियो बना चुका हूं और इस बार मुझे लगा कि मुद्दा बहुत ज्यादा गंभीर है तो वीडियो से आगे बढ़कर कुछ करना चाहिए और प्रदर्शन में भी भाग लेना चाहिए.

प्रोटेस्ट को मजबूत बनाना चाहिए- वहीं मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर चल रहे प्रदर्शन पर ध्रुव राठी ने कहा, विभिन्न पॉलीटिकल पार्टियों में आपस में कई बार मतभेद देखने को मिलते हैं लेकिन मुझे लगता है कि सभी राजनीतिक पार्टियों को एक होकर इस प्रोटेस्ट को मजबूत बनाना चाहिए.

चोरी हुई कार का क्लेम खारिज करना बीमा कंपनी को पड़ा भारी, उपभोक्ता आयोग ने ग्राहक के हक में सुनाया फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। गाड़ी चोरी होने के बाद पुलिस और बीमा कंपनी को सूचना देने में हुई कुछ दिनों की देरी को आधार बनाकर क्लेम खारिज नहीं किया जा सकता। दिल्ली के पूर्वी जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने कार चोरी के एक मामले में पीड़ित कार मालिक के पक्ष में फैसला सुनाते हुए यह बात कही। उपभोक्ता आयोग ने बीमा कंपनी की ओर से क्लेम इस तरह खारिज करने को सेवा में गंभीर लापरवाही माना है। आयोग के अध्यक्ष सुखवीर सिंह मल्होत्रा और सदस्य रवि कुमार की बेंच ने नेशनल इंश्योरेंस कंपनी को निर्देश दिया है कि वह पीड़ित को कार का बीमा

मूल्य (आईडीवी) का 75 प्रतिशत यानी 4.31 लाख रुपये नौ फीसदी वार्षिक ब्याज के साथ अदा करे। इसके अलावा, मानसिक उत्पीड़न के मुआवजे के रूप में 25 हजार रुपये और कानूनी खर्च के रूप में 12,500 रुपये का भुगतान करने के निर्देश भी दिए हैं। इसके साथ ही आयोग ने अपने फैसले में यह भी स्पष्ट कर दिया है कि यदि 30 दिनों के भीतर इस आदेश का पालन नहीं किया गया तो बीमा कंपनी को 12त्न सालाना दर से ब्याज देना होगा। आयोग ने कहा कि नियमों में उलझाकर बीमा कंपनी पीड़ित को उसके हक से वंचित नहीं कर सकती।

संक्षिप्त समाचार

रणजी ट्रॉफी

रवींद्र जडेजा का चला बल्ला, सौराष्ट्र के लिए लगाया शतक, रिंकू का भी जलवा कायम

नई दिल्ली। रणजी ट्रॉफी 2026-27 सीजन की शुरुआत रवींद्र जडेजा ने सौराष्ट्र की ओर से खेलते हुए शानदार अंदाज में की है। जडेजा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। वहीं, उत्तर प्रदेश की तरफ से खेलते हुए रिंकू सिंह ने भी शतक लगाया। जडेजा ने छत्तीसगढ़ के खिलाफ खेलते हुए 209 गेंदों का सामना करते हुए 102 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 7 चौके लगाए। जडेजा जब बल्लेबाजी करने उतरे, तो सौराष्ट्र का स्कोर 3 विकेट खोकर 120 रन था। उन्होंने चौथे विकेट के लिए चिराग जानी के साथ

मिलकर 31 रनों की साझेदारी निभाई। चिराग के आउट होने के बाद प्रेरक मांकड़ के रूप में जडेजा को अच्छा जोड़ीदार मिला। दोनों ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए 205 रनों की बेहतरीन साझेदारी निभाई। प्रेरक ने 150 गेंदों का सामना करते हुए 129 रनों की बेहतरीन पारी खेली। जडेजा और प्रेरक की शतकीय पारी की बदौलत सौराष्ट्र की टीम 392 रनों के टोटल तक पहुंचने में सफल रही। चिराग जानी ने 83 रनों का योगदान दिया। वहीं, बिहार के खिलाफ उत्तर प्रदेश की तरफ से खेलते हुए रिंकू सिंह ने भी शतकीय पारी खेली। रिंकू ने 168 गेंदों में 112 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में 8 चौके और 3 छक्के लगाए। रिंकू ने माधव कौशिक के साथ मिलकर 312 गेंदों में 207 रनों की साझेदारी निभाई।

150वीं वर्षगांठ पर टेस्ट में खास जर्सी पहनकर उतरेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

एमसीजी में इंग्लैंड से होगी भिड़ंत

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया की टीम अगले साल मार्च में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में इंग्लैंड के खिलाफ खेले जाने वाले 150वीं वर्षगांठ टेस्ट के दौरान खास सफेद जर्सी पहनेगी। इस विशेष टेस्ट किट में ऑस्ट्रेलिया के पारंपरिक हरे और सुनहरे रंग को शामिल किया जाएगा, ताकि इस ऐतिहासिक मौके को यादगार बनाया जा सके। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को इस विशेष किट का अनावरण किया, जिसे 11 मार्च से शुरू होने वाले 150वीं वर्षगांठ टेस्ट से ठीक 150 दिन पहले लॉन्च किया गया। इस ऐतिहासिक किट में पारंपरिक गोल्डन वॉटल ट्रिम की जगह

सुनहरे रंग का इस्तेमाल किया गया है, जबकि एक हरा प्लैकेट भी जोड़ा गया है। जर्सी की स्लीव पर सुनहरे रंग में 150वीं वर्षगांठ टेस्ट का विशेष लोगो और किट निर्माता कंपनी एएसआईसीएस का लोगो लगाया गया है। इसके अलावा, कॉलर, शर्ट और पैंट की साइड सीम पर सुनहरी पाइपिंग दी गई है, जबकि बटनों पर भी सुनहरे रंग की फिनिश दिखाई देगी। यह डिजाइन ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की विरासत और इस ऐतिहासिक मुकाबले के महत्व को दर्शाने के लिए तैयार किया गया है।

इसके अलावा, यह किट वैसी ही है जैसी ऑस्ट्रेलिया की पुरुष टीम 2025-26 के समर सीजन में लॉन्च होने के बाद से टेस्ट मैचों में पहनती आ रही है। इसके कंधों पर मशहूर एबोरिजिनल आर्टिस्ट आंटी फियोना क्लार्क की बनाई आदिवासी कलाकृति बनी है।

इंदौर में अभिषेक का तूफान

तीसरा टी20 : वेस्टइंडीज की 14 रन से हार, भारत 2-1 से आगे

इंदौर। भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ होल्कर स्टेडियम में खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले को 14 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान देश ने पांच मुकाबलों की सीरीज में 2-1 से बढ़त हासिल कर ली है। रविवार को टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम पारी की अंतिम गेंद पर 223 रन पर सिमट गई। मेजबान टीम ने 7 के स्कोर पर संजू सैमसन (3) के रूप में पहला विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद ईशान किशन ने अभिषेक शर्मा के साथ दूसरे विकेट के लिए 40 गेंदों में 108 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 115 के स्कोर तक पहुंचाया। ईशान 18 गेंदों में 7 बाउंड्री के साथ 37 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद विकेटों का पतझड़ लग गया। इस बीच अभिषेक शर्मा 30 गेंदों में 5 छक्कों और 6 चौकों के साथ 69 रन बनाकर आउट हो गए। आलम ये रहा कि टीम ने 135 रन तक 5 विकेट खो दिए।

इसके बाद तिलक वर्मा ने नितीश रेड्डी के साथ छठे विकेट के लिए 34 रन और अक्षर पटेल के साथ सातवें विकेट के लिए 25 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचा दिया। तिलक वर्मा 28 रन बनाकर आउट हुए, जबकि नितीश रेड्डी ने 21 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इनके अलावा, अक्षर पटेल ने 20 रन बनाए। मेहमान खेमे से रोस्टन चेज, शमर जोसेफ और शमर स्प्रिंगर ने 2-2 विकेट निकाले। कीमो पॉल और गुडाकेश मोती ने 1-1 विकेट चटकाए।

इसके जवाब में वेस्टइंडीज निर्धारित ओवरों में 209/7 का स्कोर ही बना सकी। इस टीम को भी 7 के स्कोर पर पहला झटका लगा। कप्तान शाई होप महज 5 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद शिमरॉन हेटमायर ने कामिल पूरण के साथ दूसरे विकेट के लिए 31 गेंदों में 60 रन जुटाए। कामिल 27 गेंदों में 3 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 42 रन बनाकर आउट हुए, जबकि हेटमायर ने 26 गेंदों में 8 बाउंड्री के साथ 43 रन की पारी खेली।

इस टीम ने 105 रन तक चौथा विकेट गंवा

हम सभी को अपनी कोशिशों पर गर्व है, गेंदबाजों ने प्लान को बहुत अच्छे से लागू किया

इंदौर। भारत ने वेस्टइंडीज को रविवार को होल्कर स्टेडियम में खेले गए तीसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 14 रनों से हराया। जीत के बाद ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने भारतीय गेंदबाजों के प्रदर्शन की जमकर तारीफ की। भारतीय गेंदबाज 224 रनों के लक्ष्य का बचाव करने में सफल रहे और वेस्टइंडीज को 7 विकेट खोकर 209 रनों के स्कोर पर रोका। वेस्टइंडीज के इस दौरे पर यह पहला मौका रहा, जब रनों का पीछा करते हुए दोनों में से किसी टीम को हार का सामना करना पड़ा। नीतीश ने बल्ले से 21 रनों का

योगदान दिया, जबकि गेंदबाजी में 19 रन देकर एक विकेट चटकाया। नीतीश ने कहा कि टीम इस बात से खुश है कि गेंदबाजों ने आखिरी ओवरों में अपने प्लान पर अच्छी तरह अमल किया। 224 रनों का बचाव करते हुए भारतीय गेंदबाजों ने रनों की गति को कंट्रोल में रखा और डेथ ओवरों में अच्छी यॉर्कर फेंकी, जिससे वेस्टइंडीज लक्ष्य को हासिल करने में नाकाम रही। मैच के बाद ब्रॉडकास्टर्स से बात करते हुए नीतीश ने कहा, 'जीत तो जीत होती है। हम सभी को अपनी कोशिशों पर गर्व है। हम जानते हैं कि यह आसान नहीं है, लेकिन गेंदबाजों ने प्लान को बहुत अच्छे से लागू किया।

15 साल बाद प्रिंस यादव ने दोहराया अनोखा कारनामा, अश्विन-श्रीसंत की लिस्ट में जुड़ा नाम

इंदौर। भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को वेस्टइंडीज को तीसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 14 रनों से हराया। भारत के तेज गेंदबाज प्रिंस यादव गेंद से भले ही कुछ खास प्रभाव नहीं छोड़ सके, लेकिन उन्होंने बल्लेबाजी में 6 गेंदों में 13 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। प्रिंस ने अपनी इस पारी में 3 चौके लगाए। वह भारत की ओर से नंबर 10 या 11 पर बल्लेबाजी करते हुए तीन या उससे अधिक बाउंड्री लगाने वाले महज तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले, टी20 इंटरनेशनल में इस बैटिंग पोजीशन पर खेलते हुए सिर्फ रविचंद्रन अश्विन और एस श्रीसंत ही यह मुकाम हासिल कर सके हैं। अश्विन ने साल 2011 में 2011 में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए टी20 मुकाबले में 3 बाउंड्री लगाई थी। वहीं, श्रीसंत ने 2007 में न्यूजीलैंड

के खिलाफ नंबर 10 की पोजीशन पर खेलते हुए 10 गेंदों में 19 रनों की अपनी पारी में चार चौके लगाए थे। हालांकि, प्रिंस का प्रदर्शन गेंद से कुछ खास नहीं रहा और उन्होंने 4 ओवर के स्पेल में बिना कोई विकेट लिए 37 रन दिए।

तीसरे टी20 में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 223 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। टीम की ओर से अभिषेक शर्मा ने 30 गेंदों का सामना करते हुए 69 रनों की दमदार पारी खेली। 230 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपनी इस पारी में 6 चौके और 5 छक्के लगाए। वहीं, ईशान किशन ने 18 गेंदों में 37 रनों का योगदान दिया। तिलक वर्मा ने 16 गेंदों में 28 रन बनाए, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी ने 14 रन बनाए।

'सानिया एक लेजेंड खिलाड़ी और मेरी आदर्श हैं'

डब्ल्यू35 लागोस का खिताब जीतने के बाद बोलीं माया राजेश्वरन

नई दिल्ली। भारत की युवा टेनिस खिलाड़ी माया राजेश्वरन रेवती का मानना है कि उनका पहला प्रोफेशनल सिंगल्स खिताब सीनियर सर्किट में उनके सफर की बस शुरुआत है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 डबल्स खिलाड़ी सानिया मिर्जा से आगे निकलने का सवाल ही नहीं उठता, जिन्हें वह अपना आदर्श मानती हैं। 17 साल की माया ने नाइजीरिया में डब्ल्यू35 लागोस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रोफेशनल सर्किट में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने यूक्रेन की येलीजावेता कोट्लियार के साथ मिलकर डबल्स का खिताब जीता और फिर मेन ड्रॉ में बिना कोई सेट गंवाए सिंगल्स का खिताब भी अपने नाम किया।

17 वर्षीय माया ने फाइनल में स्पेन की सेलिया सर्विनो रुइज को 6-4, 6-2 से हराया और डब्ल्यू35 सिंगल्स खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय महिला बनीं। इस जीत के साथ उन्होंने सानिया मिर्जा के 22 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। भारत की सबसे सफल टेनिस खिलाड़ियों में से एक सानिया से आगे निकलने के बारे में पूछे जाने पर माया ने तुरंत इस तुलना को खारिज कर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पूर्व ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने अगली पीढ़ी के लिए कितनी बड़ी विरासत छोड़ी है। मीडिया के साथ एक वर्चुअल बातचीत के दौरान माया ने 'आईएएनएस' से कहा, 'मुझे नहीं लगता कि आप असल में उनसे आगे निकल सकते हैं, क्योंकि वह एक लेजेंड हैं और हमेशा लेजेंड ही रहेंगी। इसलिए मुझे लगता है कि मैं कई मायनों में उन्हें अपना आदर्श मानती हूं, क्योंकि जब मैं देश में बड़ी हो रही थी, तब वह मेरी आदर्श थीं। उन्होंने ही

इतने वर्षों बाद देश में टेनिस को पहचान दिलाई है।' इंटरव्यू और पॉडकास्ट के जरिए सानिया के सफर को देखने वालीं माया ने कहा कि उन्होंने इस टेनिस आइकन के साथ ज्यादा बातचीत तो नहीं की है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि वह उनके अनुभव से सीख पाएंगी। उन्होंने कहा, 'हालांकि, मैंने उनसे ज्यादा बात नहीं की है। काश मैं कर पाती। वैसे, मैं उन्हें बहुत मानती हूं, उनके सभी पॉडकास्ट और इंटरव्यू सुनती हूं। मुझे लगता है कि सानिया हमेशा एक लेजेंड रहेंगी और हमेशा मेरी आदर्श रहेंगी।' इस टीनएजर के लिए यह एक बहुत बड़ा कदम था क्योंकि वह खेल में आगे बढ़ रही थी। टूर्नामेंट से पहले दुनिया में 1038वें नंबर पर रहने वाली माया ने मेन ड्रॉ के लिए क्वालिफाई किया, फिर पहले राउंड में नंबर वन सीड जस्टिना मिकुलस्काइट को हराया और उसके बाद ऊंची रैंकिंग वाले खिलाड़ियों के खिलाफ भी जीत हासिल की। उन्होंने अपना शानदार सफर तब पूरा किया जब उन्होंने फाइनल मुकाबले में स्पेन की सेलिया सर्विनो रुइज को 6-4, 6-2 से हराकर प्रो सर्किट में अपना पहला खिताब जीता।

तिलक ने पूरा किया खास 'अर्धशतक', कोहली-रोहित के क्लब में हुए शामिल

इंदौर। टीम इंडिया ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को तीसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 14 रनों से हराया। भारत से मिले 224 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कैरेबियाई टीम निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट गंवाकर 209 रन ही बना सकी। तिलक वर्मा ने इस मुकाबले में खास अर्धशतक पूरा किया। दरअसल, तिलक ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में बतौर फील्डर 50 कैच पूरे कर लिए हैं। वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले भारत के महज पांचवें खिलाड़ी बने हैं। तिलक से पहले यह उपलब्धि रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या, सूर्यकुमार यादव और विराट कोहली ने हासिल की है।

इस लिस्ट में 65 कैच लेकर रोहित सबसे ऊपर मौजूद हैं। वहीं, हार्दिक पांड्या ने 64, सूर्यकुमार ने 58 और कोहली ने 54 कैच पकड़े हैं।

तीसरे टी20 में तिलक का प्रदर्शन बल्ले से भी दमदार रहा। उन्होंने महज 16 गेंदों का सामना करते हुए 28 रनों की तेज तर्रार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 175 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 4 चौके लगाए। दूसरे टी20 में भी तिलक ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 18 गेंदों में 44 रनों की नाबाद पारी खेली थी। तीसरे टी20 में तिलक के अलावा, भारत की ओर से अभिषेक शर्मा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 30 गेंदों में 69 रनों की दमदार पारी खेली। अभिषेक ने अपनी इस पारी में 6 चौके और 5 छक्के लगाए। वहीं, ईशान किशन ने 18 गेंदों में 37 रन बनाए, जिसके दम पर भारत की टीम 223 रनों के स्कोर तक पहुंचने में सफल रही। हालांकि, वेस्टइंडीज की टीम शिमरोन हेटमायर (43 रन) और कामिल पूरन (42 रन) की दमदार पारियों के बावजूद लक्ष्य से 14 रन दूर रह गई। शेरफेन रदरफोर्ड ने 20 गेंदों में 32 रन बनाए, जबकि शमर स्प्रिंगर ने 11 गेंदों का सामना करते हुए 35 रनों की नाबाद पारी खेली।

आर्थिक संकट से जूझ रहा था परिवार

रिंकू सिंह को मिला पोछा लगाने का काम, मगर नहीं मानी हार

नई दिल्ली। भारत के प्रतिभाशाली क्रिकेटर रिंकू सिंह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और आखिरी ओवरों में बड़े शॉट लगाने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं, जिन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए पहचान बनाई। गुजरात टाइटंस के खिलाफ साल 2023 में लगातार पांच छक्के लगाकर अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाने वाले रिंकू ने भारतीय टीम के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी अपनी उपयोगिता साबित की है। 12 अक्टूबर 1997 को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में जन्मे रिंकू सिंह के पिता घर-घर गैस सिलेंडर पहुंचाने का काम करते थे, जिनके पांच लड़कों में से एक रिंकू को क्रिकेट से कुछ ज्यादा ही लगाव था। इतना लगाव कि वह स्कूल के समय भी क्रिकेट खेलना ही पसंद करते। पिता नहीं चाहते थे कि रिंकू क्रिकेट में अपना समय बर्बाद करें। इस वजह से कभी-कभी उनकी पिटाई भी हो जाती। हालांकि,

भाइयों ने रिंकू का बखूबी साथ दिया। रिंकू के पास गेंद खरीदने के लिए पैसे नहीं होते थे, तो कुछ लोगों उनकी मदद भी करते।

परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहा था। ऐसे में रिंकू क्रिकेट से दूर होने लगे। इस बीच उनका भाई रिंकू को काम दिलवाने के सिलसिले में कोचिंग सेंटर लेकर गया, जहां उन्हें पोछा लगाने का काम मिल रहा था, लेकिन रिंकू को लगा कि इस वजह से उनका क्रिकेट छूट सकता है। ऐसे में उन्होंने यह नौकरी न करते हुए फिर से क्रिकेट खेलना शुरू करने का फैसला लिया।

रिंकू सिंह की निगाहें अंडर-16 टीम में जगह बनाने पर थीं। वह दो बार पहले ही राउंड में बाहर निकल चुके थे, जिसके बाद मोहम्मद जीशान और मसूद अमीन ने उनकी मदद की, जिनका मार्गदर्शन रिंकू के लिए मददगार साबित हुआ।

रिंकू सिंह को साल 2017 में पंजाब किंग्स ने 10 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा, लेकिन उस सीजन एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिल सका। इसके बाद साल 2018 में रिंकू पर कोलकाता नाइट राइडर्स ने 80 लाख रुपये का दांव खेला। इन पैसों ने परिवार की आर्थिक दिक्कतों को दूर कर दिया।

मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर एंजो मारेस्का के नाम बड़ी उपलब्धि

प्रीमियर लीग में दर्ज की लगातार छठी जीत

लिवरपूल। मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर एंजो मारेस्का ने लिवरपूल के खिलाफ 3-0 से जीत के साथ प्रीमियर लीग के इतिहास में मैनेजर के तौर पर सबसे अच्छी शुरुआत के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। पेप गार्डियोला की जगह लेने के बाद से इटैलियन मैनेजर ने लगातार छह जीत हासिल कर ली है। वह उन तीन मैनेजरों में से एक हैं जिन्होंने किसी क्लब के साथ अपने पहले छह प्रीमियर लीग मैच जीते हैं। गार्डियोला ने 2016/17 में सिटी के साथ ऐसा किया था। मैनचेस्टर सिटी के अनुसार, कार्लो एंसेलोटी ने भी चेल्सी में नई नियुक्ति के बाद 2009/10 सीजन के पहले छह मैचों में जीत हासिल की थी, और ओले गुन्नार

सोलस्कर ने दिसंबर 2018 में मैनचेस्टर यूनाइटेड का कार्यभार संभालने के बाद ऐसा किया था। अपने पहले छह प्रीमियर लीग मैचों के दौरान, मारेस्का की मैनचेस्टर सिटी टीम ने 16 गोल किए हैं और केवल पांच गोल खाए हैं। मैनचेस्टर सिटी के 18 प्वाइंट्स ने क्लब को शुरुआती टेबल में तीन प्वाइंट्स की बढ़त दिला दी है। एनफील्ड स्टेडियम में इस जीत से पहले मैनचेस्टर सिटी ने बॉर्नमाउथ, क्रिस्टल पैलेस, कोवेंट्री सिटी, मैनचेस्टर यूनाइटेड और सुंदरलैंड की चुनौतियों का सामना किया और इन सभी टीमों के खिलाफ जीत दर्ज की। उन्होंने चैंपियंस लीग और काराबाओ कप में क्रमशः पोर्टो और नॉर्विच सिटी पर भी जीत हासिल की है।